दैनिक

# नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

रांची, सोमवार 07 फरवरी 2022, माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी, विक्रम संवत - 2077 वर्ष-07 अंक-293 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपए

रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

28 सितंबर, 1929 श्रद्धांजलि 06 फरवरी, 2022

## मेरी आवाज ही मेरी पहचान है...

92 साल की स्वर कोकिला लता मंगेशकर आखिरकार जिंदगी से अपनी जंग हार गयीं। रविवार की सुबह उनका निधन हो गया। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉ. प्रतीत समदानी ने कहा कि लता मंगेशकर का निधन कई अंगों के काम न करने के कारण हुआ।

**कोरोना की वजह से स्वर कोकिला का निधन**

उनका निधन सुबह 8:12 बजे हुआ। 28 दिनों से अधिक समय तक भर्ती रहने के बाद उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, जिससे उनका निधन हुआ। भारत कोकिला लता मंगेशकर में कोरोना के हल्के लक्षण थे, जिसके बाद उन्हें 8 जनवरी शनिवार की रात ही ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर 11 जनवरी मंगलवार को सामने आयी। उनकी उम्र को देखते हुए एहतियातन उन्हें आईसीयू में रखा गया था। लता मंगेशकर के साथ ही मीठे सुरों से सजी 8 दशकों का वो खूबसूरत सफर का भी अंत एक साथ हो गया, जिसे इन्होंने अपनी आवाज से पिरोया था। हालांकि, 28 सितंबर 1929 को जन्मीं पूरे देश की चहेती लता मंगेशकर ने भले अपनी सांसें बंद कर ली हों, लेकिन उनकी आवाज की वो मिठास हर धड़कन में हमेशा-हमेशा जिंदा रहेगी।

**6 और 7 फरवरी को राष्ट्रीय शोक | राजकीय सम्मान के साथ हुई अंत्येष्टि**

# रहें ना रहें हम, महका करेंगे...

### दो दिन का राष्ट्रीय शोक

**नयी दिल्ली।** केंद्र सरकार ने रविवार को भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर दो दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान उनके सम्मान में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। लता मंगेशकर के सम्मान में पूरे देश में 6 और 7 फरवरी को राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

### झारखंड में दो दिन का राजकीय शोक

**रांची।** गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार झारखंड सरकार, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने स्वर कोकिला लता मंगेशकर का निधन होने पर 6 व 7 फरवरी को दो दिवसीय राजकीय शोक मनाने का निर्णय लिया गया है। उक्त तिथि को झारखंड राज्य के उन सभी भवनों, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे एवं किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जाएगा।

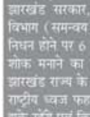

"लता जी का निधन दुनिया भर के लाखों लोगों की तरह ही मेरे लिए मेरे लिए भी हृदयविदारक है। उनके गीतों की विशाल शृंखला में, भारत के सार और सुंदरता को प्रस्तुत करते हुए, पीढ़ियों ने अपनी आंतरिक भावनाओं की अभिव्यक्ति पाई। भारत रत्न, लता जी की उपलब्धियां अतुलनीय रहेंगी।

रामनाथ कोविंद, राष्ट्रपति

"लता मंगेशकर जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। वह कई दशकों तक भारत की सबसे प्रिय आवाज बनी रहीं। उनकी सुनहरी आवाज अमर है और उनके प्रशंसकों के दिलों में गूंजती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

**राहुल गांधी, नेता कांग्रेस**

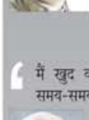

"मैं खुद को सौभाग्यशाली समझता हूं कि समय-समय पर मुझे लता दीदी का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त होता रहा। अपने अतुलनीय देशप्रेम, मधुर वाणी और सौम्यता से वो सदैव हमारे बीच रहेंगी। उनके परिजनों व असंख्य प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ॐ शांति शांति

**अमित शाह, गृहमंत्री**

"अभिनेता अमिताभ बच्चन की आंखें भी लता मंगेशकर के अवसान पर नम हो गयीं। उन्होंने लिखा- उन्होंने हमें छोड़ दिया है.. लाखों सदियों की आवाज हमें छोड़ गई है.. उसकी आवाज अब स्वर्ग में गूंजती है! शांति और शांति के लिए प्रार्थना..।

**अमिताभ बच्चन, अभिनेता**

## राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

### पंचतत्व में विलीन हुईं भारत रत्न लता मंगेशकर

### रोती आंखों ने सुर की देवी को दी अंतिम विदाई

**मुंबई।** भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर रविवार शाम पंचतत्व में विलीन हो गईं। शिवाजी पार्क में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। लता मंगेशकर के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि उनके भाई हृदयनाथ मंगेशकर ने दी । शिवाजी पार्क पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी, शरद पवार , भारतरत्न क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, फिल्म अभिनेता शाहरुख खान सहित हर क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों ने पुष्पचक्र अर्पित किए। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगेशकर परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। इससे पहले लता मंगेशकर का पार्थिव शरीर पेडर रोड स्थित उनके प्रभु कुंज आवास से सैनिक सम्मान के साथ शिवाजी पार्क के लिए रवाना हुआ। करीब दो घंटे बाद लता दीदी की पार्थिव देह शिवाजी पार्क मैदान पहुंची। उनके भाई हृदयनाथ मंगेशकर, बहन आशा भोसले, उषा मंगेशकर, मीना मंगेशकर परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। लता मंगेशकर के अंतिम दर्शन के लिए पेडर रोड से शिवाजी पार्क तक प्रशंसक सड़क के दोनों ओर खड़े रहे। अंतिम यात्रा में शामिल हजारों लोगों ने लता मंगेशकर अमर रहे का उद्घोष कर आसमान को गुंजायमान कर दिया।

### अमिताभ समेत पहुंची थे ये दिग्गज

अमिताभ बच्चन से लेकर अनुपम खेर, जावेद अख्तर, राज ठाकरे, पंकज उधास, संजय लीला भंसाली, श्रद्धा कपूर समेत कई दिग्गज हस्तियां लता मंगेशकर के घर उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचीं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, मुंबई भाजपा अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा समेत हर क्षेत्र के अति विशिष्ट लोग भी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। शिवाजी पार्क मैदान में सांसद सुप्रिया सुले, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, दिलीप वलसे पाटिल, छगन भुजबल, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे, फिल्म अभिनेता शाहरुख खान, अभिनेत्री श्रद्धा कपूर, लता का इलाज करने वाले डॉ. प्रतीत समदानी आदि मौजूद रहे।

## 36 भाषाओं में गाने गाये

लता मंगेशकर ने पांच वर्ष की उम्र से संगीत सीखना शुरू किया था। लता मंगेशकर को गाने के लिए बढ़ावा देने वाले कोई और नहीं बल्कि उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर थे, जो खुद भी एक क्लासिकल सिंगर थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लता मंगेशकर ने 1 हजार से ज्यादा हिंदी फिल्मों और 36 क्षेत्रीय फिल्मों में गाना गाया है। लता मंगेशकर ने 30,000 से अधिक गानों में अपना आवाज दी है और यह आंकड़ा अपने आपमें अनूठा है। लता मंगेशकर ने मधुबाला से लेकर ऐश्वर्या राय तक के लिए अपनी आवाज दी है।

### इंदौर में हुआ था जन्म

भारत रत्न लता मंगेशकर का जन्म इंदौर के सिख मोहल्ले में 28 सितंबर 1929 को हुआ था। जिस घर में उनका जन्म हुआ था, उस समय वाघ साहब के बाड़े के रूप में जाना जाता था। सात साल की उम्र तक लता का परिवार इसी घर में रहा। आज यह घर एक कपड़े के शो रूम में तब्दील हो गया है। लता मंगेशकर की याद को चिरस्थायी बनाने के लिए कपड़े की दुकान में भी म्युरल्स लगाये गये हैं।

## लंबी है पुरस्कारों की सूची

फिल्म फेयर पुरस्कार (1958, 1962, 1965, 1969, 1993 और 1994), राष्ट्रीय पुरस्कार (1972, 1975 और 1990), महाराष्ट्र सरकार पुरस्कार (1966 और 1967), पद्म भूषण : 1969, दुनिया में सबसे अधिक गीत गाने का गिनीज बुक रिकॉर्ड : 1974, दादा साहब फाल्के पुरस्कार : 1989, फिल्म फेयर का लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार : 1993, स्क्रीन का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार : 1996, 1997 - राजीव गान्धी पुरस्कार, 1999 - एन.टी.आर. पुरस्कार, 1999 - पद्म विभूषण, 1999 - जी सिने का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, 2000 - आई. आई. ए. एफ. का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, 2001 - स्टारडस्ट का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, 2001 - भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न, 2001 - नूरजहां पुरस्कार, 2001 में महाराष्ट्र रत्न, 1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने वाली फिल्म इंडस्ट्री की पहली महिला। वर्ष 1974 में लंदन के सुप्रसिद्ध रॉयल अल्बर्ट हॉल में गाने वाली पहली भारतीय गायिका। 1984 में मध्य प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर संगीत का पुरस्कार रखा।

## ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी...

**मुंबई।** भारत रत्न स्वरकोकिला लता मंगेशकर ने अपने 70 वर्ष के संगीत काल में लगभग 30 हजार गीत गाये लेकिन कुछ ऐसे गीत हैं जिन्हें उन्होंने अपना स्वर दे कर अमर बना दिया। ऐसा ही एक गीत है-ऐ मेरे वतन के लोगों..., जिसे कवि प्रदीप ने लिखा था और उनके इस गीत के बोलों को अपनी आवाज दे कर लता मंगेशकर ने अमर बना दिया। यह संयोग ही है कि रविवार को कवि प्रदीप की जयंती भी है। अर्थात जिस दिन कवि प्रदीप का जन्मदिन है, उसी दिन लता मंगेशकर ने अंतिम सांस ली।

### अभिनेत्री भी रहीं लता मंगेशकर

आर्थिक परेशानी के कारण फिल्मों में अभिनय पसंद नहीं होने के बावजूद उन्होंने कुछ हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम करना पड़ा। अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फिल्म मराठी में पाहिली मंगलागौर 1942 रही, जिसमें उन्होंने स्नेहप्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभायी। बाद में उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें, माझे बाल, चिमुकला संसार 1943, गजभाऊ 1944 (मराठी), बड़ी मां 1945, जीवन यात्रा 1946, मांद 1948, छत्रपति शिवाजी 1952 शामिल थी। बड़ी मां में लता ने नूरजहां के साथ अभिनय किया और उसके छोटी बहन की भूमिका निभाई आशा भोसले ने। उन्होंने खुद की भूमिका के लिये गाने भी गाये।

**मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लता मंगेशकर के निधन पर गहरी संवेदना जतायी, कहा**

## हमारे दिलों पर राज करेगी उनकी आवाज

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारतरत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लता जी के निधन से मर्माहत हूं। यह देश और देशवासियों के लिए अपूरणीय क्षति है। आज हर किसी की आंखें नम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

### सुरों का एक कारवां थम सा गया

उन्होंने विभिन्न भाषाओं में लगभग 30 हजार गानों को अपनी सुरीली आवाज दी थी। उनकी आवाज ही उनकी पहचान थी। आज उनके हमारे बीच नहीं होने से सुरों का एक कारवां थम सा गया है। लेकिन, ये अपनी आवाज से हमेशा हमारे दिलों में राज करेंगी। लता जी भले ही इस दुनिया में अब नहीं है, लेकिन उनके गाने हमेशा उनकी याद दिलाती रहेगी। परमात्मा दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान दे एवं उनके असंख्य प्रशंसकों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

## भारतीय संस्कृति की महान हस्ती : मोदी

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को लता दीदी कहते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और कहा है कि लता के निधन से देश में जो रिक्ति उत्पन्न हुई है, वह अपूरणीय है। ट्विटर पर अपने शोक संदेश में मोदी ने कहा, मैं अपने दुख को शब्दों से अभिव्यक्ति नहीं कर सकता। दया और ममतामई लता दीदी हमें छोड़ कर चली गयी हैं। उन्होंने हमारे देश में जो रिक्ति पैदा की है, उसे भरा नहीं जा सकता। आने वाली पीढ़ियां उन्हें भारतीय संस्कृति की एक महान हस्ती के रूप में याद करेंगी। उनके स्वर में लोगों पर जादू करने का जो प्रभाव था, वह अद्वितीय है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर लता मंगेशकर को कुछ पुष्प गुच्छ प्रस्तुत करते हुए अभिवादन की मुद्रा में अपनी एक फोटो भी शेयर की है।

उन्होंने कहा कि मुझे लता दीदी से हमेशा ही बहुत अधिक स्नेह है प्राप्त हुआ, जो मेरे लिए गौरव की बात है।

# नींव खोदने के दौरान निकले तीर, धनुष, गदा और कुल्हाड़ी समेत अन्य पुराने हथियार

**रांची।** झारखंड के लोहरदगा जिला के सदर प्रखंड अंतर्गत करंज टोली गांव में एक निमार्णाधीन मकान की नींव से प्राचीन पारंपरिक औजार मिले है। प्रशासन की ओर से जमीन के अंदर से निकले तीर, धनुष, गदा और कुल्हाड़ी, पीतल, तांबा का लोटा, कुदाल और हंसुआ समेत अन्य पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक महत्व की जांच कराने की बात कही गयी है।

**आंदोलन से जुड़े पारंपरिक हथियारों के होने की संभावना**

जानकारों के अनुसार इन हथियारों की समयावधि को लेकर अगल-अलग दावे किये जा रहे हैं। कोई इसे सन 1832 का लरका आंदोलन, तो कोई इसे 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान क्रांतिकारियों द्वारा छिपाया गया हथियार बता रहा है, तो कोई इसे अन्य आंदोलनों में इस्तेमाल हुआ मान रहा है।

**एक-डेढ़ सौ साल से ज्यादा पुराने हथियार**

बताया गया है कि ब्रह्मडीहा करंज टोली गांव निवासी सुमन टाना भगत अपने नये भवन निर्माण को लेकर नींव की खुदाई करा रहे थे, इसी दौरान ये प्राचीन पारंपरिक औजार मिले। बरामद प्राचीन पारंपरिक औजारों की स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि कम से कम यह एक-डेढ़ सौ साल से ज्यादा पुराने है।

**परदादा थे स्वतंत्रता सेनानी**

सुमन टाना भगत के परदादा मंगरा टाना भगत स्वतंत्रता आंदोलन में बेहद सक्रिय थे और वह अंग्रेजी शासन में जेल भी गये थे। सभी हथियार अलग-अलग जगहों पर जमीन के अंदर रखे गये थे। नींव से हथियार निकलने की जानकारी मिलने पर इसे देखने के लिए लोगों की भीड़ एकत्रित हो गयी है। बरामद सामान में कुछ अज्ञात धातु के कलात्मक बर्त्तनों के अुकड़े भी मिले है। इसमें से काफी सामनों व हथियारों में जंग लग चुका है।

**पुरातात्विक महत्व की होगी जांच**

प्रशासन की ओर से इन सभी सामानों को जब्त कर इसके पुरातात्विक महत्व की जांच कराने का निर्णय लिया गया है। उपायुक्त दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि जांच के लिए टीम को मौके पर भेजा गया है, जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

**15साल पहले सड़क निर्माण के दौरान भी मिले थे अवशेष**

15साल पहले भी इस स्थान के निकट सड़क निर्माण के दौरान जमीन की खुदाई में इस तरह के हथियार और अन्य अवशेष मिले थे, लेकिन उस समय इसकी ज्यादा चर्चा हुई थी और किसी भी अवशेष को संरक्षित नहीं रखा जा सका।

# एक साल बाद फिर लालू प्रसाद 14 को आएंगे रांची

## तबीयत बिगड़ने पर पिछले साल 23जनवरी को रिम्स से नई दिल्ली एम्स में हुए थे रेफर

**रांची।** राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव एक साल बाद फिर आगामी 14 फरवरी को रांची आएंगे। इस बार भी लालू प्रसाद चारा घोटाले के एक मामले में अदालत के आदेश पर रांची आ रहे है। रांची स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने चारा घोटाले में सबसे बड़े 139.5 करोड़ रुपये की अवैध निकासी से जुड़े सुनवाई पूरी कर ली है और लालू प्रसाद समेत सभी आरोपियों को 15 फरवरी को सशरीर अदालत में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। रांची जिले के डोरंडा कोषागार से 139.35करोड़ की अवैध निकासी से जुड़े मामले में लालू प्रसाद भी मुख्य आरोपियों में से एक है । इससे पहले लालू प्रसाद को चारा घोटाले के चार अन्य मामलों में सजा सुनायी जा चुकी है।

### 23जनवरी को एम्स दिल्ली गये थे

आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद चारा घोटाले के अन्य मामले में रांची के बिरसा मुंडा में सजा काट रहे थे और इस बीच उनकी तबीयत बिगड़ने पर महीनों तक रांची रिम्स में इलाज चलता रहा। लेकिन पिछले वर्ष 23 जनवरी को तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। इस बीच हाईकोर्ट से लालू प्रसाद को जमानत मिल गयी , जिसके बाद दिल्ली स्थित एम्स से ही लालू प्रसाद पुलिस कस्टडी से मुक्त हो गये। इसके बाद वे कई बार पटना गये, लेकिन इस अवधि के दौरान कभी भी दुबारा झारखंड नहीं आये। पर अब उन्हें एक बार फिर से अदालत के आदेश से रांची आने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

**अदालत के फैसले पर टिकी है सभी की निगाहें**

### एक दर्जन से अधिक बीमारियों से जूझ रहे है लालू प्रसाद

लालू प्रसाद उम्र के इस पड़ाव में एक दर्जन से अधिक बीमारियों से जूझ रहे है। वे डाइबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, प्रोस्टेट का बढ़ना, यूरिक एसिड का बढ़ना, किडनी की बीमारी, किडनी में स्टोन, थैलीसीमिया (रक्त से संबंधित बीमारी), ब्रेन से सम्बंधित बीमारी, दाहिने कंधे की हड्डी में दिक्कत, पैर की हड्डी की समस्या, आंख में दिक्कत, पोस्ट एवीआर (हृदय से सम्बंधित) बीमारियों से जूझ रहे हैं।

स्वर कोकिला के निधन पर कांग्रेस ने जताया शोक

# कला के कारण सदियों तक जीवित रहेंगी लता जी : रामेश्वर

**रांची :** स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर झारखंड के वित्तमंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने शोक प्रकट किया है। डॉ. उरांव ने कहा कि लता जी ने अपनी आवाज के जादू से देश ही नहीं पूरी दुनिया में पहचान बनायी। चाहे वह देशभक्ति गीत हो या, भजन अथवा अन्य फिल्मी गीत हो, वह इन गीत-संगीत के माध्यम से सदियों तक जीवित रहेगी।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोरनाथ शाहदेव और डॉ. राजेश गुप्ता छोटू ने भी भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया है।कांग्रेस नेता आलोक दूबे ने कहा ने कहा कि लताजी का जाना पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान और परिजनों तथा प्रशंसकों को इस वज्रपात को सहने की शक्ति दें।

किशोर शाहदेव ने कहा लता मंगेशकर का जीवन उपलब्धियों भरा रहा, देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में उनकी गायिका की गूंज सुनाई देती थी।डॉ. राजेश गुप्ता छोटू ने कहा उनके नाम देश और विदेशों के कई रिकॉर्ड दर्ज हैं,ग्रिनीज बुक रिकार्ड,भारत रत्न पुरस्कार हो, स्क्रीन का लाइव अचीवमेंट पुरस्कार,फिल्म फेयर पुरस्कार हो उन्होंने अपना नाम हमेशा के लिए अमर कर लिया।

## एक नजर

### श्री श्याम बाबा का हुआ महाश्रृंगार

**रांची :** श्री श्याम मित्र मंडल रांची द्वारा निर्मित तथा संचालित हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में बसंत पंचमी के अवसर पर शनिवार प्रातः मंगल आरती के बाद बाबा श्री श्याम का बसंती महास्नान उत्सव हुआ। बाबा श्री श्याम को जल, गंगाजल, दूध, शहद, केसर के मिश्रण से महास्नान कराया गया। मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि बसंती विभिन्न प्रकार के पुष्पों की भव्य मालाओं के साथ बाबा श्री श्याम का दिव्य श्रृंगार किया गया। इसके पूर्व बसंती बागा (वस्त्र) पहनाया गया। सभी मंदिरों के पर्दे भी बदल कर बसंती पर्दे लगाए गए थे। मंदिर परिसर में स्थित श्यामेश्वर महादेव मंदिर, श्री हनुमान मंदिर, वरिष्ठतम श्याम भक्त ब्रह्मलीन श्याम बहादुर जी अग्रवाल व भक्त शिरोमणि आलू सिंह जी महाराज के तैल चित्रों को भी बसंती फूलों से सजाया गया था। प्रातः 9:45 बाबा का पर्दा हटाया गया। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने दिव्य दर्शन कर अपने अपने लिए खुशहाली की प्रार्थना की। मंदिर के अचार्य ने पंचदीप की श्रृंगार आरती की। ध्रुवा के विनोद नारायण गुप्ता द्वारा पंचमेवा का प्रसाद अर्पित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, गोपाल मुरारका, अशोक लड़ियां, प्रदीप राजगढ़िया, श्याम सुंदर शर्मा, मनोज खेतान, गौरव अग्रवाल (मोनू), आदित्य लोहिया, पंकज गाड़ोदिया, राजकुमार टीवड़ेवाल (पप्पू), राजेश कटारुका, निखिल नारनौली, अंकित मोदी, सूरज लोधा, संजय सराफ, विजय साबू, मंजू मुरारका, हरिशंकर परसराम पुरिया, विकास मोदी सहित बड़ी संख्या में भक्त गण उपथित थे।

### स्वर कोकिला के निधन पर भाजपा नेताओं ने जताया शोक

**रांची :** लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने कहा कि लता दीदी के निधन से पूरी दुनिया में शोक है। आज का दिन भारत के लिए बहुत ही दुखदायी दिन है। संगीत जगत सूना हो गया। उनके जैसा कलाकार शायद ही दुनिया में पैदा हो। उनके निधन से मैं व्यकितगत रूप से भी दुखी हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें परमात्मा अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। उनके परिवार को भगवान दुख सहने की क्षमता प्रदान करें। मैं उस महान स्वर साम्राज्ञी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर भाजपा के कई नेताओं ने शोक जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि संगीत जगत की अद्वितीय प्रतिभा का चला जाना देश केलिय ही नहीं दुनिया के लिय अपूरणीय क्षति है। उन्हेंने कहा कि लता दीदी कला क्षितीज पर ध्रुवतारा की तरह सदैव आनेवाली पीढियो का मार्गदर्शन करती रहेंगी।प्रकाश ने लता दीदी की आत्मा की शांति केलिय ईश्वर से प्रार्थना की। प्रदेश भाजपा विधायकदल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लता दीदी के निधन से मन व्यथित है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न लता मंगेशकर ने भारतीय शास्त्रीय संगीत से विश्व को परिचित कराया। ऐसी प्रतिभाएं युगों युगों में एक होती है। ईश्वर उनकी आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि लता दीदी सरस्वती की वरद पुत्री थी। वे भारत की पहचान और शान थी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

### खुली लूट बना निरसा खान हादसा का मुख्य कारण: दीपक प्रकाश

**रांची :** निरसा खान हादसा मामले में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने हेमन्त सरकार को जिम्मेवार बताया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में सरकार के इशारे पर खुली लूट मची है। माफिया, बिचौलिया सरकार चला रहे हैं। ईस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड द्वारा बार बार अवैध खनन की सूचना सरकारी तंत्र को देता रहा किन्तु माफिया और बिचौलियों के दिशा निर्देश पर प्रशासनिक तंत्र बहरी बनकर बैठी रही। ईसीएल के आदेश को दरकिनार कर नोटिस लौटाया गया। पुलिस प्रशासन लूट और वसूली में लगी रही। उन्होंने कहा कि ईसीएल के आदेशों का पालन किया गया होता तो आज कइयों की जान बची होती। यह हेमन्त सरकार में फैले भ्ष्टाचार्र का मामला है। प्रकाश ने कहा कि निरसा की तरह पूरे प्रदेश में एक खास रैकेट को लूट की छूट मिली है। हेमन्त सरकार के इशारे पर बालू, कोयला व अन्य खनिज संपदा की अवैध खनन जारी है। कांग्रेस झामुमो व राजद के कार्यकताओं के इशारे पर अवैध खनन का कार्य हो रहा है। सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाकर अपना खजाना भरने में लगे हैं। यह सरकार, झारखंड को खोखला बनाने में जुटी हुई है।खुली लूट की छूट बंद नहीं हुआ तो कई दुष्परिणाम सामने आएगा। उन्होंने कहा कि हेमन्त सरकार का विकास का पैमाना खुद की झोली भरना रहा है।

### सरला बिरला विवि परिसर में सरस्वती पूजा संपन्न

**रांची :** सरला बिरला विश्वविद्यालय प्रांगण में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर मां सरस्वती की बड़े ही धूमधाम के साथ पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक एवं डॉ नीलिमा पाठक ने मां की आराधना एवं पूजन संपन्न किया। संध्या समय मां की भव्य आरती की गई जिसमें डॉ नीलिमा पाठक ने अपने मधुर स्वर में मां की स्तुति की, तत्पश्चात संध्या जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर कुलपति प्रो. पाठक ने कहा कि मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादिनी और वाग्देवी आदि कई नामों से भी जाना जाता है। ब्रह्माजी ने माता सरस्वती की उत्पत्ति वसंत पंचमी के दिन की थी, यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष वसंत पंचमी के दिन ही देवी सरस्वती का जन्मदिन मानकर पूजा-अर्चना की जाती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, नरहरी दास, अजय कुमार, प्रवीण कुमार, आशुतोष द्विवेदी, प्रो. संजीव बजाज, डॉ. संदीप कुमार, प्रो. आदित्य विक्रम वर्मा, अमित गुप्ता, डॉ. भारद्वाज शुक्ल, प्रशांत जमुआर, ऋषिराज जमुआर, सुभाष नारायण शाहदेव, राहुल रंजन, आदित्य रंजन सहित विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

**पूजन के बाद आरती और जागरण का कार्यक्रम**

### सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

**रांची।** रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित हटिया डैम के समीप रविवार को हुई सड़क दुर्घटना एक युवक की मौत हो गयी, जबकि दो लोग घायल हो गये । मृत युवक की शिनाख्त नगड़ी थाना क्षेत्र के प्रेमचंद उरांव के रूप में की गयी है। घायलों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को नारायणी हॉस्पिटल भेज दिया। मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार स्कूटी (जेएच 01 डीसी 1574) और बाइक (जेएच 01 सीएन 0862) की आपस में टक्कर हो गयी। इसमें स्कूटी सवार की मौत हो गयी। बाइक सवार दोनों युवक जख्मी हैं।

## संक्षिप्त

### वैश्य मोर्चा की बैठक में आरक्षण पर चर्चा

**रांची।** झारखंड वैश्य मोर्चा (जेवीएम) की केंद्रीय कोर कमेटी और प्रमुख केंद्रीय पदाधिकारियों की बैठक रविवार को रेडियम रोड स्थित होटल आलोका में हुई। बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने की। बैठक में कई प्रस्ताव पारित हुए। बैठक में निर्णय हुआ कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने सहित अन्य मांगों को लेकर एक बार फिर मुख्यमंत्री को स्मार-पत्र सौंपा जायेगा। मोर्चा के मीडिया प्रभारी राहुल साहु ने बताया कि बैठक में निर्णय हुआ कि 13 फरवरी को गढ़वा में, 16 फरवरी को गम्हरिया में, 20 फरवरी को देवघर में तथा 27 फरवरी को रांची में प्रमंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। नौ मार्च को रजरप्पा में महिला सम्मेलन सह परिवार मिलन समारोह का आयोजित किया जाएगा। 23 मार्च से तीन दिनों तक रांची में धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में कई अन्य निर्णय किए गए।

झाखंड पर कांग्रेस आलाकमान की विशेष नजर

# प्रकाश जोशी, जितेंद्र कसाना व भावेश चौधरी पहुंचे रांची

रांची : कांग्रेस पार्टी का सदस्यता अभियान 1 नवंबर 2021 से लगातार जारी है।पूरे देश में यह अभियान 31 मार्च तक चलेगा। केन्द्रीय नेतृत्व ने झारखंड को तवज्जो देते हुए इस अभियान गति प्रदान करने के लिए झारखंड के प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी प्रकाश जोशी सह निर्वाचन पदाधिकारी जितेंद्र कसाना और भावेश चौधरी को रांची भेजा है। तीनों नेता रविवार को रांची पहुंचे। रांची पहुंचने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने तीनों नेताओं का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

**कांग्रेस सदस्यता अभियान की समीक्षा**

सदस्यता अभियान और केन्द्रीय नेताओं के झारखंड प्रवास पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि 7 फरवरी को दिन के 12.30 बजे करम टोली चौक स्थित रांची प्रेस क्लब में प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी सभी जिला अध्यक्ष,मोर्चा संगठनों एवं विभागों के अध्यक्ष,सदस्यता अभियान के राज्य प्रमुख सह प्रमुख, जिला सदस्य अभियान प्रभारी के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान सदस्यता अभियान की समीक्षा की जाएगी। मुंजनी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया है कि बैठक में जिले में चल रहे सदस्यता अभियान की समस्त जानकारी के साथ शामिल हों ताकि सदस्यता अभियान की गति को और अधिक आगे बढ़ाया जा सके।

सुभाष युवा मंच का जननी को जीने दो अभियान शुरू

# स्वास्थ्य मंत्री ने अभियान का किया शुभारंभ

**रांची :** झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने सुभाष युवा मंच द्वारा आयोजित कन्या की रक्षा हेतु अभियान का शुभारंभ किया। स्वास्थ्य मंत्री गुप्ता ने सुभाष युवा मंच के अध्यक्ष पारस नाथ मिश्र की इस सोच की सराहना करते हुए समाज के लिए अनुकरणीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रूण हत्या के खिलाफ कठोर कदम उठा रही है और जननी को जीने दो अभियान कन्या के सम्मान के लिए है।

मौके पर गुप्ता ने कहा कि सुभाष युवा मंच द्वारा इस अभियान को पूरे राज्य में भ्रूण हत्या के खिलाफ चलाया जाएगा। बन्ना गुप्ता ने समाज के हर वर्ग को जननी को जीने दो सेव गर्ल सेव वर्ल्ड अभियान से जुड़ने की अपील की। शिक्षविद और राज्यपर्वेक्षण बोर्ड के सदस्य पारस नाथ मिश्रा ने कहा कि पृथ्वी पर नारी को सम्मानपूर्वक लाने के लिए इस अभियान की शुरूआत की गई है। झारखंड में कन्याओं को इससे जोड़ा जाएगा और भ्रूण हत्या के खिलाफ इस अभियान को पूरे राज्य में चलाया जाएगा।

जननी को जीने दो अभियान की शुरूआत स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और पारस नाथ मिश्रा ने कन्याओं को मिठाई खिला कर किया। इस कार्यक्रम में हया प्रवीण, अंजली कुमारी, अमनदीप कौर,शमा प्रवीण, प्रियंका मंडल, नीलेश कुमार उपस्थित थे।

### स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं ठप्पः प्रदीप वर्मा

**रांची :** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा ने एमजीएम अस्पताल में जांच व्यवस्था ठप्प होने पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र की स्थिति से स्पष्ट है कि गांव गांव की स्थिति क्या होगा। उन्होंने कहा कि एमजीएम में पिछले एक महीने से जांच नहीं होना चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि निशुल्क जांच बंद होने से गरीब गुरबा को पैसे देकर जांच करवाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री बड़े बड़े भाषण देने के बजाए जनता के लिए जमीन पर उतरकर काम करे। बडी बडी बात के बजाए छोटे छोटे कार्य शुरू करे। पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य की स्थिति बद से बदतर हो गया है। जनता त्राहिमाम है। गांव गांव में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि हेमन्त सरकार भ्रष्टाचार के आकंठ में डूब गई है। यही कारण है कि जमीन पर काम नहीं हो रहा है। वर्मा ने कहा कि हेमन्त सरकार की स्थिति यह है कि कोरोना काल में केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त दवाओं को बांटा भी नहीं जा सका। कोरोना टेस्ट हेतु जीनोम सिक्वेंसिंग मशीन की खरीद भी नहीं हो सका। कोरोना जांच लोगों को ज्यादा पैसे देकर करवाना पड़ा। कोरोना काल में स्वास्थ्य व्यवस्था बद से बदतर हो गया। बेड की बोली लग रही थी। लोग ऑक्सीजन के लिए त्राहिमाम कर रहे थें। इस सरकार को जमीन पर उतरकर काम करने की आवश्यकता है।

झारखंड के बजट मे दीर्घकालिक और अल्पकालिक

# उपायों का रहे संतुलन:सूर्यकांत शुक्ला

**रांची।** यूनियन बजट के बाद झारखंड वासियों की निगाहें अब अपने राज्य के सालाना बजट पर टिक गयीं हैं जिसका प्रस्तुतिकरण 3 मार्च 2022 को विधानसभा में वित्तमंत्री डा०रामेश्वर उरांव करेंगे।

आर्थिक मामलों के जानकार सूर्यकांत शुक्ला ने कहा कि पिछले बजट में सरकार के 11 विभागों की 21 मांगों के लिए अभिनव सोच के साथ पहली बार आउटकम बजट लेकर सरकार आयी थी जिसका उद्देश्य था कि व्यय पूर्व के अनुमानों के साथ व्यय के बाद मिले परिणामों को सार्वजनिक दृष्टि मे लाना ताकि राज्य की जनता यह जान पाये कि बजट में जो प्रावधान किये गये थे ,उनका कितना लाभ उन तक पहुंच पाया। आउटकम बजट की यह शुरूआत निसंदेह बजट के खर्च और क्रियान्वयन को ज्यादा जबाब देह और पारदर्शी बनाती है ।

चालू वित्त वर्ष के लिए राज्य की जीडीपी मे ग्रोथ के लिए 9.5प्रतिशत की वृद्धि दर रियेल जीडीपी में तथा 13.6प्रतिशत नामिनल जीडीपी में लगाया गया था जबकि पिछले वित्त वर्ष 2021-21 के लिए महामारी के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था में 6.9 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान बजटीय दस्तावेजों में दिखाया गया था। राज्य अर्थव्यवस्था की अद्यतन स्थिति पर 1 फरवरी 2022 को ही अधिकारिक रुप से जानकारी मिल पायेगी कि पूंजीगत मद,सामाजिक प्रक्षेत्र, आर्थिक प्रक्षेत्र और आउटकम बजट पर राज्य की स्थिति क्या और कहां है । बजट के आकार में साल दर साल बढ़ोतरी तो होती ही है और यह मुद्रास्फीति के लिहाज से भी लाजिमी है ,परंतु इससे भी ज्यादा जरूरी है कि सरकारें (राज्य और केन्द्र) व्यय मशीनरी की क्षमता बढाय़ें ताकि सरकारों को बजट के पैसे समय पर खर्च न कर पाने के लिए बहानों का सहारा न लेना पड़े ।

आकाशवाणी रांची केंद्र का उद्धाटन लता मंगेशकर से करने का किया गया था अनुरोध

# अति व्यस्तता के कारण रांची नहीं आ पायी

**रांची।** 1957 में जब आकाशवाणी रांची केंद्र की स्थापना की गयी ,तब किसी ने सूचना प्रसारण मंत्रालय के तत्कालीन निदेशक जगदीश चंद्र माथुर से पूछा कि इसका उद्घाटन कौन करेगा। तब जगदीश चंद्र माथुर ने हंसते हुए कहा था-इसका उद्घाटन लता मंगेशकर करेंगी। तब हंसी में कही गयी उनकी को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया था।

उद्घाटन से कुछ माह पूर्व आकाशवाणी, रांची केंद्र के परिसर में रांची के साहित्यकारों की बैठक बुलाई गयी थी। इस बैठक में रांची विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष केसरी कुमार, राधाकृष्ण , डॉक्टर सुधीर कुमार लाल और साहित्यकार रामकृष्ण उन्मन मौजूद थे। रामकृष्ण उन्मन के पुत्र और वरिष्ठ पत्रकार नवेन्दु उन्मेष बताते है कि उनके पिता ने उन्हें यह बताया था कि उस बैठक में भी लता मंगेशकर जी से आकाशवाणी रांची का उद्घाटन कराये जाने के संबंध में चर्चा हुई थी।

इसके बाद आकशवाणी रांची के तत्कालीन निदेशक सत्यप्रकाश कौशल और आकाशवाणी पटना के निदेशक एसपी किरण को जगदीशचंद्र माथुर के निर्देश पर लता मंगेशकर से मिलने के लिए मुंबई भेजा गया था, लेकिन तब लता मंगेशकर ने अपनी व्यस्तता के कारण उद्घाटन समारोह में रांची आने में असमर्थता जतायी थी और उनकी अनुपस्थिति में ही रांची स्थित आकाशवाणी केंद्र का उद्घाटन हुआ।

लताजी आकाशवाणी रांची नहीं आ पायी, लेकिन झारखंड में उनके प्रशंसकों की कोई कमी नहीं है, हर गांव-कस्बे, मुहल्ले में लताजी के प्रशंसक मौजूद है और सरस्वती की प्रतिमूर्ति लता जी अपने गानों के माध्यम से सदियों तक याद की जाएंगी।

www.navpradesh.com

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक

# नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 3 | राजधानी 6 | अभिव्यक्ति 5 | झारखंड 7 | झारखंड

रांची, सोमवार 07 फरवरी 2022, माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी, विक्रम संवत - 2077 वर्ष-07 अंक-293 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपए

रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

//-- सुविचार --//

**प्रार्थना ऐसे करो जैसे सब कुछ भगवान पर निर्भर करता है और प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है**

## आज बेबाक

असदुद्दीन ओवैसी पर हुए हमले से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के समीकरण गड़बड़ा सकते है। हमले के बाद जेड प्लस सुरक्षा ठुकराकर वे जिस दिलेरी से उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार कर रहे है उससे उनकी पार्टी को लाभ मिलने की संभावना बढ़ गई है। ऐसा हुआ तो इसका सीधा नुकसान समाजवादी पार्टी को पहुंचेगा। जाहिर है दो की लड़ाई में तीसरे को अर्थात भाजपा को इसका लाभ मिल सकता है। बिहार में पांच सीटें जीतकर राष्ट्रीय जनता का खेल बिगाड़ने वाले औवेसी उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का खेल खराब कर दें तो आश्चर्य नहीं होगा।

### सूर्योदय

उदय : 6.29 प्रात:

अस्त : 5.36 संध्या

### जनसंख्या

विश्व : 7,924,006,390

भारत : 1,401,868,430

### बाजार

संसेक्स : अवकाश

निफ्टी : अवकाश

गोल्ड : 48,710 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 61,170 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 4.49 प्रति नग

### प्रदेश का मौसम

| स्थान | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| रांची | 21.4 | 7.5 |
| जमशेदपुर | 23.6 | 9.4 |
| डालटेनगंज | 20.8 | 8.6 |
| देवघर | 20.9 | 8.2 |

### आज का दिवस

**वैलेंटाइंस वीक :** फरवरी का महीना लव बर्ड्स के लिए बहुत खास होता है. इस माह में वैलेंटाइंस वीक मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 7 फरवरी को रोज डे से हो जाती है. 14 फरवरी को वैलेंटाइंस डे तक ये सिलसिला चलता है. 7 फरवरी से 14 फरवरी के बीच हर दिन अलग अलग नाम से जाना जाता है और सेलिब्रेट किया जाता है. इस हफ्ते में कपल्स एक दूसरे को फूल, चॉकलेट्स, गिफ्ट वगैरह देते हैं. अब चूंकि वैलेंटाइंस वीक आने में कुछ ही समय बाकी बचा है.

## निजी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों को सरकारी संस्थान के अनुरूप फीस लेने का निर्देश

**नयी दिल्ली।** राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने निजी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों और मानद विश्वविद्यालयों को 50 प्रतिशत सीटों पर सरकारी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों के अनुरूप फीस और अन्य शुल्क लेने के निर्देश दिये हैं। आयोग ने शनिवार को यहां जारी दिशा निर्देशों में कहा है कि निजी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों और मानद विश्व विद्यालयों को कुल अनुमोदित सीटों के 50 प्रतिशत हिस्से पर संबंधित राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के सरकारी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों के अनुरूप फीस और अन्य शुल्क लेने होंगे। आयोग ने कहा है कि परिवर्तित शुल्क ढ़ांचे का लाभ सबसे पहले उन्हें मिलेगा जो प्रत्याशी सरकारी कोटा के तहत आयें हैं।

आयोग ने कहा है कि जिन निजी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में सरकारी कोटा सीट 50 प्रतिशत से कम हैं, वहां वहां शेष सीटों पर यह लाभ मेरिट के आधार पर मिलेगा। आयोग के इस निर्णय से उन प्रत्याशियों को लाभ होगा जो प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं लेकिन आर्थिक अभाव के कारण प्रवेश नहीं ले पाते हैं।

जाने-माने रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने रविवार को ओडिशा में पुरी बीच पर मेरी आवाज ही पहचान है... संदेश के साथ लता मंगेशकर की रेत की प्रतिमा उकेरकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सुदर्शन ने कहा, लता दीदी का जाना एक स्वर्ण युग का अंत है, लेकिन उनकी आवाज हमेशा अमर रहेगी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा लता मंगेशकर के जन्मदिन पर रेत से उनकी मूर्ति बनाते हैं।

फर्जी बहाली गिरोह का पर्दाफाश, आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद

# मास्टरमाइंड समेत पांच गिरफ्तार

## उत्तर प्रदेश व बिहार के हैं सभी आरोपी

संवाददाता

**चतरा।** रेलवे और वन विभाग में बहाली के नाम पर बेरोजगार युवकों से फर्जीवाड़ा कर करोड़ो रुपए की ठगी करने वाले अन्तर्राज्यीय ठग गिरोह का चतरा पुलिस ने पदार्फाश किया है। एसपी राकेश रंजन को मिल रही गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ अविनाश कुमार के नेतृत्व में गठित सदर थाना पुलिस की स्पेशल टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। यूपी के गोरखपुर में रेलवे व चतरा में वन विभाग में नौकरी के नाम पर चतरा के युवकों से साढ़े दस लाख रुपये की ठगी करने वाले यूपी और बिहार के रहने वाले मास्टरमाइंड समेत पांच जालसाज व ठगों को गिरफ्तार किया गया है। ठगों की गिरफ्तारी सदर थाना क्षेत्र के ऊंटा मोड़ ईलाके से हुई है। गिरफ्तार जालसाजों के पास से फजीर्वाड़े व ठगी में प्रयुक्त विभिन्न कंपनियों के 7 मोबाइल फोन, भुक्तभोगियों को दिया गया फर्जी नियुक्ति पत्र, पैसा लेनदेन से संबंधित दस्तावेज व इनोवा क्रिस्टा गाड़ी जप्त किया गया है। गिरफ्तार मुन्नाभाइयों से सदर थाना में पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

एसडीपीओ अविनाश कुमार ने रविवार की देर शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक को लगातार सूचना मिल रही थी कि यूपी और बिहार के अंतरराज्यीय ठग गिरोह के सदस्य चतरा में बेरोजगार युवकों को बहला-फुसलाकर नौकरी देने के नाम पर पैसे की ठगी करने के नियत से पहुंचे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए स्पेशल टीम बनाकर उनका मोड़ इलाके से 8 युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए सदर थाना लाया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि 8 में से तीन युवक भुक्तभोगी हैं, जिनसे रेलवे और वन विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र देकर ठगों के द्वारा करीब साढे दस लाख रुपये की ठगी की गई है। जिसके बाद भुक्तभोगीयों के लिखित शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर सभी ठगों को जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार ठगों का नेटवर्क झारखंड, बिहार के अलावा यूपी समेत विभिन्न राज्यों के दर्जनों जिलों में फैला हुआ है। जहां के सैकड़ों बेरोजगार युवकों से गिरोह में शामिल इन ठगों ने नौकरी के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र देते हुए करोडो रुपए की ठगी की है। अभियान में थाना प्रभारी लव कुमार समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

वाराणसी-कोलकाता सड़क का होगा निर्माण

## झारखंड को होगा सीधा लाभ

**औरंगाबाद।** बिहार में बिहटा - औरंगाबाद रेलखंड का आरंभिक कार्य शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। औरंगाबाद के सांसद सुशील कुमार सिंह ने रविवार को यहां कहा कि वित्तीय वर्ष 2022 - 23 के बजट में बिहटा से औरंगाबाद तक रेलखंड के निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस राशि से बिहटा - औरंगाबाद रेलखंड का आरंभिक कार्य शुरू हो जायेगा। श्री सिंह ने बताया कि बिहटा-औरंगाबाद रेलखंड में 14 स्टेशन प्रस्तावित हैं और इससे बिहार के दो जिले अरवल और औरंगाबाद रेलखंड से सीधी तौर पर जुड़ जाएंगे। वाराणसी से कोलकाता तक आठ लेन के सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को सीधा लाभ पहुंचेगा तथा देश में आवागमन, माल ढुलाई एवं सड़क परिवहन की सुविधा और बेहतर हो सकेगी।

# आज से अनलॉक होगा बिहार खुलेंगे स्कूल-कॉलेज व दुकानें

**पटना।** बिहार में कारोना संक्रमण की रफ्तार लगभग थम जाने से सोमवार से राज्य अनलॉक हो जाएगा और विद्यालय, महाविद्यालय, कोचिंग, धार्मिक संस्थान, जिम, पार्क, दुकान एवं शॉपिंग मॉल आवश्यक प्रतिबंधों के साथ खुल जाएंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को उनकी अध्यक्षता में हुई आपदा प्रबंधन समूह की उच्चस्तरीय बैठक के बाद ट्वीट किया, ह्लकोरोना की स्थिति की समीक्षा की गई। कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार को देखते हुए आठवीं कक्षा तक के सभी विद्यालय 50 प्रतिशत क्षमता के साथ तथा नौवीं एवं ऊपर की कक्षाओं से संबंधित सभी विद्यालय एवं महाविद्यालय तथा कोचिंग संस्थान शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ खुल सकेंगे।

श्री कुमार ने बताया कि सभी सरकारी कार्यालय प्रतिदिन सामान्य रूप से खुलेंगे। केवल टीका प्राप्त आगंतुकों को ही कार्यालय में प्रवेश की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि सभी दुकानें, प्रतिष्ठान, शॉपिंग मॉल एवं धार्मिक स्थल सामान्य रूप से खुल सकेंगे। सभी पार्क एवं उद्यान प्रातः छह बजे से अपराह्न दो बजे तक खुलेंगे। सिनेमा हॉल, क्लब, जिम, स्टेडियम, स्वीमिंग पूल, रेस्टोरेंट एवं खाने की दुकानें (आगंतुकों के साथ) 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुल सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन की पूवार्नुमति से सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, मनोरंजन, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन अपेक्षित सावधानियों के साथ आयोजित किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि विवाह समारोह, अंतिम संस्कार एवं श्राद्ध कार्यक्रम अधिकतम 200 व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ आयोजित किये जा सकेंगे।

श्री कुमार ने कहा, हम सभी बिहारवासियों को कोविड के कारण अभी भी सावधानी बरतने की जरूरत है। मास्क के उपयोग के साथ ही सामाजिक दूरी का पालन करना नितांत आवश्यक है।

पीएम की सुरक्षा में चूक मामला

# रैली स्थल पर पहुंची जांच टीम

**फिरोजपुर।** पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के एक महीने बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पांच सदस्यीय कमेटी पहली बार घटना स्थल फिरोजपुर पहुंची। यहां पहुंचने के बाद टीम ने हर स्तर से जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा टीम फिरोजपुर में रैली स्थल पर भी पहुंची। बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने सुरक्षा चूक की जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा की अध्यक्षता में 12 जनवरी को पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था।

न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा ने फिरोजपुर में जनसभा के लिए जाते समय उस फ्लाईओवर का निरीक्षण किया जिस पर प्रधानमंत्री करीब 15 से 20 मिनट तक फंसे रहे। वह उस जगह भी गई जहां रैली होनी थी। न्यायमूर्ति मल्होत्रा के साथ चंडीगढ़ के डीजीपी, एनआईए के आईजी, पंजाब के एडीजीपी सुरक्षा और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल भी थे। गौरतलब है कि पीएम के दौरे से जुड़ा पूरा रिकॉर्ड पहले ही कमेटी के पास पहुंच चुका है। सुरक्षा चूक के बाद केंद्र और पंजाब सरकार ने अलग-अलग जांच शुरू की थी। पिछले महीने प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक के बाद केंद्र और पंजाब सरकार ने अलग-अलग जांच शुरू की थी। पंजाब सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस मेहताब सिंह गिल और गृह सचिव अनुराग वर्मा की कमेटी बनाई। जबकि केंद्र ने इंटेलिजेंस ब्यूरो और एसपीजी अधिकारियों के साथ सुरक्षा सचिव की अध्यक्षता में एक जांच समिति भी बनाई थी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य के विवाह समारोह में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने मौके पर नव विवाहित वर-वधु को सुखद दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। मौके पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के परिजन एवं अन्य रिश्तेदार मौजूद थे।

चहल की फिरकी में फंसे कैरेबियाई बल्लेबाज

# 1000वें वनडे में भारत विजयी

**नयी दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में विजयी आगाज किया है। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को पहले मैच में छह विकेट से हराकर अपने 1000वें मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मैच में भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज में मेहमान टीम को शिकस्त दी।

भारत ने इससे पहले टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने शानदार शुरूआत की और वेस्टइंडीज को 13 रन के स्कोर पर पहला झटका दिया। मोहम्मद सिराज ने शे होप को सस्ते में पवेलियन की राह दिखा दी। इसके बाद वाशिंगटन सुंदर ने एक ही ओवर में ब्रैंडन किंग और डैरेन ब्रावो को आउट कर मेहमान टीम की मुश्किलें बढ़ा दी। इससे पहले की टीम संभल पाती युजवेंद्र चहल ने निकोलस पूरन और कीरोन पोलार्ड को लगातार दो गेंदों में आउट कर वेस्टइंडीज को मुश्किल में डाल दिया। एक समय कैरेबियाई टीम 79 रन के स्कोर पर सात विकेट गंवाकर मुश्किलों में दिख रही थी लेकिन इसके बाद जेसन होल्डर और फेबियन ऐलेन ने मिलकर एक अहम साझेदारी की और टीम के स्कोर को 150 के पार ले गए। हालांकि चहल और सुंदर की फिरकी के सामने टीम ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई और 43.5 ओवर में 176 रन बनाकर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए जबकि भारत की तरफ से युजवेंद्र चहल ने चार और वाशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट झटके।

वेस्टइंडीज के 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और इशान किशन ने मजबूत शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 84 रन जोड़े। इस दौरान रोहित ने 42 गेंदों में अपना 44 वां अर्धशतक पूरा किया। हालांकि रोहित 60 रन बनाकर आउट हो गए। उनके आउट होने के चार गेंद बाद विराट कोहली भी आठ रन बनाकर आउट हुए। यही नहीं थोड़ी देर बाद इशान और ऋषभ पंत भी पवेलियन लौट गए।

## एकल खुराक कोविड टीके को मंजूरी

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि देश में कोरोना महामारी से निपटने के एकल खुराक वाले स्पूतनिक कोविड टीके को आपात इस्तेमाल की अनुमति दे दी गयी है। मांडविया ने रविवार को यहां एक ट्वीट में कहा कि डीसीजीआई ने देश में एकल खुराक के स्पूतनिक लाइट कोविड टीके को आपात स्थिति में प्रयोग करने का अनुमोदन कर दिया है। देश में यह नौवां कोविड टीका है। इससे कोरोना महामारी के विरूद्ध देश के सामूहिक संघर्ष को मजबूती मिलेगी।

### गरमा-गरम

श्रद्धांजलि स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन पर श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान,पाकिस्तान में शोक की लहर

# दुनिया ने कहा-सुनहरी व अद्वितीय आवाज

**नयी दिल्ली।** भारत रत्न स्वर साम्राज्ञी लता मंगेश्कर के निधन पर रविवार को श्रीलंका, बंगलादेश, अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान सहित दुनियाभर के कई देशों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजाई ने ट्वीट किया, 'अपनी आवाज से लता मंगेशकर ने लाखों लोगों के दिलों को खुशी से भर दिया। उनकी धुन सार्वभौमिक और हमेशा के लिए है। उनके परिवार और भारत के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उनकी आत्मा को शांति मिलें।'

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने ट्वीट किया,' लता मंगेशकर की आत्मा को शांति मिलें, भारत की संगीत की रानी, जिन्होंने अपनी सुनहरी और अद्वितीय आवाज से करोड़ों-अरबों लोगों के दिलों को छुआ है। उनकी मधुर आवाज की स्मृति सदियों तक हमारे बीच रहेगी।'

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिन्दा राजपक्षे ने ट्वीट कर लिखा, भारत की स्वर कोकिला लता मंगेशकर अमर रहें। सीमाओं को पार करने वाले दशकों के मनोरंजन के लिए शुक्रिया। आपने संगीत वैश्विक भाषा है- कहावत को चरितार्थ किया।

पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि वह संगीत की बेताज साम्राज्ञी थीं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, एक महान हस्ती हमारे बीच नहीं रही। लता मंगेशकर सुरों की रानी थीं। उन्होंने दशकों तक संगीत की दुनिया पर राज किया। वह संगीत की बेताज सम्राज्ञी थीं। उनकी आवाज हमेशा लोगों के दिलों पर राज करती रहेंगीं। श्रद्धांजलि।

शहबाज शरीफ ने कहा कि लता मंगेशकर के निधन से संगीत की दुनिया ने एक गायक को खो दिया है, जिन्होंने अपनी सुरीली आवाज से पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बंगलादेश के विदेश मंत्री ने उनके निधन पर ट्वीट कर शोक जताते हुए कहा, महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर गहरी संवेदना, वह संगीत में उनके अद्वितीय योगदान के लिए भारत के लोगों सहित उपमहाद्वीप तथा दुनिया के लोगों के दिलों में जीवित रहेंगी। हमारी प्रार्थना है कि उनकी दिवंगत आत्मा की शांति मिलें।

बंगलादेश की संयुक्त राष्ट्र में राजदूत रबाब फातिमा ने ट्वीट कर लता मंगेशकर के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, बहुत दुख की बात है। एक किंवदंती का गुजरना, एक युग का अंत है। वह अपनी मधुर आवाज और संगीत के माध्यम से जीवित रहेंगी। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

भारत में जर्मनी के राजदूत वाल्टर जे लिंडनर, जो स्वयं एक संगीतकार है। उन्होंने ट्वीट में कहा, आवाज ही, पहचान है.. गर याद रहे.. स्वर कोकिला।

भारत में अमेरिकी दूतावास ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि इतिहास भारत के संगीत में उनके योगदान को सुनहरे शब्दों में याद किया जाएगा।

पोलैंड के राजदूत एडम बुराकोव्स्की ने उन्हें ट्वीट कर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत में इजराइल दूतावास ने ट्वीट किया कि संगीत में लता के योगदान और उनकी आवाज को हमेशा याद किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 92 वर्षीय स्वर कोकिला लता मंगेशकर का 28 दिनों तक कोरोना से लड़ने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया।

## रिजर्व बैंक ने बदली मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की तारीख

**नई दिल्ली:** भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की समीक्षा के लिए होने वाली बैठक का दिन बदल दिया है। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के मद्देनजर अपनी अगली और बजट 2022-23 के बाद पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दरों के मोर्चे पर यथास्थिति कायम सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का यह मानना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति नीतिगत रुख को उदार से तटस्थ में बदल सकती है और नकदी के सामान्यीकरण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में रिवर्स-रेपो दर में बदलाव कर सकती है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक सोमवार यानी 7 फरवरी से शुरू होनी वाली थी, लेकिन अब इस तारीख को बढ़ा दिया गया है।

# कांग्रेस प्रभारी अविनाश ने जताया शोक

**रांची** । झारखण्ड प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रभारी अविनाश पांडे ने सुप्रसिध्द गायिका लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सादगी व सौम्यता की प्रतिमूर्ति स्वर कोकिला लता मंगेशकर दीदी के निधन की खबर से मन शोकाकुल है । लता दीदी ने अपनी मधुर आवाज से भारतीय संगीत को पूरे विश्व में गुंजायमान किया है । प्रभु उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें ।

प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के सह प्रभारी उमंग सिंघार ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह खबर पूरे देश को शोकाकुल कर गया है अपने संगीत से दीदी ने देश का सदैव मान बढ़ाया ईश्वर उनके परिजनों एवं लाखों प्रशंसकों को इस दुख को सहने की शक्ति दे और उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें वो हम सभी के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगी ।

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा दुखद खबर,अपूरणीय क्षति।एक युग का अंत।मेरी आवाज ही मेरी पहचान है की सुर सम्राज्ञी पद्म भूषण,पद्म विभूषण,भारत रत्न लता मंगेशकर हमारे बीच नहीं रहीं।ईश्वर उनके परिजनों एवं प्रशंसकों को इस दुखद घड़ी में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कॉंग्रेस नेता विधायक दल जनाब आलमगीर आलम ने स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हजारों साल नर्गिस अपनी बे-नूरी पे रोती है बड़ी मुश्किल से होता है चमन में

दीदा-वर पैदा उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है वो अपने गीतों के साथ हमेशा जिंदा रहेंगी,उनके परिजनों एवं असंख्य प्रशंसकों इस दुख को सहने शक्ति मिले स

कार्यकारी अध्यक्ष गीता कोड़ा ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि गायन के क्षेत्र में एक युग का अंत।भारत रत्न, स्वर कोकिला आदरणीय लता मंगेशकर जी के निधन की सूचना से मर्माहत हूं। उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों व उनके असंख्य प्रशंसकों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने स्वर कोकिला, भारत रत्न लता मंगेशकर जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा की खबर अत्यंत ही दुःखद है। उनका जाना पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व परिजनों एवं प्रशंसकों को सहने की शक्ति दें। कार्यकारी अध्यक्ष जालेश्वर महतो शहजादा अनवर ने भी लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अपने गीतों के साथ हमेशा हमारे बीच रहेंगी ।

पार्टी प्रवक्ताओं राजीव रंजन प्रसाद राकेश सिन्हा डॉ राकेश किरण डॉ एम तौसिफ आभा सिन्हा डॉ मंजू कुमारी सतीश पॉल मुनजनी एवं इश्वर आनंद ने भी लता मंगेशकर जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है ।

### लता मंगेशकर के निधन पर 2 दिवसीय राजकीय शोक

रांची। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निदेर्शानुसार मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी (समन्वय) विभाग द्वारा यह जानकारी दी गयी है कि लता मंगेशकर के सम्मान में 06 से 07 फरवरी तक दो दिवसीय राजकीय शोक मनाने का निर्णय लिया गया है। इस तिथि को झारखंड राज्य के उन सभी भवनों, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते है, पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगें एवं किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जाएगा।

### स्वर कोकिला लता मंगेशकर को माकपा की श्रद्धांजलि

**रांची।** लता जी के निधन से केवल फिल्म उधोग ही नहीं भारतीय गीत संगीत के कद्रदानों की कई पीढ़ियां उदास है. पार्टी के राज्य समिति के सदस्य प्रकाश विप्लव सीपीआई (एम) की झारखंड राज्य कमिटी उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

### युवा कांग्रेस के नेतृत्व में लता दी को दी गयी श्रद्धांजलि

**रांची।** युवा कांग्रेस रांची विधानसभा अध्यक्ष गौरव सिंह के नेतृत्व में स्वर्गीय लता मंगेशकर जी को झारखंड प्रदेश कांग्रेस भवन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिसमें मुख्य रुप से झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर , डॉ अजय कुमार , प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद , रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री संजय पांडे , उपाध्यक्ष दीपक ओझा, ज्योति सिंह माथारू, सतीश पाल मुंजनी, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव मेहुल प्रसाद, प्रदेश महासचिव प्रियंका बर्मन, हटिया विधानसभा उपाध्यक्ष अंकित सिंह, रांची जिला उपाध्यक्ष शिल्पी कुमारी, मुस्कान ओझा, आतिफ, आदि लोग उपस्थित थे !आनंद मार्ग ने गादरा एवं कांड्रा में 100 निशुल्क पौधे का वितरण किया ।

### केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने लताजी के निधन पर शोक जताया

**रांची।** जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर जी के निधन से मन बहुत ही दुखी है। पुण्यात्मा को मेरी भावपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका जाना देश और संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि लता जी के निधन से भारत ने अपनी आवाज खो दी है, जिन्होंने कई दशकों तक अपनी मधुर और उदात्त आवाज से भारत और दुनिया भर में संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वह वास्तव में एक संगीत रत्न थीं और उन्होंने कई दशकों तक एक रानी की तरह हिंदी सिनेमा सहित कई भाषाओं में संगीत के माध्यम से राज किया।उनके निधन से एक खालीपन आया है जिसे भरा नहीं जा सकता।लता जी अपनी सदाबहार धुनों के माध्यम से करोड़ों प्रशंसकों के दिलों में जीवित रहेंगी।उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

### स्पीकर ने शोक व्यक्त किया

**रांची।** भारत रत्न ,स्वर कोकिला लता जी के देहांत पर झारखंड विधान सभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने अपनी शोक संवेदनाओं को प्रकट करते हुए कहा कि उनका हमारे बीच से चला जाना देश सहित विश्व में उनके चाहने वाले के बीच संगीत के अक्षरों में भरा जाने वाले उस स्वर का हमेशा के लिए निर्वात में पलायन के समान है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लंबे समय तक उन्होंने विभिन्न भाषाओं में जिस प्रकार अपने सुरीली आवाज से हमारे मन मस्तिष्क को मोहित किया,उनका व्यक्तित्व भी उतना ही प्रेरणादायी था।उनके देहांत के साथ-साथ आज उस गायिकी- काल का अंत हो गया। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं, पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्वीकार करें। शोक संतप्त परिवार और उनके प्रशंसकों को उनकी कमी से उबरने में संबल प्रदान करें।

### आरजेडी नेताओं ने लता जी के निधन पर शोक जताया

**रांची।** गोड्डा के पूर्व विधायक संजय प्रसाद यादव,युवा के पूर्व अध्यक्ष रंजन यादव व पूर्व प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है । नेताओं ने कहा कि लता जी के निधन से राजद परिवार मर्माहत है! यह देश और देशवासियों के लिए अपूरणीय क्षति है। आज हर किसी की आंखें नम है। नेताओं ने कहा कि उन्होंने विभिन्न भाषाओं में लगभग तीस हजार गानों को अपनी सुरीली आवाज दी थी । उनकी आवाज ही उनकी पहचान थी । आज उनके हमारे बीच नहीं होने से सुरों का एक कारवां थम सा गया है। लेकिन, वे अपनी आवाज से हमेशा हमारे दिलों में राज करेंगी। लता जी भले ही इस दुनिया में अब नहीं है, लेकिन उनके गाने हमेशा उनकी याद दिलाती रहेगी। परमात्मा दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान दे एवं उनके असंख्य प्रशंसकों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

## एक नजर

### राज्यपाल ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक जताया

रांची। राज्यपाल रमेश बैस ने स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर गहरा दुःख व शोक प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि लता जी ने अपने गायन से पूरे विश्व में अमिट पहचान स्थापित की। भारतीय संगीत में उनके अतुलनीय योगदान को सदा स्मरण किया जायेगा। प्रखर देशभक्त व प्रेरणादायी व्यक्तित्व लता जी का जाना पूरे देशवासियों एवं कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि पूरी दुनिया के संगीतप्रेमी आज उदास हैं। उनकी सुरीली आवाज हमेशा हमारे बीच गूंजती रहेगी। उन्होंने इस महान पुण्यात्मा के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर शोकाकुल परिजनों एवं उनके असंख्य प्रशंसकों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

### सरस्वती मां के बाद लता दीदी ही मेरी आराध्या : मिताली

**रांची :** सुप्रसिद्ध गायिका मिताली घोष ने सुर सामाज्ञी भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आज भारत ही नहीं पूरा विश्व रो रहा है। मां सरस्वती की विदायी के साथ ही लता जी ने विदा ले लिया। बचपन से ही मां सरस्वती के बाद लता दीदी ही मेरे लिए आदर्श और आराध्या रही हैं। सरस्वती पूजा के अवसर पर मैं मां शारदा की पूजा के बाद लता दीदी की भी पूजा करती रही हूं। मैं तो कहूंगी कि फिर भारत में उनके जैसी जन्म ले। लता दीदी, तुम ही एक बार फिर भारत आ जाओ।

### सिनर्जी ग्लोबल हॉस्पिटल में फिजियो थेरेपी एवं रिहैब सेंटर का उद्घाटन

**रांची।** सिनर्जी ग्लोबल हॉस्पिटल में फिजियोथेरेपी एवं रिहैब सेंटर का उद्घाटन कृष्णा नगर जयप्रकाश बरियातू रोड डॉ रजनीश बरियार की मां के कर कमलों द्वारा हुआ। डॉ रजनीश बरियार और डॉ. प्रियंका बरियार 2012 में दिल्ली से यहां आए और फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में अपने अथक और कठिन परिश्रम करने के बाद एक अपनी पहचान झारखंड में बनाएं और उनका सपना था कि रांची में एक एडवांस फिजियोथैरेपी क्लिनिक एवं न्यूरो रिहैब रिहैबिलिटेशन को बहुत ही ज्यादा जरूरत है। आज उनके अथक प्रयास और उनकी मेहनत से रांची में एक बहुत बड़ी और एडवांस फिजियोथैरेपी यूनिट का शुरूआत हुआ है, जो रांची के लिए बहुत बड़ी बात है। इसमें बच्चों के लिए एक अलग यूनिट है जिसमें चाइल्ड न्यूरो रिहैब की सुविधा है। जिसमें सीपी चाइल्ड ,ऑटिज्म, एमआर , जो बच्चे चल नही सकते आदि तरह के बच्चों को भी इलाज की अनुभवी फिजियोथेरेपिसटों के द्वारा की जाएगी। यहां कार्डियो, न्यूरो, ऑर्थो, जेनेरल सर्जरी, स्पोर्ट्स इनजूरी से संबंधित परेशानियों का आधुनिक मशीनों तथा अनुभवी फिजियोथेरेपिसटों के द्वारा इलाज किया जाएगा इस उद्घाटन समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री सुदेश महतो, गोमिया विधायक लंबोदर महतो, झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, बालमुकुंद सहाय, प्रदीप वर्मा, उपस्थित हुए।

# बाल सुधार गृह में दो पक्ष में झड़प, कई बाल कैदी घायल

**रांची।** रांची के डूमरदगा स्थित बाल सुधार गृह में बाल कैदियों के दो पक्षों में रविवार को हिंसक झड़प हुई । इस झड़प में लगभग 13 बाल कैदी बुरी तरह से घायल हुए हैं। जिन्हें आनन फानन में इलाज के लिए रिम्स अस्पताल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार कुछ बाल कैदियों को लगातार परेशान किया जा रहा था। इसी से आक्रोशित होकर बाल कैदियों ने अपने ही साथियों को बेरहमी से पीटा है। कुछ अन्य को भी हल्की चोट आई है।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीओ, सदर डीएसपी,सदर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार बाल सुधार गृह में कुछ बड़े उम्र के बाल कैदी हैं, जो अपने से छोटे बाल कैदियों पर अपना राज चलाते थे। बड़े होने का फायदा उठाकर उनसे कई तरह के काम करवाते थे, जो बाल कैदी काम नहीं करता था उसके साथ मारपीट भी की जाती थी। यह महीनों से चल रहा था। कुछ बाल कैदी इसे लेकर अपने से सीनियर बाल कैदियों का विरोध भी करते थे। लेकिन वह कुछ नहीं कर पाते थे। इसी बीच एक बाल कैदी की पिटाई किए जाने से जूनियर बाल कैदी आक्रोशित हो गए। उन्होंने सीनियर बाल कैदियों का विरोध करने की मन बना लिया।

रविवार की सुबह भी एक सीनियर बाल कैदी ने जूनियर बाल कैदियों को किसी बात पर डांटा । उसके बाद एक साथ सभी जूनियर कैदी मिलकर सीनियर कैदियों से भिड़ गए। देखते ही देखते जूनियर बाल कैदियों ने अपने सीनियर बाल कैदियों की जमकर पिटाई कर डाली। इस दौरान कई जूनियर कैदियों को भी चोटें लगी हैं मारपीट इतनी भयानक थी कि कई सीनियर कैदियों के सिर फूट गए।

मारपीट को देख बाल सुधार गृह की सुरक्षा में तैनात जवानों ने मोर्चा संभाला लेकिन बाल कैदी उनसे संभाले नहीं संभल पा रहे थे। इसके बाद आनन-फानन में वायरलेस पर सूचना दी गयी। देखते ही देखते आसपास के सभी थानों की टीम बाल सुधार गृह पहुंच गयी और बाल कैदियों को एक दूसरे से अलग किया गया। इस झड़प में एक दस घायल बाल कैदियों को देख आनन-फानन में पुलिस की टीम के द्वारा एंबुलेंस बुलाया गया। तीन एंबुलेंस मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को लेकर अस्पताल पहुंचे। मिली जानकारी के अनुसार तीन से ज्यादा बाल कैदियों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी का इलाज रांची के रिम्स अस्पताल में चल रहा।बाल सुधार गृह में झड़प के बाद पूरे बाल सुधार गृह को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। बाल कैदी आपस में किस बात को लेकर भिड़े थे इस बात की जांच की जा रही है। रांची पुलिस के वरीय अधिकारी मौके पर बने हुए हैं।

मामले को लेकर सदर डीएसपी प्रभात कुमार बरवार ने बताया कि बाल सुधार गृह में बाल कैदियों के बीच किसी विवाद को लेकर झगड़ा हुआ। कुछ लोगों को चोट आयी है। बाल सुधार गृह के डॉक्टर के निर्देश पर 13 लोगों को रिम्स भेजा गया। मामूली चोट वाले बाल कैदी का प्राथमिक उपचार किया गया।

### साइबर ठगों ने रिटायर फौजी के खाते से उड़ाये 75 हजार

**रांची।** साइबर ठगों ने बीआईटी के गेतलातू निवासी रिटायर फौजी को शिकार बनाते हुए उनके खाते से 75 हजार रुपये उड़ा लिये। फौजी के साथ यह दूसरी घटना है। पहली बार उनके खाते से मई से अगस्त 2021 में अलग अलग तारीखों में कुल 37 हजार एक सौ 12 रुपये उनके खाते से गायब कर दिये गये थे। पीड़ित रंजन सिंह ने रविवार को बताया कि उनका खाता एसबीआई डीपाटोली में है। देश सेवा से मुक्त होने के बाद उन्हें मिलने वाले पेंशन से उनका घर चलता है। साइबर अपराधियों द्वारा उनके खाते से बार बार पैसे निकाल लेने से उनकी कमर टूट गयी। सिंह ने बताया कि उनके खाते से पैसे निकलने की कोई सूचना उनके मोबाइल पर नहीं आया । इससे उन्हें कोई जानकारी नहीं हो सकी। 30 जनवरी को बैंक जाने पर उन्हें उनके खाते में पैसे नहीं होने की जानकारी मिली। बैंक मैनेजर से भी बात किया लेकिन उन्हें संतोष जनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद थक हार कर खाता अपडेट कराने के बाद शिकायत लेकर साइबर थाना पहुंचे और अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

# सड़क दुर्घटना में पश्चिम बंगाल की उप कुलपति घायल, ऑटो चालक गंभीर

**रांची।** रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र के रांची टाटा मार्ग पर सलगाडीह के पास रविवार को सड़क दुर्घटना में पश्चिम बंगाल की उपकुलपति श्रुती कौर घायल हो गयीं।

जानकारी के अनुसार वीसी बेटे और पति के साथ कार से रांची से कोलकाता जा रही थी। सालडीह के पास एक ऑटो को बचाने के क्रम में कार पहले डिवाइडर से टकरायी। इसमें कार का टायर फट गया और कार अनियंत्रित होकर ऑटो को टक्कर मारते हुए सड़क से बाहर जा गिरा। टक्कर इतना जबरदस्त था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, कार का एयरबैग खुल गया। इससे बड़ी दुर्घटना टल गई। दुर्घटना में उपकुलपति के हाथ में चोट आयी। ऑटो चालक बीरेन्द्र महतो गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर तमाड़ पुलिस मौके पर पहुंची और ऑटो चालक को इलाज के लिए तमाड़ अस्पताल भेज दिया। ऑटो चालक तमाड़ के बारेडीह गांव का रहने वाला है। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो, जबकि उपकुलपति को हल्की चोट लगी है।

### क्रिकेट में हुए झगड़े के कारण कार से दोस्त को कुचल डाला, मौत

**रांची।** क्रिकेट खेल के दौरान हुई झड़प में दोस्त ने ही दोस्त को कार से कुचल डाला । इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। घटना के बाद ग्रामीणों ने जम कर हंगामा किया। बाद में घटना की सूचना पर पहुंची चान्हो पुलिस कार चला रहे आरोपी देवेंशू राज को गिरफ्तार कर कार भी जब्त कर थाना ले गयी। उसके बाद ग्रामीण शांत हो गये। मिली जानकारी के मुताबिक चान्हो थाना के पकरियो निवासी मो हुजैफा बीती देर रात नमाज पढ़ कर मस्जिद से निकलने के बाद अपने दोस्तों को घर छोड़ कर अपने घर के नजदीक खड़ा था । इसी दौरान रघुनाथपुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रहे ब्रेजा कार ने उसे जोरदार धक्का मार दिया। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना के फौरन बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों के अनुसार क्रिकेट खेलने के दौरान होजैफा से आरोपी देवेंशू राज का झगड़ा हुआ था। उसी वक्त देवेंशू ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। इसलिए देर रात जब वह मस्जिद से निकला। उसे अकेला देख देवेंशू ने अपनी ब्रेजा कार नम्बर जेएच0 1सीसी 7501 से उसे कुचल डाला।

## खबरें आसपास की

# मां सरस्वती की प्रतिमाएं सादगी से विसर्जित

**बेड़ो** । प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमाएं रविवार को सादगी के साथ तालाबों में विसर्जित किया गया।जहां सरकारी व गैर सरकारी स्कूल,कॉलेज, कोचिंग संस्थानों के छात्र-छात्राओं व शिक्षण संस्थान सहित कई जगहों पर स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन भावपूर्ण अश्रु के साथ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा,हवन आरती के बाद महिलाओं द्वारा मां का पूजा अर्चना कर खोयन्छा भरा गया। वहीं जय मां शारदे के जयकारे के

साथ विद्यादायनी मां सरस्वती की प्रतिमाओं को विदाई दी गई।और सुबह 10 बजे से ही छात्र-छात्राएं मां शारदे की प्रतिमा को तालाब पहुंचे। विसर्जन में शामिल छात्र-छात्राएं मां सरस्वती माता की प्रतिमा के साथ रांची गुमला व लोहरदगा की मुख्य सड़कों से गुजरते हुए बाजार टांड़ स्थित बड़ा तालाब में जाकर पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ माता के प्रतिमा का विसर्जन किया।

### पाइप लाइन टुटने से बेड़ो में चार दिनों से जलापूर्ति ठप

**बेड़ो :** प्रखंड मुख्यालय स्थित पेयजलापूर्ति विभाग के जिम्मदारों की अनदेखी व लापरवाही का खामियाजा आम लोगों को उठाना पड़ रहा है। पेयजलापूर्ति विभाग का चारदीवारी निर्माण में जेसीबी गाड़ी ने गड्ढा खोदने के दौरान पाइप को ही उखाड़ गया। जिस कारण बेड़ो में चार दिनों से जलापूर्ति ठप है। वहीं विभाग द्वारा जर्जर पानी टंकी का चारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा है। विभाग के लापरवाही के खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।जिस कारण पानी सप्लाई बंद है। जबकि चारदीवारी का निर्माण कार्य किया जा रहा लेकिन पाइप की मरम्मत का प्रयास तक नही किया जा रहा है।

# राज्यपाल ने शाजमा सरवत को दिया गोल्ड मेडल

**इटकी** । इटकी गुलाम टोली की शाजमा सरवत को रांची यूनिवर्सिटी के 35 वें दीक्षांत समारोह मे राज्यपाल रमेश वैस द्वारा गोल्ड मेडल से नवाजा गया। शाजमा पीजी बायोटेक्नोलॉजी में टॉपर हुई है। शाजमा सरवत इटकी स्थित रेशमा मेडिकल हॉल के संचालक मुर्शीद आलम की पुत्री हैं। उन्होंने बताया कि शाजमा नियमित रूप से पढ़ाई कर अपनी मेहनत के बलबूते बगैर कोचिंग के यह मुकाम हासिल की है। शाजमा की सफलता पर दादा अलहाज अबू बकर, दादी हज्जन साफिया परवीन, मां शबाना परवीन, चाचा खुर्शीद आलम, चाची तबीना परवीन समेत पूरा

परिवार खुश है। उनकी कामयाबी और इटकी का नाम रौशन करने पर लोगों के बधाई देने का सिलसिला जारी है।

## रसोई के वेस्ट मटेरियल से घरेलू रसोई गैस का उत्पादन

# होम-बायोगैस की नयी तकनीक से स्वच्छ भारत अभियान में मदद के साथ ही जैविक खाद की भी किल्लत होगी दूर

**रांची।** रसोई के वेस्ट मटेरियल जैसे फल, साग सब्जियों के छिलके और चावल के माड़ से घरेलू रसोई गैस बनाने की तकनीक ना सिर्फ कचड़ा प्रबंधन में कारगर सिद्ध हो सकता है,बल्कि घरों के लिए जरूरी घरेलू रसोई गैस की किल्लत को भी काफी हद तक दूर किया जा सकता है। होम-बायोगैस की इस तकनीक का इस्तेमाल कर लोग एलपीजी

### रसोई के वेस्ट मटेरियल का सही उपयोग

अवधेश कुमार झा की मां बिंदा देवी हर दिन होमबायोगैस पर खाना पकाती है। आलू ,प्याज और सब्जियों के छिलकों को फेंकने से इन्हें अब मुक्ति मिल गई है। साथ ही पैसे की बचत से होने वाली खुशी भी इनकी बातों से साफ तौर पर समझ में आती है।

### बचे अवशेष का उपयोग जैविक खाद के रूप में

कहा जाए तो होम बायोगैस की पूरी तकनीक आम के आम गुठलियों के दाम के फामूर्ले पर फिट बैठती है। इस तकनीक के जरिए किचन के वेस्ट मटेरियल से गैस का निर्माण किया जाता है और रिसाईकिल होने के बाद बचे अवशेष को जैविक खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

### सालाना 4 से 5 गैस सिलेंडर की बचत

रांची के रहने वाले पशुपति कुमार झा बताते है कि तकनीक के इस दौर में होमबायोगैस घरेलू गैस सिलेंडर का बेहतर विकल्प बन रहा है। आंगन के एक छोटे से कोने में इसे इंस्टॉल करके किचन से निकलने वाले वेस्ट मटेरियल से प्रतिदिन 2 किलोग्राम तक आसानी से होम बायोगैस का निर्माण किया जा सकता है। होमबायोगैस का इस्तेमाल करके सालाना चार से पांच गैस सिलेंडर की खरीदारी से मुक्ति मिल जा रही है।

### प्रतिदिन 2 घंटे का गैस खुद से जनरेट

अवधेश कुमार झा बताते हैं वे पिछले डेढ़ वर्षो से होमबायोगैस का इस्तेमाल कर रहे हैं। किचन के वेस्ट मटेरियल को रिसाइकल करके वे हर दिन 2 घंटे का गैस खुद जनरेट कर रहे हैं। अवधेश बताते है कि अच्छी धूप रहने से अधिक रसोई गैस बनाने में मदद मिलती है।

# वृहद पैमाने पर लगी अफीम की फसल को नष्ट किया गया

### थाना प्रभारी ने कहा मादक पदार्थ की खेती करने वाले बख्शे नही जायेंगे

**तमाड़।** तमाड़ पुलिस मादक पदार्थों की खेती रोकने के लगातार करवाई कर रही है। लेकिन कुछ लोग पैसे की लालच में अवैध खेती करने से बाज नही आ रहे है ।

इसी क्रम में रविवार को तमाड़ पुलिस ने ट्रैक्टर लगाकर बृहद पैमाने पर लगी अफीम की फसलों को नष्ट कर दिया। तमाड़ थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया की वरीय अधिकारियों को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की सारजमडीह के आमटाड व बरलंगा गांव में भारी मात्रा में

अफीम की खेती की गई है। थाना प्रभारी के निर्देश पर ए एस आई रमाशंकर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम में शामिल जवानों ने क्षेत्र का खाक छानते हुए करीब दस एकड़ में लगी मादक पदार्थ की खेती को नष्ट कर दिया। इस संबंध थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया मादक पदार्थों की खेती करने वाले बर्दास्त नही किये जायेंगे। सभी को चिंहित कर कानूनी करवाई की जायेगी।

## होनहार विद्यार्थी को सदर विधायक ने दी लैपटॉप खरीदने में आर्थिक मदद

# प्रतिभा को उसे निखारने में सहयोग कर पाना मेरा सौभाग्य : मनीष जायसवाल

**हजारीबाग :** सदर विधायक मनीष जायसवाल यूं तो अपने क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के कार्यों में सदैव तत्पर रहते हैं लेकिन इंसानियत और जरूरतमंदों की सेवा को भी इन्होंने अपने दिनचर्या का ध्येय बना लिया है। वीते दिनों हजारीबाग शहर के जादो बाबू चौक निवासी एक मां बबीता गुप्ता (गृहणी) अपने पुत्र को लेकर जब विधायक मनीष जायसवाल के सेवा कार्यालय में पहुंची और उन्होंने अपनी व्यथा से उन्हें अवगत कराते हुए बताया कि उनका बेटा आनंद भारती एक मेधावी छात्र हैं और फि लहाल आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में मैकेनिकल इंजीनियरिंग का कोर्स कर रहा है लेकिन ऑनलाइन पढ़ाई के क्रम में उसे कंप्यूटर साइंस की कक्षा के लिए कोडिंग करने में लैपटॉप नहीं होने के कारण काफी समस्या हो रही है। मां बबीता देवी ने उन्हें बताया कि मेरे पति राजदेव भारती फेरी करके घर चलाते हैं ऐसे में हम परिवार के लोग फिलहाल लैपटॉप खरीदने में असक्षम है। उन्होंने अपने होनहार पुत्र के पढ़ाई में विधायक श्री जायसवाल से एक लैपटॉप सहयोग करने का अनुरोध किया। जिसके उपरांत विधायक मनीष जायसवाल ने जब यह जाना कि छात्र आनंद भारती बचपन से ही मेधावी विद्यार्थी रहा है तब उन्होंने तत्काल अपने घर से अपनी बिटिया का लैपटॉप मंगवाकर उसे सौंपा। लैपटॉप प्राप्त होते ही प्रतिभावान छात्र आनंद भारती का चेहरा खुशी से खिल उठा। बेटे के चेहरे पर खुशी देख मां की आंखें भी खुशी के आंसू से डबडबा गई और हाथ जोड़कर उन्होंने इस सहयोग के लिए विधायक मनीष जायसवाल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और धन्यवाद जताया। होनहार छात्र आनंद भारती ने बताया की मुझे अपने मित्रों से यह जानकारी प्राप्त हुई थी की विधायक मनीष जायसवाल बड़े ही दरियादिली इंसान हैं। मेरे हौसले को विधायक मनीष जायसवाल के इस सहयोग से उड़ान मिलेगा और मैं जब सक्षम बनूंगा तो प्रयास करूंगा की मैं भी किसी जरूरतमंद विद्यार्थी के लिए ऐसा सहयोग कर सकूं। विधायक मनीष जायसवाल ने बताया की प्रतिभा किसी भी क्षेत्र की हो वो जीवन की सभी झंझटों को झेलते हुए निखरती तो निश्चित ही है लेकिन उनके जरूरत पर किसी भी प्रकार से अगर हम मदद कर सके तो हमारे जीवन का यह एक बड़ा उपलब्धि होता है। विधायक श्री जायसवाल ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थी के सुनहरे भविष्य के लिए मैं छोटा का सहयोग कर सका। उन्होंने इस होनहार विद्यार्थी के बेहतर और उज्जवल भविष्य की कामना भी की। उल्लेखनीय है कि छात्र आनंद भारती स्कूली शिक्षा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मालवीय मार्ग से हुई है। उसके बाद इसने झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) द्वारा प्रवेश परीक्षा के माध्यम से झारखंड सरकार की विशेष पाल मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए चलाई जा रही योजना आकांक्षा- 40 नाम से राजधानी रांची में संचालित कोचिंग में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दाखिला पाई। यहां से जेईई एडवांस के जरिए इसने आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में दाखिला पाई और फिलहाल मैकेनिकल इंजीनियरिंग से बीटेक कर रहा है।

## एक नजर

### बड़कागांव खराटी मे सांस्कृतिक कार्यक्रम का अंबा प्रसाद ने किया उद्घाटन

**बड़कागांव :** बड़कागांव प्रखंड के ग्राम खराटी मे सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर ब्रदर्स अकैडमी के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गयो सांस्कृतिक कार्यक्रम का बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद ने फीता काटकर उद्घाटन कियो मौके पर पहुंचकर अंबा प्रसाद ने सरस्वती पूजा के सभी को ढेरों शुभकामनाएं दी एवं क्षेत्रवासियों के सुख एवं समृद्धि हेतु कामना की इस अवसर पर आदर्श एकेडमी के डायरेक्टर जितेंद्र राज एवं उपेंद्र कुमार ने विधायक अंबा प्रसाद का स्वागत कियो मौके पर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, संजय महतो,सुरेश महतो, कामेश्वर साव, विनय साव, विजय साव, लालदेव साव, चिंतामन कुमार, रंजन कुमार शुभम कुमार एवं कई लोग मौजूद थे। (4)

### बुद्धिजीवी मंच सह पेंशनर कल्याण समाज की बैठक

**बरही :** प्रखंड परिसर स्थित बुद्धिजीवी मंच कार्यालय में बुद्धिजीवी मंच सह पेंशनर कल्याण समाज की बैठक हुई। अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष ईशो सिंह एवं संचालन महेंद्र प्रसाद दुबे ने किया। बैठक में पिछले एक माह में कई गई कार्यक्रम की समीक्षा की गई। बैठक में संगठन कि मजबूती एवं विस्तार पर चर्चा किया गया। नए सदस्यों को पेंशनर कल्याण समाज मे जोड़ने तथा आगामी कार्य योजना पर चर्चा की गई। नियमित बैठक करने एवं बैठक में सबकी उपस्थिति पर चर्चा की गई। मौके पर महेंद्र प्रसाद दुबे, आरके गुप्ता, साधु शरण दास, जानकी ठाकुर, कृष्णा कुमार केशरी, कृष्णा गुप्ता, राम प्रसाद राम , कैलाशपति सिंह, नकुलदेव राणा, महाबीर हजाम, कृष्णा गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे।

# शिव मंदिर 4 माह में बनकर तैयार उद्घाटन जलाभिषेक में हजारों धर्म प्रेमियों ने लिया भाग

**हजारीबाग :** हजारीबाग-नावाडिह पंचायत के तिरला के उपाध्याय टोला में 4 माह में भव्य शिव मंदिर बनकर तैयार जिससे धर्म प्रेमियों में उत्साह एवं खुशी है जिसमें जिले के हजारों महिला पुरुषों ने जलाभिषेक में भाग लिया, मुख्य रूप से बरकट्ठा विधायक अमित यादव हजारीबाग विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी ,डॉ आरसी मेहता जेवीएम बरकांठा प्रत्याशी बटेश्वर मेहता प्रेस क्लब के चेयरमैन उमेश प्रताप, जिला परिषद मुकेश राम उप प्रमुख चंद्रदेव मेहता उमेश मेहता भागवत सिंह मेहता गौतम सिंह तिलरा पंचायत के मुखिया नंद किशोर दास प्रदीप मेहता वरिष्ट कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल उपाध्याय प्रमोद उपाध्याय रंजीत मेहता राजेश उपाध्याय सुनील उपाध्याय सुनील उपाध्याय विकास उपाध्याय विकास गौतम नारायण सिंह बोगा उमेश मेहता पुनाइचाक मुखिया निर्मल कपरदार पत्रकार रंजीत मेहता श्यामदेव मेहता कुलदीप महतो कुलेश्वर साहू काशी यादव निचीतपुर बालेसर राम मुरली साव नन्द किशोर साल मुरली साव इत्यादि हजारों हजार धर्म प्रेमियों ने कलश यात्रा में भाग लेकर पुण्य का भागी बने। जल यात्रा के दौरान डॉ आर सी मेहता ने कहा की मंदिर, बौद्ध विहार, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा संस्कार एवं आत्म संयम की पहली पाठशाला है.ब्रह्मांड को संचालित करने के लिए धार्मिक सामाजिक एवं संवैधानिक कानूनों एवं रीति-रिवाजों की अहम भूमिका है। धार्मिक कानूनों को लोग ईश्वर का आदेश मानकर असंवैधानिक और असामाजिक बुरे कार्यों को करने से परहेज करते हैं सामाजिक कानून के कारण लोग समाज से बहिष्कृत तिरस्कृत एवं अपमानित होने की वजह से लोग असामाजिक कार्य करने से परहेज करते है। संवैधानिक कानूनों के कारण कारावास जेल, के सजा के भय से भयभीत रहते हैं भयावह में लोग व्यभिचार और अनैतिक कार्य अपने से परहेज करते हैं इसलिए दुनिया को सही रूप से संचालित होने के लिए धार्मिक सामाजिक एवं संवैधानिक कानून व रीति रिवाज अति आवश्यकता है।

# विधायक से मिला शिक्षक संघ प्रतिनिधि मंडल, रखी अपनी मांगें

**हजारीबाग :** झारखंड राज्य प्रशिक्षित विशेष शिक्षक संघ के अध्यक्ष शंकर लाल राणा की अगुवाई में संघ का प्रतिनिधि मंडल विधायक अम्बा प्रसाद से मिलकर विशेष शिक्षकों की नियुक्ति में जे एम डी कम्पनी द्वारा की जा रही धांधली से अवगत कराया। उन्हें बताया गया कि रांची प्रेस क्लब में उन्हें सम्मानित करने के बाद संघ के पूर्व अध्यक्ष पावेल कुमार, पूर्व सचिव निखिल मधुर और पूर्व कोषाध्यक्ष निखिल कुमार ने कम्पनी के साथ साठगांठ करके कम्पनी को विशेष शिक्षकों से पैसा दिलवाने का काम कर रहे हैं। जिससे झारखंड के अनुभवी, सुशिक्षित और उच्च योग्यता धारी अभ्यथीयों का योग्यता के बाद भी पैसे नहीं देने के कारण नियुक्ति नहीं हुआ है और जो मोटी रकम देने का काम किए हैं उनकी नियुक्ति कर ली गई है। यह नियुक्ति सरकारी मापदंडों के अनुरूप नहीं है क्योंकि इसमें ना कोई आरक्षण रोस्टर का पालन हुआ है ना ही प्रतिक्षा सूची दी गई है ' साक्षात्कार के नाम पर सिर्फ नाटक किया गया और उस व्यक्ति द्वारा साक्षात्कार लिया गया जो स्वयं आवेदक भी है साथ ही उसकी नियुक्ति भी कर ली गई। चूंकि विशेष शिक्षकों की नियुक्ति का मामला सिर्फ विशेष शिक्षकों की नियुक्ति का न होकर गरीब ग्रामीण दिव्यांग बच्चों के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। इस दौरान माननीय विधायक सुश्री अम्बा प्रसाद जी ने कहा कि यह नियुक्ति उनके ही प्रयासों से शुरू हुआ है ऐसी स्थिति में इस नियुक्ति प्रक्रिया में वो किसी भी प्रकार की गंदगी बर्दाश्त नहीं करेंगी और आने वाले विधानसभा सत्र में इसे पुरजोर तरीके से उठाएंगी। साथ ही उन्होंने संघ के प्रतिनिधि मंडल से कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कराकर सरकारी मापदंडों के अनुरूप नियुक्ति कराने का प्रयास करेंगी। अतः झारखंड राज्य प्रशिक्षित विशेष संघ मांग करती है कि जे एम डी कम्पनी द्वारा जेइपीसी के रिसोर्स टीचर के भ्रष्ट नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कराया जाय तथा जेइपीसी स्वयं इस नियुक्ति प्रक्रिया को सरकारी मापदंडों के अनुसार पूरी करे।

### लता मंगेशकर के निधन पर जदयू नेता ने जताया गहरा शोक

**हजारीबाग :** स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर रविवार को जदयू नेता सह समाजसेवी राकेश गुप्ता ने अपनी गहरी शोक संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने कहा कि लता मंगेशकर के निधन से देश के कला और संस्कृति के लिए अपूरणीय क्षति है। सुरों की देवी लता मंगेशकर का निधन दिल पर गहरा आघात है। गुप्ता ने कहा इस दुनिया से एक दिन सभी को जाना है, लेकिन लता जी के निधन की भरपाई हरगिज सम्भव नहीं है। उनके गानों का जिक्र और ये तय कर पाना नामुमकिन सा काम है। हिंदी के अलावा लगभग हर प्रमुख आंचलिक भाषाओं में लता दीदी के गानों ने अलग छाप छोड़ी है। देश इसके लिए सदैव अहसानमंद हैं। उनका निधन संगीत की दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। भगवान उनके आत्मा को शांति दे एवं उनके परिवारजन, दोस्तों और प्रशंसकों को शक्ति दें।

# समाजसेवी उमेश दांगी की पहल से दिव्यांगों के बीच कंबल का वितरण

**बड़कागांव :** प्रखंड में तापमान लगभग 4-5 डिग्री सेल्सियस के आसपास है जिससे प्रखंड में अत्यधिक ठंड को देखते हुए बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांव के दिव्यांग, जरूरतमंद लोगों के बीच रविवार को सांढ पंचायत कार्यालय में समाजसेवी सह पत्रकार उमेश दांगी के नेतृत्व में दिव्यांग संगठन के दिव्यांग, वृद्ध महिला-पुरुष व जरूरतमंद के लोगों के बीच 100 कंबल एसडीपीओ अमित कुमार सिंह के सौजन्य से एनटीपीसी द्वारा वितरण किया गया। कंबल वितरण दिव्यांग संगठन के द्वारा जरूरतमंद लोगों को चिन्हित करके एक लिस्ट तैयार की गई थी जिसमें महुंगाई कला, सांढ,महुदी,होरम मोड, इत्यादि गांवों लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया। ठंड में जहां जनप्रतिनिधियों व समाजसेवी दुबके नजर आ रहे हैं वहीं पर देश के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकार समाजसेवी उमेश दांगी ने दिव्यांग, वृद्ध महिला- पुरुष व जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण के बीच लगातार की जा रही है।

साथ ही उनके समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड व जिला स्तर के पदाधिकारियों से सम्पर्क कर निदान किया जा रहा है तथा रिक्सा , पेंशन, व प्रमाण पत्र बनाने में सहयोग कर रहे है। जिससे जनप्रतिनिधियों व समाजसेवी का नींद हराम हो चुका है। मौके पर समाजसेवी उमेश दांगी के साथ साथ जिप सदस्य टुकेश्वर प्रसाद, ग्राम अध्यक्ष उपेंद्र कुमार, दिव्यांग प्रखंड समिति अध्यक्ष लोकनाथ राणा, सचिव प्रभावती कुमारी, कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार, महेंद्र महतो ,आनंद कुमार पासवान, रंजीत कुमार ,राजेश कुमार, शिवनारायण कुमार, सज्जाद राही सहित सैकड़ों दिव्यांग महिला पुरुष व बच्चे मौजूद थे।

# लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त

**बड़कागांव :** बड़कागांव प्रखण्ड के अंतर्गत तमाम गीत संगीत कलकारो ने भारत के स्वर कोकिला बहन लता मंगेशकर जी का 92 वर्ष में निधन हो जाने पर शोक व्यक्त किया है। लता मंगेशकर जी को अनेको पुरस्कार ,अवार्ड, गोल्ड मेडल, भारत रत्न से सम्मानित किया गया है । भारत की बेटी और दीदी से जाने जानी वाली अब इस दुनिया में नहीं रही । हर उम्र के हिरोइन के लिए गीत गाई और हर वर्ष सुपर हिट होता था। इन्होंने राष्टीय गीत, सभी धर्मो , अनेकों भाषाओं में हजारों गीत गाई है । आज उन्हें खो देना मानो अनमोल रत्न को खो देना है। संगीत की दुनिया में लोगो के लिए प्रेरणा बनी रहेगी । हमारी यही प्रार्थना है कि सदैव हमारे दिलो में उनकी याद बनी रहे । उद्घोषक शेरो शायरी से मशहूर कृष्ण राम आर्ट, खरांटी निवासी अखिलेश कुमार दास, संगीत और तबला में (पी एच डी ), व्यास जगदीश रविदास, गायक प्रभु राम, राजा करमाली, रामचंद्र राम (आर्क्रेस्टा ग्रुप्स) दिनेश प्रजापति, अमर दास, सुरेंद्र आर्ट, अविनाश आहूजा, कृष्ण नायक ( शिक्षक) रोनित राज तेजस्वी, कर्म देव कुमार ,भुनेश्वर प्रजापति, विजय घासी, आदि लोगो ने शोक व्यक्त किया।

# बड़कागांव अंतर्गत ग्राम डोकाटाड मैं महाशिवरात्रि पूजा समिति का गठन

**बड़कागांव :** बोधन साव संयोजक, दिवाकर कुमार साव अध्यक्ष, व त्रिवेणी प्रसाद गुप्ता सचिव, राजू कुमार साव कोषाध्यक्ष चुने गए। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत नापो खुर्द पंचायत के ग्राम डोकाटाड में महाशिवरात्रि पूजा समिति का गठन रविवार को शिव मंदिर प्रांगण में ग्रामीणों के बीच हुआ। जिसकी अध्यक्षता शंभू नाथ साहू ग्राम समिति उपाध्यक्ष ने किया एवं राजकुमार साव (राजू ) ने सभा का संचालन किया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवरात्रि पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। सर्व समिति से बोधन साव को संयोजक, दिवाकर कुमार साव अध्यक्ष, राजू कुमार साव कोषाध्यक्ष, त्रिवेणी प्रसाद गुप्ता को सचिव, दीपक कुमार साव (गुर्जर) उपाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य में कुल 21 सदस्यों का चयन किया गया जिसमें राजकुमार साव ग्राम समिति अध्यक्ष, बबलू कुमार ग्राम समिति कोषाध्यक्ष, सुखदेव कुमार साहू, ग्राम समिति सचिव शंभू नाथ साहू, सचिन कुमार, हरी साव, जयनंदन साहू, मुकेश साहू, बिंदेश्वर कुमार, गणेश कुमार, विशाल कुमार, गिरधारी साव, धीरज कुमार राणा, गोपी कुमार, राजेश साव, बबलू कुमार, सरवन कुमार साव, जितेंद्र कुमार, रोहन साव, इत्यादि व्यक्तियों का सर्व समिति से चयन किया गया। एवं इस बैठक में दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

## संगीत युग का एक अध्याय समाप्त हो गया, देश को अपूरणीय क्षति : ईशो सिंह

# विवेकानंद पुस्तकालय में लता मंगेशकर व बंटी को दी गई श्रद्धांजलि

**बरही :** स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट एवं बुद्धिजीवी सह पेंशनर कल्याण समाज की ओर से स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय बरही में स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेश्कर एवं झारखण्ड के सीने स्टार बंटी सिंह के स्मृति में श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ईशो सिंह एवं संचालन सचिव कृष्णा प्रजापति ने किया। सभी उपस्थित लोगों ने दोनों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर ईशो सिंह ने कहा कि संगीत के क्षेत्र में एक युग समाप्त हो गया। उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। ट्रस्ट के सदस्य जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा कि स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने अपने सुर गीत संगीत के माध्यम देश को नई दिशा दी। उन्होंने संगीत के क्षेत्र में देश को विश्व के मानस पटल पर अपनी अलग छाप छोड़ी। प्रो हिरामन साव, संगठन सचिव रिरेश गुप्ता, विहिप जिला मंत्री, उपाध्यक्ष महेंद्र दुबे ने भी अपने संबोधन में स्वर कोकिला लता मंगेशकर एवं बंटी सिंह के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पिर कर देश ही नही बल्कि विश्व के लिए अपूर्णीय क्षति बताया।

कार्यालय प्रभारी राज आर्यन उर्फ छोटी ने कहा कि बंटी सिंह झारखण्ड के उभरता हुआ स्टार थे। कम उम्र में ही झौलीऊड में अपना विशेष स्थान बना चुके बंटी सिंह के आकस्मिक निधन से कला के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, कोषध्यक्ष अमित सिंह, प्रो हिरामन साहू, अजय दुबे, गुरुदेव गुप्ता, शमशेर आलम, राजकुमार केशरी, विकास कुमार, रितेश कुमार गुप्ता, महेंद्र प्रसाद दुबे, नकुल राणा, गुरुदेव गुप्ता ,कृष्णा प्रसाद केसरी, महावीर हजाम, राजकुमार प्रसाद केसरी, रविंद्र कुमार गुप्ता, कैलाश प्रजापति, शमशेर आलम ,कृष्ण कुमार गुप्ता, सरयू राम, साधु शरण दास, जानकी ठाकुर, राज आर्यन डांस एकेडमी एंड अपेम आर्ट एंड कल्चर का डायरेक्टर राज आर्यन उर्फ छोटी, कोरियोग्राफर विकास विश्वास, एक्टर एंड कोरियोग्राफर विजय कुमार राणा, कॉमेडियन प्रख्यात कुमार, शंभू माली, विजय कुमार आदि लोग मौजूद थे।

# संत शिरोमणि रैदास जयंती 16 फरवरी को मनाई जाएगी

**बड़कागांव :** बड़कागांव अंबेडकर मोहल्ला में संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह मनाने के लिए बैठक रखी गई। जिसकी अध्यक्षता रविदास महासभा नगर इकाई अध्यक्ष रघुनाथ राम एवं संचालन संरक्षक रामेश्वर राम ने किया। सर्वसम्मति से रैदास जयंती मनाने को लेकर रैदास पूजा समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष महेश राम ,सचिव शंभू रविदास, कोषाध्यक्ष रामेश्वर राम ,उपाध्यक्ष अकाश कुमार, उपसचिव सुनील कुमार, संयोजक संतोष राम ,संगठन मंत्री सरजू राम ,संरक्षक रामवृक्ष राम को बनाया गया। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 16 फरवरी को संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती कोविड-19 का पालन करते हुए धूमधाम से मनाई जाएगी। मौके पर पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजीव रंजन ,जयप्रकाश राम, संजय निगम, संतोष राम, सूरज कुमार, अविनाश कुमार ,राजू कुमार, राजेश कुमार दास ,धर्मेंद्र राम ,जितेंद्र राम, शिव शंकर दास, सुजीत राम, ईश्वर कुमार, पवन कुमार ,सुनील कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

# संपादकीय

## संसद में सुचारू काम काजः शुभ संकेत

संसद के बजट सत्र में आम बजट पारित होने के बाद से सुचारू रूप से काम काज हो रहा है और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच सार्थतक वार्ता हो रही है। निश्चित रूप से यह एक शुभ संकेत है। इसके पूर्व संसद के पिछले कई सत्र के दौरान हंगामा ज्यादा हुआ है। जिसकी वजह से संसद का काम काज बाधित होता रहा है। इस बार भी पूर्व के कटू अनूभवों को देखते हुए यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि बजट सत्र भी कहीं हंगामों की भेंट न चढ़ जाए किन्तु अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लंबा वक्तव्य दिया जिसमें पहली बार ऐसा लगा कि उन्होंने पूरी तैयारी करके अपने विचार व्यक्त किए है। यह अलग बात है कि उनके विचारों से कौन कितना सहमत है। इसके अलावा भी विपक्षी दलों के माननीय सदस्यों ने बजट पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता के साथ सदन में उठाया अब इसका जवाब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देंगे। जाहिर है उनका वक्तव्य भी सुनने के लायक रहेगा। सदन में इस तरह सुचारू काम काज होता देख देश की जनता को सुखद अनुभूति हो रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि संसद के बजट सत्र में आगे भी इसी तरह की सार्थक चर्चा और बहस देखने को मिलेगी। साथ ही कुछ महत्वपूर्ण विधेयक भी पारित हो सकते है। आठ फरवरी को भाजपा ने अपने सभी सांसदों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की नोटिस जारी किया है। इसके बाद से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि आठ फरवरी को संसद में कुछ बड़ा होने वाला है। अब यह कौन सा बड़ा फैसला है जो सरकार लेने जा रही है इस बारे में पक्के तौर पर खुद भाजपा सांसदों को भी कुछ पता नहीं है। कयास लगाए जा रहे है कि सरकार आठ फरवरी को राज्यसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक प्रस्तुत कर सकती है। दरअसल समान नागरिक संहिता विधेयक को लेकर सत्ता पक्ष वचन बद्ध है। जबकि विपक्ष इसका प्रबल विरोध करता रहा है। हो सकता है सरकार आठ फरवरी को समान नागरिक संहिता विधेयक पेश करें और इसे राज्यसभा में पारित कराने की कोशिश करें। इसी वजह से राज्यसभा के भाजपा सांसदों को विहत जारी की है ताकि सदन में संख्या बल कम ना होने पाए। पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के मद्देनजर यह विधेयक राजनीतिक कारणों से भाजपा के लिए लाभप्रद सिद्ध हो सकता है क्योंकि लंबे समय से समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग उठती रही है और इस बारे में इलाहबाद हाईकोर्ट ने भी अपने एक फैसले में टिप्पणी की थी कि सरकार को जल्द से जल्द समान नागरिक संहिता विधेयक पारित कराना चाहिए। बहरहाल यह सिर्फ अटकले है। हो सकता है सरकार कोई और बड़ा निर्णय लें।

# विचार

## जमीर जिंदा है

U

मेरे एक मित्रा ने घ निर्माण का कार्य आरम्भ किया हुआ था। घर में लक्कड़ का काम शुरू करवाना था। इस लिए वह मुझे अपने साथ एक बड़े शहर की लक्कड़ मार्किट में ले गया तां जो दोनों की राय से अच्छी लक्कड़ खरीदी जाए। लगभग दो एकड़ में फैली लक्कड़ की दुकान पर हम चले गए। प्रत्येक किस्म की लक्कड़ वहां मौजूद थी। प्रत्येक किस्म की लक्कड़ को बहुत ही आकर्षक ढंग से तरतीब दे कर रखा हुआ था। शहर में यह सब से बड़ी दुकान थी, यहां प्रत्येक किस्म की लक्कड़ मिलती थी। मैं और मेरा मित्रा हम दुकान के दफ्तर में चले गए। दफ्तर उत्तम शैली का बना हुआ था। दफ्तर में चालीस वर्ष का नवयुवक बैठा हुआ था, जो स्वंय मालिक था। उसके साथ लक्कड़ की बातचीत चली। कितनी लक्कड़ लेनी है ? किस किस्म की लक्कड़ लेनी है इत्यादि।उस नवयुवक मालिक ने चाय मंगवा ली। चाय पीने के साथ-साथ बातचीत करते हुए मेरा ध्यान उस मालिक की कुर्सी के पीछे दीवार पर लगाई हुई, एक नवयुवक डी.एस.पी. की भव्य तस्वीर पर जा पड़ा। मैंने उस मालिक से पूछा, यह तस्वीर किस की है? उस मालिक ने हँसने हुए कहा, यह तस्वीर मेरी ही है। क्या आप ने नौकरी छोड़ दी है या...? मैंने जिज्ञासा से पूछा। उस मालिक ने खिलती घूप की तरह हँसते हुए कहा, बात कुछ इस तरह है कि जो व्यक्ति ज़मीर मार कर जीते हैं, वे बढ़िया इन्सान नहीं होते, वे समाज को रास्ता नहीं दिखा पाते, रिश्वतखोर, बेईमान, धेखेबाज, चमचागिरी करने वाले लोगों की एक श्रेणी होती है। वे अपनी श्रेणी की प्रवृतियों में जीते हैं। काकरोच को गंदगी ही अच्छी लगती है। जो प्रवृतियां पक जाती हैं वे जिस्म का एक अंग बन जाती हैं। गुलाम बन कर जीना कोई अच्छी बात नहीं होती। गलत शब्दों तथा ग़लत हुक्म की गुलामी मृत्यु से भी भंयकर होती है, जो लोग इस गुलामी को स्वीकार करके जीते हैं, समाज में उनकी कोई इज्ज़त नहीं होती। ऐसे ग़लत बंदे से लोग, अवसर के अनुसार, उससे फायदा लेने के लिए, उसको सलाम करते हैं, परन्तु उस से प्यार नहीं करते, उसको हृदय से सत्तकार नहीं देते। लोग उसको ग़लत ही कहते हैं। रिश्वत लेने वाले व्यक्ति को लोक मजबूरन रिश्वत देते हैं परन्तु कहते उसको रिश्वतखोर, हरामखोर ही हैं। आदमी कम खा ले, संतोष में रहे परन्तु रिश्वतखोर, बेईमान न बनें। क्या मांस, शराब या लूटमार करके बंदा हज़ार वर्ष जीएगा, जीना तो ज़्यादा से ज़्यादा सौ वर्ष ही है। अपने घर में बंदा अचार से रोटी खा कर भी बादशाह होता है। बेईमानी की रोटी तो एक लाहनत है। मैं तो यह लक्कड़ का काम कर रहा हूँ, ईमानदारी की रोटी खा रहा हूँ। किसी गुलामी के अतिरिक्त। बहुत लम्बी चैढ़ी भूमिका के बाद उसने हँसते हुए बताया, मेरे पिता जी पुलिस आफ़िसर थे।

# असल परीक्षा तो मतदाताओं की होगी

प्रेम शर्मा

*पांच साल पहले के मुकाबले नमक, आलू, प्याज, आटा, सरसों तेल और रसोई गैस के बढ़े दाम जनता के बीच मुद्दा हैं। 12 रुपये प्रति लीटर दाम घटाए जाने के बावजूद पेट्रोल व डीजल की तुलना पिछले चुनाव से की जा रही है। जनता की ट्रेन कहीं जाने वाली कई पैसेंजर ट्रेनें बंद हो गईं और बढ़ा बस का किराया भी याद दिलाया जा रहा है। सत्ता की ओर से तमाम सड़कें, पुल, हाईवे बनाने के दावे हैं तो विपक्ष खराब व जर्जर सड़कें दिखा रहा है। कर्मचारियों की 2005 में पुरानी पेंशन बंद हो गई। नई पेंशन वाली पीढ़ी बुढ़ापे के असुरक्षा बोध से परेशान है। आउटसोर्सिंग की नौकरियों में शोषण का मुद्दा भी है। मगर, चुनाव में इन मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। हालांकि, लुभावने वादों की बौछारें शुरू है।*

पॉच राज्यों के चुनाव का परिणाम क्या होगा यह अभी से कहना गलत होगा। लेकिन इन पॉच राज्यों के चुनाव में उत्तर प्रदेश के चुनाव परिणाम अगली केन्द्र सरकार का सेमी फाइनल अवश्य होगा। फिलहाल तो इन पॉच राज्यों के चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दे गुम होकर चुनावी सभाओं में बुल्डोजर, तमंचा, गन्ना, दंगा, बहु बेटी की सुरक्षा ने जोर पकड़ लिया है। चुनावी मैदान में अपराधियों एवं बाहुबलियों के साथ धनबल वालें प्रत्याशियों की उपस्थिति में देव तुल्य मतदाताओं के सामने एक तरफ कुंआ तो दूसरी तरफ खाई या यूकहे कि उन्हें लोकतंत्र की स्थापना के लिए अग्नि परीक्षा देनी होगी और वास्तव में देखा जाए तो यह चुनाव राजनैतिक दलों की नही बल्कि मतदाताओं की असल परीक्षा होगी।

अब लगभग इंतजार खत्म। अब परीक्षा की बारी आपकी है। क्योकि बार बार आरोप प्रत्यारोप लगाकर आम मतदाता अपने आप को बचा नही पााएगा। आपकी परीक्षा। हमारी परीक्षा...। चुनना हमें है। क्योंकि, ये चुनाव हमारे भाविष्य का है। वक्त की कसौटी पर खुद को परखिए, टटोलिए, क्योकि अब अगर-मगर का वक्त नही है।क्खुद से पूछिए, हमें क्या चाहिए ? बार-बार पूछिए ? खुद से सवाल इसलिए जरूरी है, क्योंकि यही सही फैसले की ओर ले जाएंगे। राजनैतिक दल, समर्थक और नेता चुनावी महारथी अपना पाला तय करने में जुटे हैं। निष्ठा व नेतृत्व तेजी से बदले जा रहे हैं। कल तक जो इस पाले में थे, उस पाले में पहुंच गए हैं। पाला बदल के साथ सुविधाजनक चुनावी मुद्दे और मुहावरे भी गढ़े जाने लगे हैं।

सत्ता के लिए जो उपलब्धि है, विपक्ष को उसी में विफलता नजर आ रही है। जनता के जो मुद्दे नदारत नजर आ रहे है। एक फिर फिर जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद से लेकर वही पुराने ढ़रे पर चुनाव दिखाई पड़ रहा है। ऐसे में दागी उम्मीदवार बनाम स्वच्छ चुनाव की अवधारणा को पूरा करने के लिए आममतदाताओं के लिए यह चुनाव असल में अग्नि परीक्षा के सादृश्य है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी एडीआर की रिपोर्ट इसका प्रमाणम है। एडीआर की ताजा अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, 10 फरवरी को उत्तर प्रदेश की जिन 58 विधानसभा सीटों पर मत डाले जाएंगे, वहां से कुल 623 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसमें से 615 उम्मीदवारों के बारे में एडीआर को सूचनाएं मिली हैं। इन 615 प्रत्याशियों में से 156, यानी करीब 25 फीसदी उम्मीदवार दागी हैं। 121 पर तो गंभीर आपराधिक

मुकदमे चल रहे हैं, जिनमें दोषसिद्ध होने पर पांच साल या इससे भी अधिक की सजा वाले गैर-जमानती जुर्म शामिल हैं। यह आकड़ा तो पहले चरण का है आगे बहुत से और आकड़े सामनें आएगे और चौकाएंगे। दलों द्वारा भले ही राष्ट्रहित, देश हित और विकास, जनभावनाओं की कद्र करने का दावा किया जाए, मगर वास्तविकता यह है कि हर दल को जिताऊ प्रत्याशी के लिए धनबल, बाहुबल और अपराधियों से समझौता करना ही पड़ रहा है। भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की शुचिता और स्वच्छता पर खतरा लगातार गहराता जा रहा है। बेशक, कभी सार्वजनिक जीवन में बेदाग लोगों की वकालत की जाती थी, लेकिन अब यह आम धारणा है कि राजनेता और अपराधी एक-दूसरे के पर्याय हो चले हैं। एडीआर उत्तर प्रदेश के प्रमुख समन्वयक डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि एडीआर सिफारिश करता है कि राजनीतिक दल और समाज के सभी लोग लोकतंत्र में धनबल और बाहुबल के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए कारगर हस्तक्षेप करें। लेकिन ऐसा सम्भव नही है। राजनैतिक दलों की अपनी मजबूरी है। विडंबना यह है कि हरेक सियासी पार्टी राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता जाहिर करती है और इसे रोकने के दावे करती है, लेकिन जब चुनाव में टिकट बांटने का वक्त आता है, तब दागी छवि वाले प्रत्याशियों पर भरोसा किया जाता है। यही वजह है कि चुनाव-दर-चुनाव ऐसे सांसदों-विधायकों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिन पर आपराधिक मामले चल रहे होते हैं। उत्तर प्रदेश में ही 2017 के विधानसभा चुनाव में जीतकर आए 402 विधायकों में से 143 (36 प्रतिशत) ने अपने चुनावी हलफनामे में खुद के ऊपर आपराधिक मामले चलने की बात कही, जबकि गंभीर आपराधिक मामलों का सामना करने वाले विधायकों की संख्या 107 थी, यानी विधानसभा सदस्यों का 26 प्रतिशत थी। अब 2012 की राज्य विधानसभा में ये आंकड़े क्रमशः 47 प्रतिशत (189 विधायक दागी छवि वाले) और 24 प्रतिशत (98 विधायक गंभीर मामलों में आरोपी) थे। एडीआर की ही रिपोर्ट बताती है कि संसद के निचले सदन में दागी छवि वाले सांसदों की मौजूदगी हर चुनाव में बढ़ रही है। मौजूदा लोकसभा के लिए 2019 में जीतने वाले 539 सांसदों में से 233, यानी 43 प्रतिशत सदस्यों ने खुद पर आपराधिक मामले होने की जानकारी दी है, जबकि 2014 के लोकसभा चुनाव में 542 विजेताओं में से 185 दागी चुनकर आए थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत (543 सांसदों में से 162) था। यानी, 2009 से 2019 तक आपराधिक छवि वाले सदस्यों की लोकसभा में मौजूदगी 44 फीसदी बढ़ गई थी। इसी तरह, गंभीर आपराधिक मामलों में मुकदमों का सामना करने वाले सांसदों की संख्या 2009 में 76, 2014 में 112 और 2019 में 159 थी, यानी 2009 से 2019 तक इसमें 109 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अब ऐसे में महंगाई व बेरोजगारी से जनता जार-जार है।

पांच साल पहले के मुकाबले नमक, आलू, प्याज, आटा, सरसों तेल और रसोई गैस के बढ़े दाम जनता के बीच मुद्दा हैं। 12 रुपये प्रति लीटर दाम घटाए जाने के बावजूद पेट्रोल व डीजल की तुलना पिछले चुनाव से की जा रही है। जनता की ट्रेन कही जाने वाली कई पैसेंजर ट्रेनें बंद हो गई और बढ़ा बस का किराया भी याद दिलाया जा रहा है। सत्ता की ओर से तमाम सड़कें, पुल, हाईवे बनाने के दावे हैं तो विपक्ष खराब व जर्जर सड़कें दिखा रहा है। कर्मचारियों की 2005 में पुरानी पेंशन बंद हो गई। नई पेंशन वाली पीढ़ी बुढ़ापे के असुरक्षा बोध से परेशान है। आउटसोर्सिंग की नौकरियों में शोषण का मुद्दा भी है। मगर, चुनाव में इन मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। हालांकि, लुभावने वादों की बौछारे शुरू है। आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। ऐसे में अगर आप एक ईमानदार, स्वच्छ और साफ सुथरे चरित्र वालें, कमजोर और धनविहीन,दलगत,जातिगत,क्षेत्रगत विहीन प्रत्याशी की जीत का संकल्प ले सके तो वही असल मतदान, कर्तव्यनिवर्हन और देश के बेहतर लोकतंत्र की शुरूआत होगी।

# सदियों तलक गूंजती रहेगी लता दीदी की आवाज

विजय केसरी

*लता जी अपने भाई और बहनों के साथ संगीत की प्रारंभिक शिक्षा अपने पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर से ही प्राप्त की थी। सभी भाई बहनों में बचपन से ही गायकी के गुण विद्यमान थे। लता दीदी का जन्म इंदौर में हुआ था । लेकिन उनकी परवरिश महाराष्ट्र में हुई थी वह बचपन से ही गायक बनना चाहती थीं। बचपन मे कुंदन लाल सहगल की एक फि ल्म चंडीदास देखकर उन्होने कहा था कि वो बड़ी होकर सहगल से शादी करेगी।*

देश की जानी मानी पार्श्व गायिका, स्वर कोकिला लता जी अनंत में विलीन हो गई । वह बीते कुछ महीने से कोरोना महामारी से लड़ रही थी, लेकिन महामारी को परास्त नहीं कर पाई। स्वर कोकिला लता मंगेशकर अब स शरीर नहीं रहीं। इसके बावजूद उनकी गायिकी सदियों तक गूंजती रहेंगी। लता मंगेशकर सिर्फ भारत की ही स्वर कोकिला नहीं थी बल्कि विश्व में उनके चाहने वाले करोड़ों की संख्या में मौजूद हैं आज उनके चाहने वालों की आंखें नम हैं। विश्व भर से उनके निधन पर शोक संवेदनाएं आ रही हैं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी तक उनके प्रशंसक रहे हैं । लता मंगेशकर हर उम्र के लोगों की पहली पसंद रही हैं। उनका जाना विश्व जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। लता मंगेशकर का संपूर्ण जीवन गायकी में ही बीता था । लता मंगेशकर एक सुलझी हुई प्रगतिशील नारी थी। उन्होंने कभी भी विवादित बयान नहीं दिया । भारत की एकता और अखंडता के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही थीं। जब भी देश को उनकी जरूरत पड़ी, उन्होंने खुले दिल से मदद किया। लता मंगेशकर के चले जाने से मुंबई फिल्म इंडस्ट्री को जबरदस्त झटका लगा है । लता मंगेशकर भारतीय फिल्म उद्योग की स्थापना काल से लेकर अब तक के सफर की सह यात्री रही हैं। लता मंगेशकर हिंदी सहित विविध भाषाओं में अपनी गायकी प्रस्तुत की थीं। मुंबई फिल्म उद्योग सहित देश के सभी प्रांतीय उनके निधन से स्तब्ध है।

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर, 1929 इंदौर में हुआ था। वह भारत सहित विश्व की सबसे लोकप्रिय और आदरणीय गायिका थीं । उनका गायिकी के क्षेत्र में छः दशकों का कार्यकाल कई उपलब्धियों से भरा पड़ा है। हालाँकि लता जी ने लगभग तीस से ज्यादा भाषाओं में फि ल्मी और गैर-फि ल्मी गाने गाये हैं। उनकी एक खास पहचान भारतीय सिनेमा में एक पाश्र्वं गायिका के रूप में रही है। अ

लता की जादुई आवाज के भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया में दीवाने हैं। 'टाईम' पत्रिका ने उन्हें भारतीय पाश्र्व गायन की अपरिहार्य और एकछत्र साम्राज्ञी स्वीकार किया है। लता जी को

भारत सरकार ने 'भारतरत्नसे सम्मानित किया है। वह सच्चे अर्थों में भारत की एक रत्न के रूप में हमेशा चमकती रहेगी। लता मंगेशकर की गायकी से प्रभावित होकर देश विदेश के कई प्रतिभाशाली गायकों ने गायकी को ही अपना कैरियर बनाया । लता मंगेशकर गायिकी की गुरु माता के रूप में पूजी जाती रही हैं । लता मंगेशकर को हर उम्र के लोग लता दीदी के ही नाम से पुकारते हैं । उनके न रहने पर भी उनके चाहने वाले लता दीदी ही कह कर उन्हें पुकार रहे हैं। यह लता दीदी की गायकी और उनके सहज, मृदुल व्यवहार का परिचायक है। उनकी गायकी जितनी निराली रही, उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भी उतना ही निराला रहा । उनकी सहजता और मृदुलता सदा लोगों को अपनी ओर प्रेरित करता रहेगा। विश्व की जानी मानी गायिका होने के बावजूद उनमें रत्ती भर भी घमंड नहीं था। उनसे, गायिकसीखने आए नए कलाकारों को गायकी का मंत्र बहुत ही सहज और सरल तरीके से बताती रही थीं।

लता जी के इंदौर शहर के पंडित दीनानाथ मंगेशकर की बड़ी पुत्री थी। दीनानाथ मंगेशकर एक मध्यवर्गीय परिवार आते थे। उनके पिता रंग मंच एलजीके कलाकार और गायक थे। इनके परिवार से भाई हृदयनाथ मंगेशकर और बहनों उषा मंगेशकर, मीना मंगेशकर, और आशा भोसलेसभी ने संगीत को ही अपनी आजीविका के लिये चुना। लता जी अपने भाई और बहनों के साथ संगीत की प्रारंभिक शिक्षा अपने पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर से ही प्राप्त की थी। सभी भाई बहनों में बचपन से ही गायकी के गुण विद्यमान थे। लता दीदी का जन्म इंदौर में हुआ था । लेकिन उनकी परवरिश महाराष्ट्र में हुई थी वह बचपन से ही गायक बनना चाहती थीं। बचपन मे कुंदन लाल सहगल की एक फि ल्म चंडीदास देखकर उन्होने कहा था कि वो बड़ी होकर सहगल से शादी करेगी। पहली बार लता जी ने वसंग जोगलेकर द्वारा निर्देशित एक फि ल्म 'कीर्ती हसाल ' के लिये गाया। उनके पिता नहीं चाहते थे कि लता फि ल्मों के लिये गाये, इसलिये इस गाने को फि ल्म से निकाल दिया गया। लेकिन उसकी प्रतिभा से वसंत जोगलेकर काफी प्रभावित हुये थे।

पिताजी की मृत्यु के बादलता दीदी को पैसों की बहुत किल्लत झेलनी पड़ी और काफी संघर्ष करना पड़ा था। । उन्हें अभिनय बहुत पसंद नहीं था, लेकिन पिता की असामयिक मृत्यु की वजह से पैसों के लिये उन्हें कुछ हिंदी और मराठी फि ल्मों में काम करना पड़ा। अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फि ल्म 1942 में पाहिली मंगलागौर आई थी। इस फिल्म में उन्होंने स्नेहप्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभाई थी। बाद में उन्होंने कई फि ल्मों में अभिनय किया जिनमें, माझेबाल,चिमुकलासंसार , गजभाऊ, बड़ीमाँ ,जीवन यात्रा , माँद , छत्रपति शिवाजी शामिल थी।

# पाठकों की बात

## पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

### पतझड़ से जीवन में बसंत आया

पतझड़ से जीवन में बसंत आया धीरे धीरे कोयल ने वासंती-राग सुनाया धीरे धीरे नूतन भोर में नव-पल्लव, नव-कलियाँ हैं चटकाएँ, नयी बयारें मन की सौंधी मिट्टी को महकाएँ, नयी आस ने मंगलगान गुँजाया धीरे धीरे पतझड़ था जीवन अब बसंत आया धीरे-धीरे...।

**कविता माथुर**

### अभिमान जो जगा दे, न वो ज्ञान

अभिमान जो जगा दे, न वो ज्ञान मुझको देना जो तुमसे दूर कर दे, न वो मान मुझको देना भौतिक सुखों की मन में माँ कामना नहीं है चरणों में अपने मैया स्थान मुझको देना।

**सुभाष रावत 'राहत बरेलवी'**

### खास पाती | लफ्जो मानी सभी बेअसर हो

लफ्जो मानी सभी बेअसर हो गए जबसे ख्याल मेरे शहरबदर हो गए! दिलो ज़मीर बिकने चले गए कहीं मुजस्समें यहीं के मगर हो गए! ईमान वालों का कुछ पता नहीं चलता इसी तरफ थे अभी,अब जाने किधर हो गए! अब रहजन के पीछे चलों कि रहबर के अब तो यकसाँ सभी रहगुजर हो गए! **जावेद उस्मानी**

### शारदे वंदना शारदे! प्यार मुझको न

शारदे वंदना शारदे! प्यार मुझको न दे तू भले लेखनी किन्तु मेरी तो फूले-फले ऐसा वरदान दे!! बीज शब्दों के रोपूं हो कागज-धरा अंकुरण-काव्य का वृक्ष बन हो हरा आँधियों की जो आलोचना में पले ऐसा वरदान दे!! शारदे! ज्ञान की रोशनी भर तनिक और अज्ञान-तम दूर भी कर तनिक भाग्य, दुर्भाग्य बनकर लगे मत गले ऐसा वरदान दे! कंठ-वीणा सदृश तू मधुर दे मुझे गा सकूँ मैं हमेशा भजन में तुझे भोर से साँझ तक नित्यक्रम यह चले ऐसा वरदान दे!! **भाऊराव महंत**

### धारिणी पुल्कित,आकाश प्रसन्न

धारिणी पुल्कित,आकाश प्रसन्न चहुँ ओर गूंजे बसंत-बसंत खिल गये गेंदा, महके मधुबन चहुँ ओर गूंजे बसंत-बसंत लद गए बौर अमिया की शाखा महुआ, बेर भरे विशाखा छाए पलाश समस्त वन-वन चहुँ ओर गूंजे बसंत-बसंत सुमन शीश उठाये झूमे तितली भौरें इठलाकर घूमे मंद-मंद मुस्काये पवन चहुँ ओर गूंजे बसंत-बसंत झुक रही सुन्दर फूलों से पतझड़ की रिक्त डालियाँ लेकर आया है ऋतुराज नव किरण, नव लालिमा गई धुंध कोहरा हटा अनुपम हुई नभ की छँटा हर्षित मन, उल्लास, उमंग चहुँ ओर गुंजे बसंत-बसंत। **माया देवांगन**

### सकल वेदना हिय अन्तस की

सकल वेदना हिय अन्तस की शब्दों में ढल जाती है बिना पते के कैसे पहुंचे बता सखी यह पाती है समझ सको तो बतला देना कोई उपाय तुम मुझको बहे समीरन होय सुगंधित याद उसी की आती है। **रजनी रामदेव**

### माँ कुछ ऐसी कृपा बरसाओ हम

माँ कुछ ऐसी कृपा बरसाओ हम पर रहे नित प्रेम स्नेह से मिलकर सब वाणी में स्नेह सदा सबके बना रहे वर दो माँ कोई किसी से न द्वेष रखे विनती माँ सरस्वती सुन लेना इतनी खुशियां देना माँ सबको मन चाही मन सबका बसंत सा तुम कर देना खिले मुख सुमन से इतना तो करना रहे न कोई दुखी भूखा लाचार यहाँ सबके ही रहें सहयोग के विचार सदा माँ झंकृत कर दो ऐसे वीणा के तार दूर हो मन से सबके संकुचित विचार अंत मे बस आस यही मेरी माँ तुमसे दुर्गुण दूर रहें सदा आशीष मिले तुझसे! **रश्मि ठाकुर**

### कुछ लफ़्ज़ ज़ागीर नही बनते पिघल

कुछ लफ़्ज़ ज़ागीर नही बनते पिघल जाते हैं ज़ेहन में सुनो देव ये जो कतरा कतरा ज़िंदगी हैं न लफ़्ज़ों को कतरा कतरा पी लेती हूँ बेमौसम बारिशों में और यूँ ज़िंदगी चलती रहती हैं तुम सँग नमी लिए हुए पता है देव फ़िर प्यास अधूरी नही रहती सुनो न लफ़्ज़ नही जाते कहीं थम जाते हैं आँखों में नमी बन मुझमें या फ़िर शायद तुममें सच है न देव स्वरा सुनिएगा ज़रुर। **सुरेखा अग्रवाल**

### सब कुछ कर सकते हैं ये अवसर

सबकुछ कर सकते हैं ये अवसर मिलते बतलाएँगे। मिट्टी नहीं मिलेगी तो फिर पत्थर में खिल जाएँगे। सिर्फ किताबों की दुनिया में मत जीने दो बच्चों को-आसमान को छूने दो ये राहें नई बनाएँगे। **दिनेश रोहित चतुर्वेदी**

# QUIZ TIME

1) भारत सरकार द्वारा कब 'चाबहार दिवस' मनाया गया?

2) मार्च 2021 में किस राज्य सरकार ने यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम का नाम बदलकर मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना रखे जाने की घोषणा की?

3) 2 मार्च, 2021 को नाग नदी प्रदूषण नियंत्रण परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई। नाग नदी किस शहर से होकर प्रवाहित होती है?

4) मार्च 2021 में अपराध की रोकथाम और आपराधिक न्याय पर 14वां यूएन कांग्रेस, 2021 कहाँ आयोजित किया गया?

5) साहित्य क्षेत्र का 30वां बिहारी पुरस्कार किसे प्रदान किया गया?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) 4 मार्च, 2021 (2) राजस्थान (3) नागपुर (4) क्योटो (5) मोहनकृष्णा बोहरा

# आज का इतिहास

**नई दिल्ली (वार्ता)।** भारतीय और विश्व इतिहास में 07 फरवरी की घटनाएं इस प्रकार हैंः- 1831: बेल्जियम में संविधान लागू हुआ। 1856: अवध के नवाब वाजिद अली शाह को ईस्ट इंडिया कंपनी ने गद्दी छोड़ने पर मजबूर किया और पूरे अवध पर कंपनी का कब्जा हो गया। 1915: पहली बार चलती ट्रेन से भेजा गया वायरलेस मैसेज रेलवे स्टेशन को मिला। 1939: लंदन में फिलिस्तीन कांग्रेस शुरू। प्रधानमंत्री चैंबरलेन ने यहूदियों और अरब प्रतिनिधियों के बीच सुलह सफाई का अनुरोध किया। 1940: ब्रिटेन में रेलवे का राष्ट्रीयकरण हुआ। 1959: फिदेल कास्त्रो ने क्यूबा में नए संविधान की घोषणा की। 1962: राष्ट्रपति जॉन एफकैनेडी ने क्यूबा पर पूर्ण व्यापारिक प्रतिबंध लगाया। 1962: जर्मनी की एक कोयला खदान में विस्फोट से 298 मजदूरों की मौत हो गई। 1964: ब्रिटेन के म्यूजिक बैंड बीटल्स का अमेरिका आगमन। उनके शो को करोड़ों लोगों ने देखा। 1969: अल फतह के नेता यासर अराफात फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन (पीएलओ) के अध्यक्ष बने। 1974: ग्रेनाडा को ब्रिटेन से आजादी मिली। 1983: कलकत्ता में इस्टर्न न्यूज एजेंसी की स्थापना। 1986: राजनीतिक अस्थिरता के चलते हैती के राष्ट्रपति ज्यां क्लाउड डुवेलियर अमेरिका की सहायता से भागकर फ्रांस चले गए। 1989: टेनिस की दुनिया के बेताज बादशाह रहे ब्योर्न बोर्ग ने मिलान में आत्महत्या का प्रयास किया। 1992: स्वदेश में ही निर्मित पहली पनडुब्बी 'आईएनएस शाल्की' को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। 1999: जॉर्डन के शाह हुसैन की मौत के कुछ ही घंटे बाद उनके पुत्र अब्दुल्लाह देश के शासक बने।

# पीएम आवास योजना में हो रही है बड़े पैमाने पर पैसे की उगाही : विधायक

**हरिहरगंज पलामू :** हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र में पीएम आवास योजना में बड़े पैमाने पर पैसे की उगाही हो रही है । गरीबों के बदले संपन्न लोगों को आवासीय योजना का लाभ मिल रहा है। उक्त बाते एनसीपी विधायक कमलेश कुमार सिंह ने कार्यकताओं के साथ हुई ऑनलाइन बैठक में रविवार को हरिहरगंज शहरी क्षेत्र के लवली कॉम्प्लेक्स में कही। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों से इस आशय की शिकायत मिली है, इस बाबत पलामू उपायुक्त व आयुक्त को पत्र लिखा जाएगा। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। अधिकारियों को आवेदन देने के बाद भी यदि इस दिशा में संज्ञान नहीं लिया जाता है, तो विधानसभा के आगामी सत्र में वे इस मामले को

पुरजोर तरीके से उठाएंगे। बैठक में उन्होंने संगठन की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हरिहरगंज- हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए वे प्रतिबंध हैं। वही बैठक में उपस्थित प्रभारी आलोक कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा कि शीघ्र ही पंचायत स्तर पर कार्यकताओं को नई जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। बैठक के अंत में एनसीपी कार्यकताओं ने स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर मौन रखकर संवेदना व्यक्त की। बैठक की अध्यक्षता व संचालन प्रखंड अध्यक्ष सरोज प्रसाद कुशवाहा ने किया। इस मौके पर एनसीपी के हुसैनाबाद प्रभारी रत्न लाल, अनुमंडल उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, एनसीपी के वरिष्ठ नेता बबन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश मेहता, प्रखंड अध्यक्ष सरोज प्रसाद कुशवाहा, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, उपेन्द्र कुमार सिंह, सुरेश कुमार सिंह, युवा प्रखंड अध्यक्ष राजगौरव उर्फ छोटू सिंह, अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष मो. असलम, कृष्ण कुमार क्रांति, कामदेव शर्मा, मनोज कुमार सिंह, उदय कुमार सिंह, सुनील ठाकुर, राजेन्द्र गुप्ता, महावीर मेहता, भोला सिंह, भोंदी सिंह, मो. दिलशाद, मो. शमीम, मो जहीर, मो. मुरुतुजा, डॉ लक्ष्मण प्रसाद, मो कलीम शाह, गुलाम गौश, संतोष शर्मा, मुज्जफर हुसैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

# अपराध मुक्त बनाने में पुलिस हमेशा तत्पर रहती है : एसपी

## रामदास साहू ने अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर प्रशासन से गुहार लगाई

**मेदिनीनगर, पलामू :** पलामू डालटनगंज के थ्री स्टार होटल आरडीएस रमाडा के मालिक रामदास साहू को जान से मारने की धमकी मिलना पलामू के व्यवसाय जगत के लिए अच्छा संकेत नही है। पलामू में पिछले दशक के दौरान अपराधियों के बढे. हरकत के कारण कई व्यवसायी अपना बोरिया विस्तर समेट कर दूसरे प्रदेश को पलायन कर गए थे। बाद में प्रशासन के कडे.रुख के कारण अपराध पर लगाम लगा और पलामू में फिर से व्यवसाय जगत में खुशहाली आना प्रारंभ हुआ। शहर में एक से बढ़कर एक मॉल खुलने लगे, गाडियों के नए शो रुम खुलने के साथ पहली बार व्यवसायी सह समाजसेवी रामदास साहू ने पलामू को थ्री स्टार होटल का तोहफा दिया।समाजसेवा में अपनी पहचान

बनाने के साथ रामदास साहू की पांकी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की भी बात सामने आती है। ऐसे में इस धमकी को उनके पांकी विधानसभा में सक्रियता से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। वहीं रामदास साहू से इस संबंध में बात करने पर कहा गया की पलामू में कुछ बेहतर करने की उनकी सदैव से लालसा रही है आखिर पलामू उनकी जन्मभूमि है लेकिन इस प्रकार की घटनाओं से मन विचलित हो जाता है।उन्होंने कहा कि उन्हें विभिन्न तरिकों से लगातार परेशान किया जा रहा है लेकिन समाज के प्रति अपनी जबाबदेही से वे पिछे नही हटेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन के न्याय प्रणाली पर उन्हें पुरा भरोसा है।उन्होंने अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर प्रशासन से गुहार लगाई है और साथ में अपने परिवार के लिए अंग रक्षक की भी जिला प्रशासन से माँग की है इधर इस घटना के बाद व्यवसायियों में फिर से डर व्यापत होने लगा है कि पलामू कहीं फिर से अपराधियों के चंगुल में तो नहीं जा रहा है जब इन्हीं अपराधियों के कारण पलामू के व्यवसाय जगत में सुनापन आ गया था।

## विद्यार्थियों के लिए जपला के चार्टर पॉइंट ने दिया सुनहरा मौका

# आधुनिक भारत में कंप्यूटर शिक्षा महत्वपूर्ण : मिसम

**हुसैनाबाद, पलामू :** शहर के सबसे पुरानी और विश्वसनीय कंप्यूटर शिक्षा की कोचिंग सेंटर वी चार्टर पॉइंट क्षेर के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर दिया हैं जिससे सैकड़ो छात्रों को इसका लाभ मिलेगा इस सम्बंध में संचालक मीसम रिजवी ने बताया कि यह मेरा सोच हैं कि मैं कितना गरीबी और कठिन परिस्थितियों में शिक्षा लिया इसके जपला मै अंग्रेजी स्पोकेन क्लास से सुरु किया एवं जपला में सबसे पहले कंप्यूटर शिक्षा को लाया ताकि उभरते हुए भारत एवं आधुनिकता की दौर में हमारे क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को एक बेहतर शिक्षा मिले जिससे यहाँ के विद्यार्थी भी आत्मनिर्भर बने उन्हों ने बताया कि 4 मई 2003 से आज तक 19 वर्षो सेअनुमंडल क्षेत्र के तथा नजदीकी सीमा क्षेत्र के हजारों छात्र

छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान कर रोजगार से जोड़ने का काम करता रहा हूं।उन्होंने बताया कि मेरा हरिहर चौक स्थित बाला जी कॉम्प्लेक्स में वर्तमान पता हो गई हैं उन्होंने बताया कि मैं अपने जन्मदिन के अवसर पर 8 फरवरी के दिन गरीब एवं मेधावी छात्र छात्राओं को सामान्य फीस का मात्र 50 प्रतिशत फीस तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं को निशुल्क प्रशिक्षण देने निर्णय लिया हूं।आगे बताया कि हमारा संस्थान भारत के दो बड़े संस्थान ऑक्सफोर्ड कंप्यूटर साक्षरता मिशन, नई दिल्ली और रिच्सन टेक्नो सर्व पटना से सूचीबद्ध है।एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से क्लास में प्रशिक्षण दिया जाता है।उन्होंने बताया कि अनुमण्डल क्षेत्र में ।मैं हजारों लोगों शिक्षा दिया जिससे आज सैकड़ो विद्यार्थी भारत के कई बड़े संस्थाओं में काम कर रहे और मैं पढ़ाई के साथ साथ उन्हें रोजगार से जोड़ने एवं शिक्षा के मूल उपयोगिता को भी बढ़ाने का कार्य किया हूं। उन्होंने बताया कि मेरे द्वरा हिंदी अंग्रेजी टाइपिंग भी कराया जाता है आधुनिक भारत मे जो सबसे महत्वपूर्ण हैं।

## अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया

**नावा बाजार पलामू :** नावा बाजार के पंडवा मोर पर रविवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर पांडे जी के अध्यक्षता में भारत रत्न सुरों की कोकिला कहे जाने वाली आदरणीय लता मंगेशकर जी के निधन पर गहरी दुख प्रकट करते हुए उनके मृत आत्मा के शांति के लिए दो मिनट के मौन रखा और ईश्वर से प्रार्थना किया। उक्त मौके पर प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर पांडे ने कहा कि कोकिला लता मंगेशकर लगभग एक महीने में बीमार चल रही थी। लता मंगेशकर के निधन होने से नावा बाजार समेत,फिल्मी जगत के साथ पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। मौके पर ब्राह्मण महासभा के संरक्षक गिरेंद्र पांडे, ज्वाला पांडे, विकी पांडे, कवि पांडे, मोहित तिवारी, गोलू ठाकुर, अजीत ठाकुर, उदय ठाकुर समेत कई लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

## पांकी के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान की देवी मां शारदे की वंदना में लीन रहे

# समाजसेवी शैलेन्द्र सिंह ने विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा कर लिया आशीर्वाद

**पांकी पलामू :** पांकी के कोनवाई, गोड़ियारी, बुढ़ाबार, हरिओमनगर, चंद्रपुर, डंडार, बांकी कला, बान्दुबार, बनखेता, हरना, तेतराई, सहित विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान की देवी माँ शारदे की वंदना में लीन रहे। प्रखंड के विभिन्न चौक चौराहे, गलियों और मुहल्ले में माँ सरस्वती की स्थापित की गई हैं।आकर्षक लाईट, सजावट और धार्मिक संगीत वातावरण से भक्तिमय हो गया है। सरस्वती पूजा को लेकर छोटे बच्चे से लेकर युवाओं और बुजुर्गों में इस वर्ष अन्य वर्षों के बजाय काफी उत्साह दिख रहा है। मालूम हो कि माघ महिने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी कहते हैं।अर्थात इसलिए इसी दिन ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की आराधना की जाती हैं।इधर पांकी प्रखंड के

समाजसेवी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बसंत पंचमी के अवसर पर सुड़ी व कोनवाई पंचायत के विभिन्न गांवों में आयोजित सरस्वती पूजा पंडालों का दौरा किया। साथ ही विभिन्न पूजा पंडालों में सरस्वती पूजा के अवसर पर मां का आशीर्वाद और प्रसाद ग्रहण किए।

साथ ही उन्होंने बताया कि क्षेत्र के सुख-समृद्धि की माँ शारदे से कामना की।शैलेन्द्र कुमार सिंह ने क्षेत्रवासियों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दिया व सभी को मनोकामनाएं पूर्ण होने की माँ सरस्वती से कामना कीए।इस प्रकार पूरे पांकी प्रखंड में भक्तिमय से गुंज व ज्ञान की देवी मां शारदे की आराधना में लीन रहे।

## संकट मोचन हनुमान मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुआ

**छतरपुर पलामू :** आज शुभ मुहूर्त में सरईडीह मोड़ पर स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान वैदिक पूजन विधि एवम मंत्रोउच्चारन के साथ सम्पन्न हुआ। मूर्ति का कपाल पट सनातन जलाधिवास धर्म श्रद्धालुओ के पूजा अर्चना के लिए खोल दिया गया। उपवास पूजन विधि के मुख्य जजमान के रूप चुन्नू बाबू एवम उनकी धर्मपत्नी की परम सहभागिता रही। इस अवसर पर सकल भण्डारे का आयोजन किया गया है,जो अनवरत जारी है।भक्ति भावना में शामिल हुए, बिनोद बाबू, बबुआ जी, शेखर जी, पप्पू बाबू, राजीव रंजन सिंह,धर्मेंद्र सिंह एवम सैकड़ो धर्म प्रेमी सज्जन।

## सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुखिया ने किया उद्घाटन

**हरिहरगंज पलामू :** प्रखंड क्षेत्र के खड़कपुर गांव में शनिवार की देर रात पंचायत के मुखिया पुष्पा देवी, समाजसेवी जितेंद्र कुमार मेहता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व फीता काटकर सरस्वती पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया उद्घाटन। उद्घाटन के उपरांत मुखिया पुष्पा देवी, समाजसेवी जितेंद्र कुमार मेहता ने मां सरस्वती के दरबार में माथा टेका और क्षेत्र वासियों की सुख समृद्धि व शांति के साथ अमन चैन के लिए लोगों में सदबुद्धि व ज्ञान के लिए प्रार्थना की। श्रद्धालुओ को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मां सरस्वती विद्या की देवी हैं। मौके पर समाजसेवी अवधेश राम, मनीता देवी, रामकेश मेहता, डॉ जितेंद्र कुमार, अरविंद शर्मा, शिक्षक कृष्णा राम, अजीत कुमार मेहता के अलावे पूजा कमेटी के अध्यक्ष ललेंद्र राम, सचिव दीपक राम, कोषाअध्यक्ष आयुष कुमार, उपाध्यक्ष विकास कुमार, संतोष कुमार, आशुतोष कुमार, शिबू कुमार, सोनू बाबू, अनुराग कुमार, रुपेश कुमार सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## खेल से सर्वांगीण विकास होगा : शैलु

**मेदिनीनगर पलामू :** आज नेहरु यूवा केंद्र द्वारा बंदूवा चैनपुर में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस अवसर पर उप महापौर मंगल सिंह, दिलिप पांडेय, विनीत पाण्डेय, दिनेश राम, अभय कुमार, गुडू पाण्डेय रौशन कश्यप चितरंजन, सुशील जी आदि उपस्थित थे।इस अवसर पर शैलेन्द्र कुमार शैलु ने कहा कि खेल से सर्वांगीण विकास होता है। युवाओं को खेलना जरूर चाहिए क्योंकि आज खेल सिर्फ मनोरंजन का साधन है नही बल्कि रोजगार का भी साधन है। स्कूल एवं कॉलेजों में खेल अनिवार्य होना चाहिए,हमारे देश मे प्रतिभा की कमी नहीं है कमी हैसिर्फ संसाधन की,इस सब को मिलकर दूर करना होगा, तभी देश ,युवा विकास होगा।

# डीवीसी योजना के तहत लाभुकों के बीच गैस सिलेंडर का वितरण

**हरिहरगंज पलामू :** हरिहरगंज प्रखंड के सेमरवार स्थित मे. गैस एजेंसी ने अपने लाभुकों की सुविधा के लिए मिक्स्ड डीबीसी योजना के तहत लाभुकों में गैस सिलेंडर का वितरण किया गया। इसके तहत उपभोक्ता 14.2 किलो सिलिंडर के साथ पांच किलो का दूसरा सिलिंडर ले सकते हैं। इसकी जानकारी हरिहरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेमरवार गांव में स्थित मे. अपना इण्डेन एजेन्सी के संचालक दिपक कुमार ने दिया। उन्होंने बताया कि कार्यालय में रविवार को उज्जवला योजना अंतर्गत 50 लाभुकों को 14.2 किलो के साथ 5 किलो गैस सिलेंडर दिया गया। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए मिक्स्ड डीबीसी योजना की शुरूआत की है। वैसे उपभोक्ता जो पैसे के अभाव में दूसरा सिलिंडर नहीं ले पा रहे हैं, उनके लिए इस योजना की शुरूआत की गयी है। इसके मद्देनजर 14.2 किलो के अलावा दूसरे सिलिंडर के रूप में 5 किलो का सिलिंडर दिया जा रहा है। इसके लिए हरिहरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के उपभोक्ताओं को मे. इण्डेन गैस एजेंसी सेमरवार स्थित कार्यालय में जाकर कनेक्सन करवाना होगा।

## ट्रांसफार्मर नहीं लगा, तो तुकबेरा ग्रिड में धरना : अनुज

**नावा बाजार पलामू :** नावा बाजार के कंडा पंचायत अंतर्गत कोरटा गांव मे पिछले एक माह से ज्यादा दिनों से ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण कोरटा गांव के पूरे गांव अंधेरा में है । ट्रांसफार्मर को लेकर स्थानीय लोगों ने जिला पार्षद अनुज राम एवं पुव मुखिया सह मुखिया प्रतिनिधि जुगुल भुइंया के साथ ऊर्जा मित्र सह भाजपा के कंडा पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर सिंह से गुहार लगाकर, नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग किया है । इस बीच प्रतिनिधियों के द्वारा बिजली विभाग से संपर्क कर विभाग के द्वारा आश्वासन भी मिला था । की जल्द ही कोरटा गांव में नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा । लेकिन 1 माह से अधिक बीत जाने के बाद उस गांव में नया ट्रांसफार्मर नहीं लगने पर ,रविवार को नावा बाजार जिला पार्षद अनुज राम ने बताया कि बिजली विभाग के द्वारा 4 दिनों के अंदर कोरटा गांव में नया ट्रांसफार्मर नहीं लगा तो । हम बाध्य होकर तुकबेरा सब पावर स्टेशन में एक दिवसीय धरना देंगे बैठेंगे ।

## समाज सेवी ने किया पूजा पंडालों का भ्रमण

उंटारी रोड : जिले के उंटारी रोड प्रखंड के युवा समाजसेवी सह जिला परिषद् उम्मीदवार अजय कुमार गुप्ता ने रविवार को अपने सहयोगियों के साथ ऊंटारी रोड प्रखंड अंतर्गत सभी गावों के पूजा पंडालो का भ्रमण कर मां सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त किया। और जनता की समस्याओं को सुना, तत्पश्चात इन्होंने जनता की समस्याओं का हर संभव समाधान करने का भरोसा दिलाया। वहीं अजय गुप्ता ने पूजा पंडालों का भ्रमण के दौरान कहा कि यदि जनता मुझे शासन सता मे लाती है तो मै सभी समस्याओं का निदान करने के लिए कभी भी तैयार रहूँगा। गुप्ता ने क्षेत्र के कई पूजा पंडालो का फीता काटकर शुभारंभ भी किया साथ में बच्चों से मिलकर खूब मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। गुप्ता ने संबोधन में कहा कि धन, दौलत सबकुछ बांटा सकता हैं लेकिन ज्ञान कभी कोई नहीं बांट सकता है।

# बड़ी मंजिलों की शुरुआत भी छोटे कदमों से होती है: सुरजीत कुमार

**मेदिनीनगर पलामू :** गत दिन 5 फरवरी 2022 दिन शनिवार को सरस्वती पूजा एवं बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर साहित्य समाज चौक पास नयन मंगल बुक्स एंड स्टेशनरी नामक दुकान का उद्घाटन एसडीपीओ सुजीत कुमार एवं जीसा के केंद्रीय अध्यक्ष अविनाश वर्मा ने संयुक्त रुप से किया। उक्त अवसर पर अपने विचारों को व्यक्त करते हुए डीएसपी सुजीत कुमार ने दुकान संचालक विजय श्रीवास्तव की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि दुनिया के तमाम बड़े व्यापारियों व उद्योगपतियों ने अपने जीवन की शुरूआत हमेशा छोटे व्यवसाय से कर के देश में एक मुकाम बनाया

उसी तरह आपका यह व्यवसाय आने वाले दिनों में एक मुकाम स्थापित करेगा। मौके पर उपस्थित अविनाश वर्मा ने बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा के अवसर पर शुरू होने वाले इस प्रतिष्ठान के संदर्भ में कहां की मां सरस्वती को मानने और आराधना करने वालों के लिए यह प्रतिष्ठान उनकी निष्ठा और विद्या में गुणात्मक बढ़ोतरी करेगा।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष सन्नू सिद्धकी ने भी शुभकामनाएं दी। मौके पर उपस्थित अजय श्रीवास्तव ने अतिथियों को श्रीमद्भागवत गीता और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उक्त अवसर पर मंगल श्रीवास्तव, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के सचिव दीपेंदु गुप्ता, कोषाध्यक्ष आनंद कुमार, जीसा के सतीश अग्रवाल,आकाश वर्मा, कमल सिंह, अनिल सिंह, रोशन कुमार, पप्पू कुमार, मनोज कुमार, सचिन कुमार, सविता देवी, कृष श्रीवास्तव समेत कई लोग उपस्थित थे।

## सांस्कृतिक कार्यक्रम का समाजसेवी संदीप पासवान ने फीता काटकर किया उद्घाटन

**हरिहरगंज पलामू :** पिपरा प्रखंड क्षेत्र के दलपतपुर गांव में शनिवार की रात्रि सरस्वती पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पिपरा जिला परिषद सदस्य पद के संभावित प्रत्याशी संदीप पासवान ने दीप प्रज्वलित व फीता काटकर किया। उद्घाटन के उपरांत संदीप पासवान ने मां सरस्वती के दरबार में माथा टेका और क्षेत्र वासियों की सुख समृद्धि व शांति के साथ अमन चैन के लिए लोगों में सदबुद्धि व ज्ञान के लिए प्रार्थना कि। साथ ही कहा कि मां सरस्वती विद्या की देवी है लोक नाटक व सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए सामाजिक समरसता को बल मिलता है। तथा प्रतिस्पर्धा से मेघा और क्षमता का विकास होता है। कई वक्ताओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से कैलाश यादव, सचिन यादव, अखिलेश यादव, सत्येंद्र यादव, डॉ नागदेव यादव, रामप्रसाद यादव, धर्मेंद्र शर्मा, नागेंद्र यादव, तिलक यादव, मनोज यादव, कमलेश यादव सहित काफी संख्या में लोग सामिल थे।

बच्चों को सुरक्षित माहौल में दी जाएगी शिक्षा। श्याम देव मेहता

मेदिनीनगर पलामू : नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 के आश्रम रोड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय कुम्हार टोली में गुरुवार को सैनिटाइज कराया गया विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामदेव मेहता ने बताया कि सोमवार से विद्यालय खोला जाएगा ऐसे में बच्चे ऐसे बच्चे सुरक्षित रहें इस कारण विद्यालय को सैनिटाइज कराया गया है विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति को इसके लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है बच्चों की उपस्थिति के लिए अभिभावकों की शाम अति अनिवार्य है इसके लिए उन्हें इस बाबत समझाया जा रहा है उन्होंने बताया कि करो ना काल में स्कूल बंद होने के बाद भी मोहल्ला क्लास चलाया जा रहा था ऑनलाइन क्लास भी चलाया गया बच्चों को डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में छात्रवृत्ति व सूखा राशन भी भेजी गई है ताकि उन्हें पढ़ाई करने में किसी तरह की परेशानी ना हो इस कार्य में विद्यालय के सहयोगी शिक्षक महेश मेहता रीना कुमारी पूर्णिमा मिश्रा का सारणी योगदान रहा। (16)

# मूर्ति विसर्जन के दौरान दो पक्षों में झड़प, आठ घायल

**मरकच्चो (कोडरमा) :** थाना क्षेत्र अंतर्गत मरकच्चो उत्तरी पंचायत के ग्राम कर्बलानगर में मूर्ति विसर्जन को लेकर निकले जुलूस के दौरान दो पक्षो में झड़प हो गई। झड़प के दौरान एक पक्ष के लगभग 7 लोग घायल हो गए। उत्पन्न विवाद के बाद झड़प की सूचना के बाद पुलिस की ततपरता के कारण मामले को शांत करा लिया गया। मामला रविवार करीब साढ़े पांच बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार पुनर्वास में स्थापित माँ सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन के लिए गाजे बाजे के साथ जुलुस निकाला गया था। इसी दौरान जुलुस गांव से कुछ दूर निकला ही था। तभी पशु जंगल की और से घर आ रहे थे। डीजे के आवाज से पशु इधर उधर भागने लगे इसी को लेकर पशुपालको के द्वारा डीजे साउंड व जेनेरेटर बंद करने की बात कहने लगे। इसी मामले को लेकर दोनों पक्षो में विवाद उतपन्न हो गया। और पथराव होने के कारण जुलूस में शामिल लोग घायल हो गए। आनन फानन में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर घटनास्थल पर बीडीओ पप्पू रजक, सीओ रामसुमन प्रसाद, थाना प्रभारी संजय कुमार शर्मा, नवलशाही थाना प्रभारी पंचम तिग्गा, व अन्य पदाधिकारियों के साथ पंहुचे और उत्पन्न विवाद को शांत कराते हुए प्रतिमा का विसर्जन कराया। गया। झड़प में हुए घायलो में एक समुदाय से बबिता देवी पति गोपी महतो उम्र 28 वर्ष, मीठी कुमारी उम्र 6 वर्ष पिता भीम वर्मा, सत्यम कुमार उम्र 19 वर्ष पिता सदानंद कुशवाहा, जयप्रकाश वर्मा उम्र 50 वर्ष पिता स्व. रूपनारायण वर्मा, गोपाल वर्मा 26 वर्ष पिता स्व किशुन महतो, दीपक वर्मा उम्र 20 वर्ष पिता नारायण महतो, सागर पासवान पिता मनोज पासवान उम्र 13 वर्ष, वही दूसरे समुदाय के जसीम अंसारी उम्र 12 वर्ष पिता मुकीम अंसारी झड़प में घायल हो गए। जिसका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया जा रहा है।

खबर लिखे जाने तक घायलों का इलाज जारी है। वही घटना की सूचना पाकर कोडरमा पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव मरकच्चो थाना पहुंचकर घटनाक्रम के जानकारी प्राप्त कर उचित दिशा निर्देश दिए।

# मवेशी लदे ट्रेलर को पुलिस ने किया जब्त, चार गिरफ्तार

कोडरमा (कोडरमा): थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा घाटी के पास मवेशी लदा ट्रेलर को पुलिस ने जब्त किया है। मौके से चार लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। ट्रेलर भैंस लादकर बिहार से बोकारो जा रहा था। इस संबंध में थाना प्रभारी इंदुभूषण प्रसाद ने बताया कि सूचना मिली थी कि ट्रक गिरियक, बिहार से मवेशी लोड कर बोकारो जा रही है। लोकाई के समीप कडरू लदे ट्रैलर ट्रक को जब्त कर थाना में रखा गया है। ट्रेलर भूषण कुमार, पिता कमलेश सिंह, ग्राम तेजपुर, जिला अरवल, राजेश कुमार, बीरेंद्र प्रसाद, पिता-देव शरण यादव, ग्राम हिलसा, मल्लू प्रसाद, पिता बिंदेश्वर प्रसाद, ग्राम नालंदा, बिहार के विरुद्ध थाना में मामला दर्ज किया गया है। इसके पूर्व भी इसी तरह का मामला सामने आया था।

# थाना प्रभारियों को दिया गया आइआरएडी प्रशिक्षण

**लोहरदगा :** समेकित सड़क दुर्घटना डेटाबेस (आइआरएडी) प्रशिक्षण सड़क दुर्घटनाओं में त्वरित कार्रवाई व रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को तकनीक के जरिये आसान करने के उद्देश्य से एनआईसी और आईआईटी मद्रास द्वारा डेवलप किये गए मोबाइल एप आइआरएडी और वेबसाइट (https://irad.parivahan.gov.in) का प्रशिक्षण कार्यक्रम समाहरणालय स्थित झारनेट सभागार में आयोजित किया गया। एनआईसी, लोहरदगा की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पावर प्रेजेंटेशन के जरिये इंजीनियर कृष्ण कुमार गुप्ता ने तकनीकी जानकारी दी। इसमें सड़क दुर्घटना की स्थिति में पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय उच्च पथ की ओर से मोबाइल एप या वेबसाइट के माध्यम से की जानेवाली ऑनलाइन इंट्री के बारे विस्तृत जानकारी दी गयी। सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण में बताया गया कि रिपोर्टिंग प्रकिया को ऑनलाइन किये जाने और सभी संबंधित विभागों को एक मंच पर लाने के लिए यह एप व वेबसाइट डेवलप किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक परमेश्वर प्रसाद, जिला परिवहन पदाधिकारी अमित बेसरा, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी आकाश कुमार सिंह, सभी थाना प्रभारी व कम्प्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे।

# मरकच्चो प्रखण्ड में सरस्वती पूजा संपन्न

**मरकच्चो (कोडरमा) :** प्रखंड के विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों और गाँव कस्बों में हर्षोल्लास के साथ बसन्त पंचमी व सरस्वती पूजा उत्सव बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। प्रखंड के ग्राम धुबाडीह स्थित न्यू बाल युवा संघ झंडाचौक में भब्य सजावट कर मां शारदे का पूजा उत्सव मनाया जा रहा है।

जहां पूजा समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने बताया की यहां के पूजा पंडाल का भव्य सजावट के कारण शनिवार को मां शारदे का प्रतिमा स्थापित कर मुख्य पुजारी सुमित यादव और पंडित चन्द्र शेखर पांडेय के द्वारा पूजा अर्चना करवाकर चार दिन बुधवार तक पूजा उत्सव मनाया जाएगा। क्योंकि प्रखंड में सबसे बेहतर सजावट के वजह से यहां के पूजा पंडाल को देखने के लिए दूर दूर से भी लोगों का आना जाना लगा हुवा है। और यहां इसके बीच रविवार की रात्रि भक्ति गीत संगीत और नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया जार हा है। और सोमवार रात्रि में कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।

और मंगलवार को बालक भोजन और बुधवार की संध्या में मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम रखा गया है। जो पूरे डीजे गाजे बाजे के साथ भव्य जुलूस निकालकर पूरा धुबाडीह और ग्राम पपहरा का भृमण कर गांव के नजदीक तालाब में प्रतिमा को विसर्जित किया जाएगा और यहां लगभग 50 वर्षों से यह पूजा उत्सव मनाया जारहा हैं। वहीं मौके पर पूजा समिति के सदस्य राजेश गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, परवीन यादव, केदार सिंह, पंकज कुमार, शंकर साव, श्रीकांत साव, विवेक साव, मनोज सिंह, बिजय सिंह, गोपाल साव, सुनील सिंह समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

# पेशरार के विकास को लेकर हेमन्त सरकार गंभीर : झामुमो

## झामुमो जिला अध्यक्ष ने पेशरार प्रखंड का किया दौरा

**लोहरदगा :** झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने जिला के सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्र पेशरार प्रखंड का दौरा किया। जहां पेशरार प्रखंड मे झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व कमिटी एवं कार्यकताओं के साथ बैठक कर संगठन गठन पर चर्चा की। मौके पर जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने कार्यकर्तओं एवं पार्टी पदाधिकारियों को संबोधन करते हुए कहा कि आगमी आने वाले 19 फरवरी को पेशरार प्रखंड में बैठक कर झामुमो के कार्यकताओं के बीच प्रखंड कमिटि का सम्मेलन करा कर विस्तार किया जाएगा। जिला अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के अगुवाई में राज्य में विकास रफ़्तार तेज है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जनता को सीधे मिलने वाले 60 से ज्यादा जनकल्याणकारी योजनाओं को राज्य भर में चलाने का कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार पेशरार के विकास को लेकर गंभीर है। सभी पार्टी कार्यकताओं को मिल कर हेमन्त सोरेन सरकार के द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं को घर-घर तक पहुंचा ग्रामीणों को लाभ दिलाने का कार्य करें। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को जान अधिकारियों से मिल निराकरण करने की बात कही। मौके पर केंद्रीय सदस्य उदय भगत, जिला सचिव अनिल उराव, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष विष्णु प्रसाद साहू अरविंद यादव पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सुकरा नगेशिया सचिव सुखराम सिंह दीपक कुमार विश्वास सिंह संजय कुमार मुकेश दीपक उराव आदि उपस्थित थे।

# नवादा में सरस्वती को नम आंखों से दी गई विदाई

**डोमचांच (कोडरमा):** प्रखण्ड अंतर्गत पुरनाडीह पंचायत के ग्राम नवादा सहित सभी ग्रामीण इलाकों व विद्यालय कोचिंग संस्थान में नम आंखों से दिन रविवार को मां की विदाई देते हुए अभिभावक व छात्र- छात्राएं भावुक हो गए। विद्यालय के छात्र छात्राएं मां से विनती किए की मां फिर आप आगामी वर्ष आएंगे और हम सभी विद्यार्थियों को खुशी देकर जाएंगे हे मां कोरोना ने हमें इतना रुलाया यहां तक हमारे विद्यालय के वर्ग में घुसकर बैठा था जिसके कारण 24 महीना तक पठन- पाठन से दूर रहा और जब आपकी आगमन की बारी आई तो पूरे भारत में कोरोना दूर होने लगा बताते चलें कि राजकीय उत्कृमित मध्य विद्यालय नवादा सहित ऊपर टोला बीच टोला नवादा मे शोभायात्रा श्रद्धालु भक्त छात्र-छात्राएं डीजे के भक्ति गानों पर थिरकते नजर आए. बता दें की मां की विदाई देते समय छात्र-छात्राएं भावुक होकर साल में एक बार आती है विद्या देकर जाती है हंस वाहिनी वीणा पानी की जय जयकारा करते हुए वातावरण को शुद्ध किए शोभायात्रा में भारी मात्रा में दर्शक मौजूद थे।

शोभा यात्रा का आयोजन विद्यालय से चल कर धरगांव तालाब में प्रतिमा को विसर्जन किया गया। मौके पर महादेव कुमार दास, रामचंद्र यादव, प्रदीप दास, राजेश यादव, विकाश यादव, पिंटू साव, संतोष साव, रोहित साव, राजेश साव, चरखू यादव सहित दर्जनों भक्तगण के साथ सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

# संघर्ष को जारी रखने से सफलता अवश्य मिलती है : अविनाश देव

**मेदिनीनगर पलामू :** आज दिनांक 5 फरवरी 2022 को मेदिनीनगर शहर थाना परिसर में पलामू पलामू एसपी चंदन सिन्हा द्वारा कराया गया कविता पाठ में चयनित सभी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने की कड़ी में संत मरियम स्कूल के वर्ग सात के छात्र दीपांशु पांडे को बेहतरीन कविता पाठ करने के लिए द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। एसपी से सम्मानित होकर बच्चे बड़े खुश हुए और कविता पाठ को अनवरत जारी रखने के लिए प्रेरित हुए। छात्र की सफलता पर स्कूल के चेयरमैन श्री अविनाश देव ने कहा कि दीपांशु पांडे की सफलता से पूरा स्कूल परिवार गौरवान्वित है ' बदलते परिवेश और माहौल के अनुसार बच्चों को उनकी रूचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में भी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। यह कहते हुए मुझे गर्व हो रहा है कि संत मरियम विद्यालय परिवार बच्चों के सर्वांगीण विकास पर सदैव केंद्रित रहा है। कठिन परिश्रम को अनवरत जारी रखकर छात्र किसी भी मुका म को प्राप्त कर सकते हैं बस आवश्यकता है अपने अंदर के जज्बा और जुनून को जगाने की, श्री देव ने कहा कि स्कूल खुलने के उपरांत स्कूल परिवार की ओर से बेहतर प्रदर्शन हेतु दीपांशु पांडे को सम्मानित किया जाएगा।

## सरस्वती पूजा संपन्न प्रतिमा का हुआ विसर्जन

**बड़कागांव :** बड़कागांव प्रखंड में बसंत पंचमी विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया।ढाई वर्षो के बाद खुले स्कूल कॉलेज व शिक्षण संस्थानों में सरस्वती पूजा को लेकर काफी उत्साह देखी गई। विसर्जन के मौके पर लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया। एवं प्रतिमा के साथ जुलूस निकालकर निकटतम नदी तालाब में मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। तथा नम आंखों से माता सरस्वती को पुन: अगले साल आने को लेकर विदाई दिया गया। बड़का गांव, हरली, बिश्रामपुर, बादम, गोसाई बलिया, महुगाई कला ,तलशवार, सिकरी, चेपाकाला, कांड,तरी सांड, शिवाडीह, बरवाडीह के अलावा कई गांवों में मां सरस्वती की पूजा काफी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ की गई।

## 16 संक्रमित मरीज ने दी कोरोना को मात

**कोडरमा :** कोडरमा जिला मलेरिया पदाधिकारी सह सर्विलांस पदाधिकारी डॉ मनोज कुमार द्वारा बताया कि कोडरमा जिले में 16 संक्रमित मरीज कोरोना को मात देते हुए स्वस्थ हो गये हैं। जिसमें होम आइसोलेशन में रह रहे 15 और डीसीएचसी में भर्ती 01 मरीज स्वास्थ्य हो गये हैं। साथ ही कोरोना जांच में 27 लोग पॉजिटिव पाये गये हैं।

# पुरानी पेंशन व 18 महीने का बकाया दे सरकार

लोहरदगा : झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की बैठक रविवार को समाहरणालय प्रांगण मे हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महेश कुमार सिंह जिला सचिव सह पूर्व राज्याध्यक्ष झारखण्ड राँची ने कहा कि केन्द्र की सरकार हो या झारखण्ड राज्य की ,दोनों गजेटेड-ननगजेटेड कर्मचारी विरोधी है। एक नाग नाथ है तो दूसरा साँप नाथ।क्योंकि भारत सरकार पूँजीपतियों और भगोड़ों को साथ दे 2004 के बाद नियुक्त गजेटेड-ननगजेटेड कर्मचारियों का पेंशन और 18 महीने का डी ए सभी कर्मियों का रोक कर और गरीबों का हक मार-मार कर अड्डानी को एशिया का सबसे बड़ा पूँजीपति बना दिया तो झारखण्ड सरकार प्रोन्नति रोक कर चुनाव के पूर्व वादा कर पुरानी पेंशन नहीं दे रही है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश घनीभूत हो रहा है,जो एक दिन फूटेगा ही। जिसे सरकार संभाल नहीं पायेगी। भारत सरकार 44 लेवर कोड को 4 लेवर कोड बनाकर मात्र भारत में 12 घंटा काम की बात कर रही है, जिसका अनुसरण 17 राज्य सरकारों में सभी भाजपाई सरकार सहित अन्य राज्य सरकार भी कर रही है। इसलिए 28-29 मार्च 2022 को समूचे भारत में राष्ट्र ब्यापी हड़ताल होगी। जिसे सफल बनाने में कर्मचारी हित को दरकिनार करने वाली बीएमएस को छोड़कर सभी ट्रेड युनियनों एवं फेडरेशनों ने अपना कमर कश लिया है,उसमें झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ भी है। बैठक में सेवा सम्पुष्टी, ए सी पी,एम ए सी पी प्रोन्नति,मनरेगा में एवं आवास कार्य में क्षेत्रीय कर्मियों को अनावश्यक बदनाम करने पर रोक,एक ही कर्मी को कई कर्मियों का प्रभार पर रोक ,रिक्त पदों पर कर्मचारियों की बहाली,कोरोना वारियर का लाभ आदि मांगों की पूर्ति के लिए उपायुक्त लोहरदगा से शिष्टमंडल-वार्ता करने का निर्णय लिया गया। बैठक को प्रभु दयाल साहू, महातम यादव,धर्मेन्द्र प्रसाद, बालदेव यादव,मनोज कुमार,रऊफ अंसारी,भैया भगत, महेश कुमार चौहान,किसुन दास,मो0 जफर आलम,देवेन्द्र लाल दास,सुधीर उराँव,उमेश कुमार,मुजफ्फर हुसैन,सच्चिदा शाहदेव आदि ने संबोधित किया तथा सरकार की नीति की आलोचना करते हुए महासंघ को तन- मन' धन से सुदृढ करने का संकल्प लिया। बैठक में आनंद कुमार सिंह,जम्मू उराँव,सूरज कुमार, मो0 रेयाज अहमद, रविन्द्र कुमार बेसरा, अबध किशोर ओझा, श्रीकान्त प्रमाणिक, केश्वर साहू, प्रदीप कुमार आदि शामिल हुए।

# एक नजर

## आकर्षण का केंद्र रहा संत पॉल का पूजा पंडाल

**विश्रामपुर पलामू :** रेहला के संत पॉल पब्लिक स्कूल का डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक पूजा पंडाल व प्रतिमा क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र रहा। इस पूजा पंडाल व प्रतिमा को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आये हुए थे। सारा दिन पंडाल देखने के लिए लोगो का ताँता लगा रहा। स्कूल के निदेशक साइमन मैथ्यू एस्ले ने कहा कि पंडाल व प्रतिमा के निर्माण हेतु बहार से कारीगर बुलाये गए थे। कुशल कारीगरों द्वारा 15 दिनों के अथक प्रयास के बाद यह भव्य पंडाल व प्रतिमा बनाई गई। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन सरस्वती पूजा को हर वर्ष भव्यतम तरीके से मानती है.इसके लिए महीनो तैयारी की जाती है। पूजा के सफल संचालन में प्राचार्य मोनिका एक्का,शिक्षक संजय तिवारी,अयोध्या पांडेय,फरीद अंसारी,प्रति कुमारी,कुमारी सिलम,प्रियंजली कुमारी,गौतम कुमार,नूतन कुमारी सहित स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिका व छात्र-छात्राओं का सहयोग रहा। (6)

## लता मंगेशकर के निधन पर शोक सभा

**विश्रामपुर पलामू :** स्वर कोकिला लता मंगेश्कर निधन की खबर सुनकर रेहला विश्रामपुर के स्थानीय कलाकारों में शोक की लहर दौड़ गई। रेहला सुरभि शास्त्रीय विद्यालय में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जहां स्थानीय कलाकारों ने लता मंगेशकर की आत्मा की शांति खोलें 2 मिनट का मौन धारण कर भगवान से प्रार्थना की। साथ ही उनके प्रति रूम पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। मौके पर विद्यालय के निदेशक संगीत ग्रुप सुभाष कौशिक ने कहा कि उनके निधन से दिल आहत है। लता मंगेशकर के कंठ में साक्षात सरस्वती का वास था अब उनके गीतों के सहारे उनकी यादों को अपने दिलों में बसाए रखेंगे। मौके पर रेहला के सुरभि स्टूडियो के निदेशक संगीत गुरु श्री सुभाष कौशिक, संगीतकार सोंनु कौशिक, उपेंद्र कुमार, सिंटू कुमार, आशीष, संजीव, सुभम, खुशी, पूजा, अभय तिवारी, सहित कई कलाकार उपस्थित थे।

## कोकिला के निधन पर शोक सभा का आयोजन

**विश्रामपुर पलामू :** भारत रत्न स्वर कोकिला के निधन पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की प्रखंड इकाई की ओर से शोक सभा का आयोजन किया गया। जहां महासभा की ओर से दो मिनट का मौन धारण कर आत्मा को शांति मिले भगवान से प्रार्थना की। आयोजित शोकसभा की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर पांडेय ने की। मौके पर श्री पांडेय ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संगीत को उत्कृष्टता प्रदान करने वाली सुर साम्राज्ञी सुश्री लता मंगेशकर के निधन से भारतीय कला जगत को एक अपूर्णीय क्षति हुई है। जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। श्रीप्रभु लता को अपने श्री चरणों में स्थान दें और इस दुःख की घड़ी में परिजनों को कष्ट सहने का साहस दें। मौके पर ब्राह्मण महासभा के संरक्षक गिरेंद्र पांडेय, व्यवसायी संघ के अध्यक्ष विकेश पांडेय, ज्वाला पांडेय, विकी पांडेय, मोहित तिवारी, गोलू ठाकुर, अजीत ठाकुर, उदय ठाकुर आदि लोग मौजूद थे। (15)

## मूर्ति विसर्जन सैकड़ों लोग शामिल रहे

**नावा बाजार पलामू :** नावा बाजार क्षेत्र में सरकारी एवं गैर-सरकारी शिक्षण संस्थानों में करीब 50 जगहों पर मां सरस्वती जी के प्रतिमा रखकर शनिवार को विधिवत पूजा अर्चना के साथ रविवार को सुबह हवन किया। लेकिन रविवार को खर दिन होने करीब दो दर्जन मूर्तियां अभी भी शिक्षण संस्थान में ही पदस्थापित है और करीब दो दर्जन मूर्तियां विभिन्न जगहों से हर्षोल्लास के साथ ढोल, नगाड़े , मांदर के थाप सहित नाचते गाते हुए प्रतिमा को विसर्जन किया गया ।उक्त मौके पर सैकड़ों महिला-पुरुष विसर्जन में शामिल थे ।इस बीच लोग जोर-जोर से नारे भी लगा रहे थे । माता तू भूल न जाना अगले वर्ष जरूर आना । मौके पर सोनु गुप्ता ,पवन गुप्ता, आशीष गुप्ता, मुकेश गुप्ता, छोटे लाल गुप्ता, अर्जुन प्रसाद गुप्ता, सुदर्शन गुप्ता, मनोज बैगा ,अनिल परहिया के साथ सैकड़ों लोग जुलूस में शामिल थे ।

# मिथिला सांस्कृतिक परिषद के पंचांगयुक्त कैलेंडर का विमोचन

**संवाददाता**

**बोकारो :** बोकारो में मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद के विशिष्ट कैलेंडर का विमोचन किया गया। हर साल जारी होने वाला परिषद का कैलेंडर इस बार भी अपने-आप में विशिष्ट है, क्योंकि इसमें अंग्रेजी व हिन्दी तिथि के साथ-साथ मिथिला पंचांग भी समाहित है। परिषद द्वारा नगर के सेक्टर-4ई में संचालित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल स्थित सभागार में इसका विमोचन परिषद के पदाधिकारियों ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार के साथ-साथ उपाध्यक्ष अनिमेष कुमार झा, राजेन्द्र कुमार, महासचिव अविनाश कुमार झा, सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक शंभु झा, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार झा, सहायक सचिव अविनाश झा अवि, सुनील कुमार चौधरी, संगठन सचिव गोविन्द कुमार झा, प्रेस सचिव अरुण पाठक, कैलेंडर के प्रायोजक नीरज इंटरप्राइजेज के निदेशक नीरज चौधरी, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के सचिव रबिन्द्र झा के अलावा बहुरन झा, विजय कुमार झा, श्रीमोहन झा, गंगेश कुमार पाठक, उषा झा, प्रीति राय, कंचन झा, पीके झा चंदन, बाबुल आदि ने संयुक्त रूप से कैलेंडर का विमोचन किया। परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार ने कैलेण्डर के संग्रहण को सराहनीय बताते हुए नवोन्मेषी गतिविधियां जारी रखने तथा अपनी परम्परा-संस्कृति बनाये रखने का संदेश दिया। परिषद के महासचिव अविनाश कुमार झा ने कैलेंडर की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिषद के पूर्व महासचिव हरि मोहन झा के संयोजन में नीरज चौधरी के विशेष सहयोग से प्रकाशित इस कैलेंडर में विभिन्न सुंदर छायाचित्रों के जरिये परिषद द्वारा संचालित विविध प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों, मैथिली साहित्यिक संस्था साहित्य लोक तथा सेक्टर-2 स्थित श्यामा माई मंदिर की गतिविधियों के साथ-साथ मिथिला की गौरवशाली परम्परा, विभूतियों का चित्रण किया गया है।

इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार की माता श्रीमती राम कुमारी देवी व परिषद के वरिष्ठ सदस्य एवं बीएसएल के अवकाश प्राप्त शिक्षक डॉ के सी झा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी।

# लता मंगेशकर के निधन पर बोकारो में चौतरफा शोक

**संवाददाता**

**बोकारो :** भारत रत्न और स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी के निधन की खबर सुनते ही चास-बोकारो में शोक की लहर दौड़ गई। बोकारो में अलग-अलग संस्थाओं ने लता जी के निधन पर शोक प्रकट किया है। इसी क्रम में बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष संजय बैद ने लता जी को असाधारण प्रतिभा की धनी बताते हुए कहा कि मशहूर गायिका लता मंगेशकर जी ने दशकों तक संगीत की दुनिया पर राज किया, आज वह हमारे बीच नहीं रहीं। पर उनकी आवाज युगों-युगों तक हमारे दिलों पर राज करती रहेगी। चेंबर के महामंत्री महेश गुप्ता ने कहा कि अपनी आवाज से मंत्रमुग्ध करने वाली लता जी की आवाज सदा हमारी स्मृति का हिस्सा रहेगी। मनोज चौधरी, अनिल सिंह, प्रदीप सिंह, सिद्धार्थ पारक, राजेश पोद्दार, नरेंद्र सिंह, मंजूर हुसैन जिया, राजकुमार जयसवाल, अनिल गुप्ता, प्रेम कुमार, अमर राय, प्रोफेसर आरडी उपाध्याय, अंजनी कुमार रूपक जगमोहन सिंह, सुभाष जैन आदि ने भी लता जी के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति हेतु चेंबर कार्यालय में 2 मिनट का मौन भी सदस्यों द्वारा रखा गया।

# बोकारो में कलाकारों ने स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

**बोकारो :** भारत रत्न स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन पर बोकारो के कलाकारों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनके निधन को संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। सेक्टर 5 स्थित विहंगम योग संस्थान के सभागार में रविवार की शाम शोकसभा का आयोजन कर कलाकारों ने लता जी को श्रद्धांजलि दी। संभावना की सचिव व गायिका रंजू सिंह ने कहा कि लता जी सभी गायिकाओं के लिए आदर्श रही हैं। वह बचपन से ही उनके गाए गीतों को गाती रही हैं। उनके निधन से वह बहुत मर्माहत हैं। राष्ट्रीय कवि संगम बोकारो के अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध गायक अरुण पाठक ने कहा कि लता मंगेशकर जी सही मायने में भारत रत्न थीं। उनके निधन से भारत ने अपना बेशकीमती रत्न खो दिया है। जिस गरिमा के साथ उन्होंने संगीत की सेवा की, उसके लिए सदैव आदर के साथ याद की जाएंगी। लता जी बेमिसाल हैं। जब तक संगीत है, लता जी अमर रहेंगी। गायक अमरजी सिन्हा ने कहा कि लता जी के जाने से संगीत जगत सूना हो गया है। अपनी गायकी के लिए वह सदैव याद रखी जाएंगी। तबला वादक अरुण कुमार, बलराम मजुमदार, कवि व उद्घोषक पूर्णेन्दु कुमार सिंह ने भी लता जी के बारे में अपने विचार रखे। इस अवसर पर श्रीमोहन झा, उमेश, प्रदीप, अखिलेश आदि उपस्थित थे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी।

# विधायक ने आवास योजना के लिए किया भूमिपूजन

**गोमिया :** गोमिया ब्लॉक आवासीय कालोनी में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, पर्यवेक्षीय, तृतीय व चतुर्थ वर्ग कर्मचारी आवास निर्माण तथा प्रखण्ड परिसर के विकास एवं विविध निर्माण कार्य योजना का भूमिपूजन सह-शिलान्यास गोमिया विधायक डॉ. लम्बोदर महतो ने पूजा-अर्चना कर किया। विधायक डॉ महतो ने जानकारी देते हुए कहा की 5 करोड़ 42 लाख की लागत से भवन निर्माण कार्य किया जाएगा, जिसका भूमिपूजन किया गया है। बता दें कि गोमिया प्रखण्ड कार्यालय के समीप आवसीय कालोनी में कर्मचारी आवास का निर्माण वर्षो पूर्व हुआ था और अब उन आवासों की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है। कई कर्मचारी दूसरी जगह किराये पर रह रहे हैं। आवास बन जाने से कर्मचारियों को सहूलियत होगी। मौके पर बीडीओ कपिल कुमार, प्रखंड प्रमुख गुलाबचंद हांसदा, निवर्तमान मुखिया शांति देवी, पंचायत समिति सदस्य मालती देवी, उपमुखिया एकरामुल हक, बीस सूत्री सदस्य पंकज पाण्डेय, विधायक प्रतिनिधि विपिन कुमार, रोजगार सेवक विनय गुरु, मोहन कुमार, खुशीर्दा बानो, शालिनी जायसवाल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## स्वर कोकिला को चास में भी दी गई श्रद्धांजलि

**चास :** स्वर कोकिला और भारत रत्न, लता मंगेशकर के निधन पर जन संघर्ष मोर्चा के धर्मशाला मोड़, चास स्थित कार्यालय में एक शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष विक्रम महतो ने कहा कि लता मंगेशकर की आवाज अमर रहेगी.., हमारे त्योहारों में, हमारे संस्कारों में, हमारे शुभ कार्यों में, हमारी सीमाओं पर, हमारी वंदना में, हमारी आराधना में, भावों की अभिव्यक्ति मेंð, हर जगह, सर्वत्र, आपके स्वर से यह देश सदा गुंजायमान रहेगा लताजी। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से राजदेव माहथा, करमचंद गोप, डी के त्रिवेदी, गोपाल साह, साधन मंडल, जवाहर सिंह चौधरी, मंजु देवी, गणेश दत्ता, सुदर्शन सिंह, मुबारक अंसारी, बिरंची सिंह चौधरी, बंशीधर माहथा, कारु साव, सहित चास, बोकारो के कला प्रेमी दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

# सरकारी उपक्रमों को गर्त में धकेल रही केन्द्र सरकार : प्रदीप बलमुचू

**संवाददाता**

**चंदनकियारी :** सरकार में पारदर्शिता के लिए भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने व संगठन की मजबूती के लिए गांव व प्रखंडस्तरीय कार्यकताओं का सम्मान अतिआवश्यक है, जो कांग्रेस संगठन के विस्तार के साथ ही मौकापरस्त भाजपा को पछाड़ने में मददगार साबित होगी। उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप कुमार बालमुचू ने चंदनकियारी स्थित कांग्रेस कार्यालय में कार्यकत्ताओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि गांव व प्रखंडस्तर के कार्यकताओं का कार्यक्षेत्र अंचल कार्यालय व प्रखंडस्तर तक ही सीमित है, जहां आमजनों के जनहित से जुड़े मुद्दों के समाधान का प्रमुख पटल है, परंतु जब अंचल-प्रखंड के अधिकारी-कर्मी ही उन्हें तबज्जो नही दें तो उनका संगठन से विश्वास कम होकर मनोबल टूटता है।

उन्होंने कहा कि पार्टी प्रभारी की उपस्थिति में होने वाली प्रदेश स्तरीय चिंतन-शिविर में उक्त मुद्दों पर गंभीरता से विचार मंथन किया जाएगा, ताकि कार्यकताओं को संगठन से लेकर सरकार तक तबज्जो दे।

साथ ही कहा कि देश की आजादी के बाद कांग्रेस ने ही देश को संवारा व यहां उद्योग-धंधों की स्थापना के अलावे निजी क्षेत्र के कोलियरी से लेकर अन्य कई उपक्रमों का राष्ट्रीयकरण कर लोगों को रोजगार मुहैया कराया।

अब केंद्र की भाजपा सरकार लोगों को बेरोजगार करने के लिए सरकारी उपक्रमों को निजी हाथों में बेचकर देश को गर्त में धकेल रही है, जिससे सावधान होने की जरूरत है। मौके पर पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष सह- जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल, अजीत सिंह चौधरी, बिरंची महथा, जलेश्वर दास, तूफान साहनी, काशिम काजी, बलराम रवानी, सुभाष झा, महाराज महथा, निर्मल दे, दिलीप यादव, लतीफ अंसारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

# युवक ने किया अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन

**बोकारो :** विद्या की देवी मां सरस्वती के अवतरण दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास केंद्र से 2 वर्षीय डिप्लोमा धारक प्रेम कुमार ने माता सरस्वती की प्रतिमा ह्वेल मछली के मुंह में स्थापित कर अपनी अभियंत्रण क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन किया है। प्रेम कुमार फिलहाल आईटीआई का छात्र है, जो बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। बावजूद इसके विगत कई वर्षों से इस पूजा के माध्यम से अपनी अभियंत्रण क्षमता को प्रदर्शित करता आ रहा है। बोकारो स्टील प्लांट में ठेका मजदूर के रूप में वेल्डर का कार्य करने वाले बघराय बेड़ा निवासी महेश कुमार साह के प्रथम पुत्र प्रेम कुमार विगत कई वर्षों से ढांचा के माध्यम से इंजीनियरिंग की अद्भुत कला प्रस्तुत करता आ रहा है। इसी क्रम को बढ़ाते हुए इस वर्ष प्रेम ने सार्क (व्हेल) मछली की आकृति बनायी है, जिसके अंदर मां सरस्वती की प्रतिमा रखी हुई है। इस आर्किटेक्ट (ढांचा) को बनाने में प्रेम को करीब करीब 30 से 45 दिन लग गए। उन्होंने कहा कि गुड़गांव स्थित मारुति सुजुकी से डिप्लोमा करने के उपरांत वह छुट्टी में बोकारो आए हुए हैं, परंतु अफसोस की बात यह है कि वह नौकरी के लिए दर-दर भटकने को भटकने को मजबूर है।

# विधायक ने किया बोकारो थर्मल में दो योजनाओं का शिलान्यास

**बोकारो थर्मल :** बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने बोकारो थर्मल गोविंदपुर डी पंचायत स्थित जनता नगर में पीसीसी पथ निर्माण को लेकर विधायक मद से दो योजनाओं का शिलान्यास किया। पहली योजना के तहत जनता नगर स्थित मो यासीन के घर से खिरोधर महतो के आवास तक तथा दूसरी योजना के तहत संजय प्रसाद के घर से संजीत झा के घर तक पीसीसी पथ के निर्माण को लेकर फीता काटकर तथा नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। मौके पर बेरमो बीस सूत्री के अध्यक्ष सह प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद सिंह, जोगेंद्र गिरि, रिंकू सिंह, हंसराज प्रसाद, अली इमाम, धर्मेंद्र सिंह, संजय सिंह, बिनोद कुमार साहू, पंचायत के उप मुखिया संतोष दूबे, अरविंद कुमार पासवन, सुरेश कुमार, छोटी, विकास कुमार, अशोक प्रसाद, रईस, राजेश सिंह, कुंदन कुमार सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

# गोमिया में पत्रकार संघ का गठन

**गोमिया :** गोमिया के बैंक मोड़ स्थित पलिहारी गुरुडीह पंचायत भवन में रविवार को गोमिया प्रखंड के पत्रकारों की एक बैठक कुलदीप कुमार की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में पत्रकारों में आपसी सामंजस्य स्थापित करने को लेकर गोमिया में पत्रकारों का एक संगठन बनाने के लिए आम सहमति बनी और सर्वसम्मति से गोमिया पत्रकार संघ का गठन किया गया। इसके सरंक्षक नागेश्वर कुमार, अध्यक्ष कुलदीप कुमार, उपाध्यक्ष प्रशांत सिन्हा व जितेंद्र अग्रवाल, सचिव अंनत कुमार, उप सचिव संजय रवानी व अनिल महतो, कोषाध्यक्ष राजकुमार स्वर्णकार, उप कोषाध्यक्ष अमिताभ सिन्हा, कार्यालय प्रभारी कहकशां बेगम व ओमकार नाथ मिश्रा सहित कार्यकारिणी सदस्यों में बंटी खनूजा, बॉबी राज, महाबीर रविदास, रौशन प्रमाणिक, सुभाष कुमार, शशिकांत, दीपक पासवान, पंकज पांडेय, रिंकू कान्दू, संजय कान्दू, जितेन्द्र पासवान, प्रवीण कुमार चुने गए।

# जैन समाज के संस्थापक इन्दर चन्द जैन का हुआ सम्मान

**संवाददाता**

**बोकारो :** चास-बोकारो जैन समाज के संस्थापक एवं वरिष्ठ सदस्य 97 वर्षीय इन्दर चन्द जैन के सम्मान में समाज के सदस्यों द्वारा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्हें अभिनंदन पत्र, शॉल, माला और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

समाज के अध्यक्ष डॉक्टर महेंद्र कुमार जैन ने कहा कि बोकारो दिगंबर जैन मंदिर के स्थापना काल से ही बाबूजी का सहयोग तन-मन-धन से रहा है। हमारे जैन समाज के वयोवृद्ध धर्म के तपस्वी बाबूजी का आशीर्वाद समाज के सभी सदस्य को निरंतर रहा है। कई साधु संत संघ की व्यवस्था में साथ रहे हैं। पारसनाथ तीर्थक्षेत्र विकास में भी बढ़-चढ़ कर उन्होंने भूमिका निभाई है। जैन मिलन के अध्यक्ष बजरंग लाल चोरड़िया ने उनके सम्मान में कहा सन 1970 में जैन मिलन केन्द्र की स्थापना में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सम्मान समारोह में बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि बाबूजी के द्वारा मुझे समय-समय पर मार्गदर्शन मिलता आया है। समाज के गणमान्य व्यक्तियों में काकू भाई सेठ, किशन रिटोरिया, अनिमेष जैन, राजेश कोठारी, सज्जन जैन, प्रोफेसर किरन बाटबीया, अनीश जैन, विकास, संजय, विमल, कमल, डॉ आकाश जैन, पीयूष जैन, महिला समिति से विनीता, सरला पहाड़िया,,रश्मि, कमला जैन, भारती जैन, रजनी, कविता, रीना जैन, कामिनी जैन आदि महिलाएं उपस्थिति थीं।श्री दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर-2 बोकारो में प्रातः समाज के द्वारा बाबूजी के दीघार्यु, स्वस्थ एवं निरोगी रहने हेतु सामूहिक पूजा-अर्चना की गई। अंत में समाज के मंत्री श्यामसुन्दर जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

# हिन्दी साहित्य परिषद में सरस्वती पूजा एवं पौधरोपण

**बोकारो थर्मल :** बोकारो थर्मल स्थित हिन्दी साहित्य परिषद कार्यालय में पंडित उमाकांत पांडेय ने मंत्रोच्चार के साथ विद्या की अधिष्ठात्री माता सरस्वती की पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही इस अवसर पर वृक्षरोपण भी किया गया। पूजा में डीवीसी सीएसआर के वरीय प्रबंधक अशोक कुमार तिवारी, दीनानाथ शर्मा, राजेश्वर प्रसाद सिंह, ईस्माइल मियां, सत्यजीत कुमार सिन्हा, मदन मोहन मुरारी सिंह, अनिल कुमार मिश्रा, अभिनव कुमार, शरद निगम, डॉ सुमन कुमार झा, दिनेश कुमार पांडेय, कृष्ण मुरारी, सुबोध प्रसाद चौधरी, मनोज कुमार गोराई, बिनोद कुमार सिंह, ब्रज बिहारी चौधरी, धीरेंद्र कुमार, अनिल कुमार, अर्जुन कुमार, सुनील कुमार कर्ण, जयंत कुमार पांडेय आदि लोगों ने भाग लिया। दिनेश कुमार पांडेय को परिषद की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्मृति चिह्न के द्वारा सम्मानित किया गया। डीवीसी सीएसआर के वरीय प्रबंधक ने मौके पर परिसर में पौधारोपण भी किया।

# भारतीय क्रिकेट टीम ने लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

**अहमदाबाद, 6 फरवरी :** वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जा रहे पहले एकदिवसीय मैच में भारतीय खिलाड़ी महान गायिका लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बांह पर काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ट्विट किया, भारत रत्न लता मंगेशकर जी को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम आज बांह पर काली पट्टी बांधे हुए है। लता जी रविवार की सुबह अपने स्वर्गीय निवास के लिए निकलीं। संगीत की रानी, लता दीदी को क्रिकेट से प्यार था, उन्होंने हमेशा क्रिकेट और टीम इंडिया का समर्थन किया। भारत रत्न लता मंगेशकर का रविवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें 8 जनवरी कोरोना और निमोनिया से संक्रमित होने पर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह कोरोना संक्रमण से उबर चुकीं थी, हालांकि शनिवार को स्थिति खराब होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। लता मंगेशकर की याद में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। सम्मान के तौर पर दो दिनों तक राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। (33)

## बीसीसीआई सचिव जय शाह ने लता मंगेशकर के निधन पर किया शोक व्यक्त

**नई दिल्ली, 6 फरवरी :** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने रविवार को महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शाह ने ट्वीट किया, लता दीदी में अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति और अपनी मधुर आवाज के साथ सभी को भाव-विभोर करने और कई तरह की भावनाओं को सामने लाने की शक्ति थी। उन्होंने क्रिकेट में गहरी रुचि ली और अपने तरीके से योगदान दिया। यह सच है कि वह अब हमारे बीच नहीं हैं, यह एक अपूर्णीय क्षति है। भारत रत्न लता मंगेशकर का रविवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें 8 जनवरी कोरोना और निमोनिया से संक्रमित होने पर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह कोरोना संक्रमण से उबर चुकीं थी, हालांकि शनिवार को स्थिति खराब होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। बता दें कि लता मंगेशकर की याद में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। सम्मान के तौर पर दो दिनों तक राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

## कोहली, सहवाग और धवन ने लता मंगेशकर के निधन पर जताया शोक

**नई दिल्ली, 6 फरवरी :** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली, पूर्व क्रिकेटर वीरेन्द्र सहवाग और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने रविवार को महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। भारत रत्न लता मंगेशकर का रविवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें 8 जनवरी कोरोना और निमोनिया से संक्रमित होने पर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

वह कोरोना संक्रमण से उबर चुकीं थी, हालांकि शनिवार को स्थिति खराब होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कोहली ने मंगेशकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मंगेशकर की सुरीली आवाज ने दुनिया भर के लाखों लोगों के दिलों पर राज किया है। कोहली ने ट्वीट किया, लता जी के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। उनके मधुर गीतों ने दुनिया भर में लाखों लोगों के दिलों को छुआ। अच्छे संगीत और यादों के लिए धन्यवाद। परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी लता मंगेशकर के परिवार के प्रति 'हार्दिक संवेदना' व्यक्त की। सहवाग ने ट्वीट किया, भारत की कोकिला, एक आवाज जो गूंजती थी, तो दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए खुशी लेकर आती थी। उनके परिवार और प्रशंसकों के लिए हार्दिक संवेदना।

ओम शांति। भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने ट्विट किया, आपके संगीत ने हमारी आत्मा को छू लिया और हमें मुस्कुराने का मौका दिया। लता मंगेशकर जी, आपकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। बता दें कि लता मंगेशकर एक भारतीय पार्श्व गायिका और सामयिक संगीतकार थीं, और उन्हें उनकी मधुर आवाज के लिए द नाइटिंगेल ऑफ इंडिया के रूप में जाना जाता था। 28 सितंबर, 1929 को जन्मी, लता मंगेशकर ने 1942 में 13 साल की उम्र में गायन में कदम रखा। सात दशकों से अधिक के करियर में, उन्होंने एक हजार से अधिक हिंदी फिल्मों के लिए गाने रिकॉर्ड किए।

## विश्व कप खिताब उठाना शानदार अहसास : राज

**सेंट जॉन्स, 6 फरवरी :** हरफनमौला खिलाड़ी राज बावा ने अंडर 19 विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा कि विश्व कप खिताब उठाना वास्तव में शानदार अहसास है। भारत ने शनिवार को यहां सर विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड पांचवां अंडर-19 विश्व कप खिताब अपने नाम किया।

यश ढुल की अगुवाई वाली टीम ने फाइनल में थ्री लायंस को चार विकेट से हराया। इससे पहले, भारत ने 2000, 2008, 2012 और 2018 में अंडर-19 विश्व कप जीता था। मैच के बाद बावा ने कहा, हमेशा किसी भी खेल को जीतना विशेष होता है, लेकिन फाइनल में ऐसा करना एक शानदार एहसास है। हमने बस उन योजनाओं को अंजाम दिया, जिन पर हमने कोच और कप्तान के साथ चर्चा की। इस बीच, खिताबी मुकाबले में चार विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज रवि कुमार ने कहा कि मैच में उनका 'पसंदीदा' विकेट जैकब बेथेल का था। उन्होंने कहा, कोच मुझसे कहते रहे कि मैं अपने मूल पर रहूं और नतीजों की चिंता न करूं।

योजना टाइट लाइन और लेंथ बनाए रखने की थी। गेंद थोड़ी चिपकी हुई थी और कुछ मूवमेंट करने के लिए मेरा लक्ष्य फुल लेंथ पर गेंदबाजी करना था। आज मेरा खेल का पसंदीदा विकेट जैकब बेथेल का पहला विकेट था। खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम 44.5 ओवर में 189 रन पर ऑलआउट हो गई। जेम्स रियू ने सबसे ज्यादा 95 रन बनाए। वहीं, भारत की ओर से राज बावा ने पांच और रवि कुमार ने चार विकेट झटके। जवाब में भारत ने 47.4 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की ओर से निशांत सिंधू 50 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, शेख रशीद ने भी 50 रन की पारी खेली। दिनेश बाना ने 48वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

## अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के प्रत्येक खिलाड़ियों को 40 लाख रु देगी बीसीसीआई

**नई दिल्ली, 6 फरवरी :** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर-19 पुरुष विश्व कप 2022 का खिताब जीतने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। साथ ही बीसीसीआई ने टीम के प्रत्येक खिलाड़ियों को 40 लाख रूपए नकद देने की घोषणा की है। इसके अलावा सपोर्ट स्टाफ के प्रत्येक सदस्यों को भी 25 लाख रुपए बतौर पुरस्कार दिये जाएंगे। बता दें कि भारत ने अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया और पांचवीं बार खिताब अपने नाम किया। इससे पहले टीम इंडिया 2000, 2008, 2012 और 2018 में विश्व कप जीत चुकी है। वहीं, 2006, 2016 और 2020 में भारतीय टीम को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम 44.5 ओवर में 189 रन पर ऑलआउट हो गई। जेम्स रियू ने सबसे ज्यादा 95 रन बनाए। वहीं, भारत की ओर से राज बावा ने पांच और रवि कुमार ने चार विकेट झटके। जवाब में भारत ने 47.4 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की ओर से निशांत सिंधू 50 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, शेख रशीद ने भी 50 रन की पारी खेली। दिनेश बाना ने 48वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भारतीय टीम को बधाई देते हुए कहा, मैं भारत की अंडर-19 टीम को पांचवां विश्व कप जीतने के लिए बधाई देता हूं। वे सभी विभागों में प्रभावशाली थे। उनका ऑन-फील्ड प्रदर्शन शानदार था, टीम ने कई खिलाड़ियों के संक्रमित होने के बावजूद मजबूती से वापसी करने के लिए धैर्य, दृढ़ संकल्प और साहस दिखाया। मैंमुख्य कोच हृषिकेश कानितकर के साथ उनके कोचिंग ग्रुप के सदस्यों, सहयोगी स्टाफ और वीवीएस लक्ष्मण (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट हेड) द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना करता हूं, - जिस तरह से उन्होंने टीम का मार्गदर्शन किया वह बेहतरीन था।

गांगुली ने आगे कहा, चयनकताओं ने क्रिकेटरों के व्यापक पूल में से सही टीम चुनने में बहुत अच्छा काम किया है। लड़कों के आगे उनका करियर लंबा है और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, मैं इस अवसर पर अपनी विजयी भारत की अंडर-19 टीम को शुभकामनाएं देता हूं। टीम ने मैदान पर अपार कौशल का प्रदर्शन किया और कोविड के प्रकोप के बीच साहस दिखाया। अंडर-19 विश्व कप के इतिहास में भारत सबसे सफल पक्ष है और पांचवां खिताब हमारे आयु वर्ग के क्रिकेटरों के लिए हमारे पास मौजूद मजबूत प्रणाली और संरचना का एक वसीयतनामा है। उन्होंने आगे कहा, अखिल भारतीय जूनियर चयन समिति की सराहना की जानी चाहिए कि उसने बहुत सारे विकल्पों के साथ एक ऑल-राउंड टीम चुनी है। मुख्य कोच षिकेश कानितकर के नेतृत्व में टीम प्रबंधन बधाई का पात्र है और भारत के महान वीवीएस लक्ष्मण की उपस्थिति ने उस समय एक बड़ा प्रभाव डाला जब टीम संकट से गुजर रही थी।

## भारतीय टीम ने रचा इतिहास पूरे किये 1000 अंतरराष्ट्रीय मैच

**अहमदाबाद, 6 फरवरी :** भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने आज यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मुकाबले में अपने 1000 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किया। यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत पहला देश है। इससे पहले खेले गए 999 एकदिवसीय मैचों में भारत के खाते में 518 जीत और 431 हार हैं। भारत ने अपना 500वां मैच 2002 में खेला था और दो दशक बाद अब टीम 1000 एकदिनी मैच खेलने के मील के पत्थर तक पहुंच गई है। भारत के 100वें एकदिनी में कपिल देव कप्तान थे जबकि सौरव गांगुली ने 500वें एकदिनी में टीम का नेतृत्व किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने 958 मैचों के साथ दुनिया में दूसरा सबसे अधिक एकदिनी खेला है, जबकि पाकिस्तान ने 936 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इंग्लैंड 50 ओवर के प्रारूप में 761 मैच खेलने के बाद सूची में सातवें स्थान पर है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच चल रहे एकदिनी मुकाबले में रविवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। समाचार लिखे जाने तक वेस्टइंडीज ने 6 ओवर में 1 विकेट पर 28 रन बना लिए हैं।

## प्रो कबड्डी लीग : हरियाणा स्टीलर्स ने जयपुर पिंक पैंथर्स को हराया

**बेंगलुरु, 6 फरवरी :** हरियाणा स्टीलर्स ने शनिवार रात बेंगलुरु में जारी प्रो कबड्डी लीग सीजन-8 में जयपुर पिंक पैंथर्स को 35-28 से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा। एक समय यह मैच काफी रोचक मोड़ पर था लेकिन कप्तान विकाश कंडोला ने एक बार फिर आगे बढ़कर नेतृत्व किया सुपर-10 के साथ अपनी टीम की रोमांचक जीत के नायक बने। हरियाणा स्टीलर्स ने कप्तान विकाश कंडोला के रेड प्वाइंट के साथ अच्छी शुरूआत की। विकाश ने दो मिनट बाद एक और सफल रेड पूरा करके चौथे मिनट में स्कोर 3-3 कर दिया। अपने तीसरे सफल रेड के साथ, विकाश कंडोला ने एक मिनट बाद ही हरियाणा स्टीलर्स को 4-3 की बढ़त दिला दी। 10वें मिनट में हरियाणा स्टीलर्स ने जयपुर पिंक पैंथर्स को ऑल आउट कर 11-7 की बढ़त बना ली। घड़ी पर 5 मिनट शेष रहते हुए, आशीष नरवाल ने दो टच प्वाइंट प्राप्त किया। मोहित ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में एक सफल टैकल अर्जित किया और हरियाणा स्टीलर्स ने 18-14 की बढ़त के साथ पहला हाफ समाप्त किया। दूसरे हाफ में हरियाणा स्टीलर्स की शुरूआत धीमी रही, लेकिन विकाश कंडोला ने 23वें मिनट में सफल रेड करके अपनी टीम की बढ़त 20-16 कर दी। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अगले मिनट में विकाश कंडोला पर एक सफल सुपर टैकल के साथ अंतर कम करने में कामयाबी हासिल की और 25वें मिनट तक स्कोर 20-20 से बराबर कर दिया। मोहित ने हालांकि 29वें मिनट में एक सफल टैकल पॉइंट हासिल किया जिससे हरियाणा स्टीलर्स अपनी बढ़त फिर से हासिल करने में सफल रही। विकाश कंडोला 31वें मिनट में रेड के प्रयास में असफल रहे और 31वें मिनट में स्कोर 23-23 से फिर बराबर हो गया। हरियाणा स्टीलर्स के मोहित ने 35वें मिनट में एक सफल टैकल हासिल किया और स्कोर 26-26 के बराबर रहा। पांच मिनट का समय बचा था। दो मिनट शेष रहने पर, विकाश कंडोला ने रेड पर जाकर एक बोनस अंक अर्जित किया और हरियाणा स्टीलर्स ने फिर से बढ़त बनाकर इसे 29-27 कर दिया।

## राष्ट्रीय स्कीइंग चैंपियनशिप की तैयारियां पूरी

**औली/जोशीमठ, 06 फरवरी :** विश्व विख्यात हिमक्रीड़ा केन्द्र औली में सोमवार 7 फरवरी से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्कीइंग और स्नो बोर्ड चैम्पियनशिप की तैयारियां पूरी हो गई हैं। कोरोना काल के बाद औली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता को लेकर आयोजन समिति और शीतकालीन खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है। चैम्पियनशिप में प्रतिभाग करने वाली टीमें देर सायं तक औली पहुंचेंगी। जीएमवीएन द्वारा स्कीइंग स्लोप के दोनों ओर नेट (जाली) लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। रोप वे प्रोजेक्ट की मशीनें एवरेस्ट, स्नो बीटर, व अन्य हल्की मशीनों द्वारा स्कीइंग की ढलानों को समतल किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर की इस चैम्पियनशिप में विभिन्न प्रदेशों की 16 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

## आईएसएल : जीत की हैट्रिक से बेंगलुरू तीसरे स्थान पर पहुंची

**गोवा, 6 फरवरी :** क्लीटन सिल्वा के दो और कप्तान सुनील छेत्री के रिकॉर्ड गोल से बेंगलुरू एफसी ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 जीत की हैट्रिक लगाई। बेंगलुरू ने शनिवार रात बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए लीग मैच में जमशेदपुर एफसी को 3-1 से हराकर अपने प्रतिद्वंद्वी को जीत की पटरी से उतार दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए बेंगलुरू के मिडफील्डर ब्रुनो सिल्वा को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया। अपनी छठी जीत से बेंगलुरू अंक तालिका में चौथे से तीसरे स्थान पर आ गई है। कोच मार्को पेजैउओली की टीम 15 मैचों में छह जीत और पांच ड्रा से 23 अंक हासिल कर चुकी है। वहीं, अपनी तीसरी हार से जमशेदपुर का लगातार तीन जीतों का सिलसिला खत्म हो गया और वो एक स्थान लुढ़क कर चौथे स्थान पर आ गई है। कोच ओवेन कोयले की टीम ने 13 मैचों में छह जीत और चार ड्रा से 22 अंक बटोरे हैं। मैच का पहला गोल पहले ही मिनट में आया, नाईजीरियाई स्ट्राइकर डैनियल चीमा चुक्वु ने जमशेदपुर एफसी को 1-0 की शुरूआती बढ़त दिलाई। हाफ लाइन के बायीं तरफ से ब्राजीली डिफेंसिव मिडफील्डर एलेक्स लीमा ने पराग श्रीवास को छकाने के बाद गेंद लेकर तेजी से बढ़े और बॉक्स के अंदर बोरिस सिंह को थ्र-पास दिया। इसके बाद विंगर बोरिस ने बायीं तरफ से क्रॉस डालकर चुक्वु के लिए अवसर बनाया। चुक्वु ने बेंगलुरू के दो डिफेंडरों रोशन सिंह नाओरेम और एलेन कोस्टा को छकाते हुए दाहिने पैर से गेंद को गोलपोस्ट के अंदर डाल दिया। गुरुवार को 30वां जन्मदिन मनाने वाले गोलकीपर गुरप्रीत संधू के पास कोई मौका नहीं था जबकि चुक्वु ने समरसोल्ट मारकर अपने मैच के 46वें सेकेंड में दागे अपने गोल का एक्रोबैटिक जश्न मनाया। 55वें मिनट में कप्तान सुनील छेत्री के गोल से बेंगलुरू 1-1 की बराबरी पर आ गई। दाहिने फ्लैंक पराग श्रीवास ने बॉक्स के अंदर थ्रो-इन डाला, जिस पर ब्रूनो रामिरेज ने हैडर से गेंद छेत्री तक पहुंचाई और उन्होंने दाहिने पैर से गेंद को गोलपोस्ट के अंदर डाल दिया। सुनील ने हीरो आईएसएल में अपना 49वां गोल करके फेर्रान कोरोमिनास को पीछे छोड़ दिया है और अब वह हीरो आईएसएल के टॉप स्कोरर की सूची में शीर्ष पर चल रहे बाथोलोमेव ओग्बेचे की बराबरी पर आ गए हैं।

## हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने कोच्चि ब्ल्यू स्पाइकर्स को हराया

**हैदराबाद, 6 फरवरी :** हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने लगातार चार सेट जीतते हुए रुपे प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के पहले सीजन के उद्घाटन मुकाबले में शनिवार रात अपनी विजयी शुरूआत की। हैदराबाद ने स्पाइकिंग और ब्लॉकिंग में शानदार खेल दिखाते हुए पहले सीजन के उद्घाटन मैच में यहां गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में कोच्चि ब्ल्यू स्पाइकर्स को 4-1 (15-12, 15-11, 15-11, 15-10, 13-15) से मात दी। हैदराबाद हालांकि अंतिम सेट हारने के कारण बोनस प्वाइंट नहीं ले पाई। रोहित को मैन आफ द मैच चुना गया। उद्घाटन मुकाबले के पहले सेट में कोच्चि द्वारा बढ़त लेने के बाद हैदराबाद ने 4-4 की बराबरी हासिल कर ली। इसके बाद उसने लगातार तीन प्वाइंट लेकर 9-8 की लीड बना ली। ब्लैक हॉक्स ने आगे भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बेहतरीन स्पाइक के साथ पहला सेट 15-12 से जीत लिया। दूसरे सेट में एक समय दोनों टीमें 8-8 से बराबरी पर थी। कोच्चि ने दूसरे सेट में अपना सुपर प्वाइंट गंवा दिया और हैदराबाद ने सुपर ब्लॉक के जरिये 10-8 की लीड बना ली। ब्लैक हॉक्स ने यहां से अपनी उड़ान जारी रखते हुए 14-10 की लीड बनाई और फिर दूसरा सेट भी 15-11 से जीतकर मैच में 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में भी हैदराबाद ने 9-5 के साथ चार प्वाइंट की बढ़त बनाई। कोच्चि को इस हाफ में भी सुपर प्वाइंट के लिए जोखिम उठाना पड़ा और इस बार भी ये उसके हक में नहीं रहा। 11-14 पर कोच्चि के कप्तान कार्तिक ने सर्विस की लेकिन वे प्वाइंट नहीं बचा पाए। हैदराबाद ने फिर 15-11 से तीसरा सेट भी जीतकर 3-0 से मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया। हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने तीसरा सेट जीतते ही दो प्वाइंट जीत लिए और दो अगले दो सेट में उसकी कोशिश एक बोनस प्वाइंट लेने की थी। चौथे सेट में 6-6 से बराबरी के बाद हैदराबाद ने इस सेट में भी क्रेड सुपर प्वाइंट लेने की घोषणा की और टीम ने इसे भुनाया भी। यहां से हैदराबाद ने तीन प्वाइंट की लीड बना ली और उसने लगातार दो सुपर प्वाइंट जीतकर चौथा सेट भी 15-10 से जीत लिया और मुकाबले में 4-0 की बढ़त बना ली। पांचवें और आखिरी सेट में भी दोनों टीमें एक समय 5-5 की बराबरी पर थी। कोच्चि ने अंतिम सेट में जाकर सुपर प्वाइंट भुनाया। लगातार छह प्वाइंट लेने के बाद कोच्चि ने अपनी बढ़त कायम रखते हुए 15-13 से इस मैच में अपना पहला सेट जीता। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसे पहले ही मुकाबले में हार झेलनी पड़ी।

## चीनी ताइपे को हराकर वियतनाम ने फीफा महिला विश्व कप का टिकट कटाया

**नवी मुंबई, 6 फरवरी :** वियतनाम ने रविवार को यहां नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए अपने प्लेऑफ मुकाबले में चीनी ताइपे को 2-1 से हराकर पहली बार फीफा महिला विश्व कप 2023 में अपनी जगह बना ली। वियतनाम के लिए चेउंग थियू कियू ने सातवें और एनगुयेन थि बिच थूय ने 56वें मिनट में गोल दागे। वहीं, चीनी ताइपे के लिए सू हेइ सुआन ने दूसरे हाफ में एकमात्र गोल किया। वियतनाम ने इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सह मेजबानी में 2023 में होने वाले फीफा महिला विश्व कप के लिए प्रवेश कर लिया। इस हार के बाद चीनी ताइपे को अब इंटर-कन्फेडरेशन प्लेऑफ में थाईलैंड के साथ खेलना होगा और वहां जीतने के बाद टीम 31 साल में पहली बार फीफा महिला विश्व कप में खेलने का टिकट हासिल कर लेगी। शुक्रवार को थाईलैंड को 3-0 से हराने वाली चीनी ताइपे को वियतनाम के खिलाफ एक केवल एक ड्रॉ की जरूरत थी। वियतनाम ने मुकाबले में आक्रामक शुरूआत की और चीनी ताइपे को डिफेंस करने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन सातवें मिनट में ही चीनी ताइपे का डिफेंस टूट गया और वियतनाम ने चेउंग थियू कियू के गोल की मदद से अपना खाता खोल लिया।

# मोदी ने शिवाजी पार्क पहुंच कर लता को दी श्रद्धांजलि

**मुंबई :** स्वर कोकिला लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देने के लिये रविवार शाम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुंबई पहुंचे। जहां शिवाजी पार्क जाकर उन्होंने लता मंगेशकर के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया और अंत्येष्टि में शामिल हुये। यहां राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने रविवार सुबह उनके निधन के बाद अपने राजनीतिक कार्यक्रम रद्द कर मुंबई जाने का फैसला किया। महाराष्ट्र के राज्यपाल ने उनके आगमन के बारे में ट्वीट कर जानकारी दी थी। मुंबई के शिवाजी पार्क में भारत रत्न लता मंगेशकर को अंतिम विधाई दी जा रही है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे समेत सभी राजनेता और अन्य गणमान्य हस्तियां मौजूद हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन चौपाल कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुये कहा था कि आज हमारी लता दीदी हमें छोड़ कर चली गईं। उनके कंठ को मां सरस्वती का आशीर्वाद था। उनके जैसे अनेक लोग गर्व से कहेंगे कि लता दीदी को उन्होंने करीब से देखा है। दुनिया भर में लता दीदी के चाहने वाले हैं और इस खालीपन को कभी भरा नहीं जा सकेगा।

# वे भय का निर्माण करते थे, हम भविष्य का : मोदी

नई दिल्ली, 06 फरवरी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में कानून व्यवस्था पर जनता के भरोसे का उल्लेख करते हुये कहा कि पहले की सरकारें भय निर्माण में जुटी थी। भय निर्माण करना उनका काम था। आज हम भविष्य का निर्माण कर रहें हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि उप्र के लोगों ने दो टूक कह दिया है कि कुछ लोग धन-दौलत, बाहुबल, जातिवाद और सांप्रदायिकता के दम पर कितनी भी राजनीति कर लें, लेकिन उन्हें लोगों का प्यार नहीं मिल सकता। जनता का आशीर्वाद तो उसे ही मिलेगा, जो सेवा भावना से लोगों का विकास करेंगे। वे उत्तर प्रदेश के मथुरा, आगरा और बुलंदशहर के मतदाताओं को जन-

चौपाल कार्यक्रम के जरिए वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत भारत-रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि के साथ की। उन्होंने पूर्व नियोजित कार्यक्रम का हवाला देते हुये कहा कि आप लोग मेरा इंतजार कर रहे थे, इसलिए मैं आपसे बात करने आया हूं। लोकतंत्र में भी यही कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लताजी जैसी आत्माएं सदियों में कभी-कभार वरदान की तरह आती हैं। उन्होंने दुनिया भर में भारत की जो पहचान बनाई। भारत को देखने का एक नया नजरिया दिया। लताजी के चाहने वाले पूरी दुनिया में हैं। मैं भारी मन से लताजी को नमन करता हूं। प्रधानमंत्री ने पूरवर्ती समाजवादी पार्टी की अखिलेश सरकार पर निशाना साधते हुये कहा कि जो पहले सरकार में थे उन्हें ना तो आप लोगों की आस्था से मतलब रहा है और ना आप लोगों की जरूरतों से। उनका सिर्फ एक ही एजेंडा रहा है- उप्र को लूटो। उन्हें उप्र के विकास से कोई वास्ता नहीं हैं।

## सुर साम्राज्ञी को श्रद्धांजलि

### केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जताया शोक

**नई दिल्ली :** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रसिद्ध पार्श्वगायिका भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अमित शाह ने रविवार को ट्वीट कर एक शोक संदेश में कहा, ह्लसुर व संगीत की पूरक लता दीदी ने अपनी सुर साधना व मंत्रमुग्ध कर देने वाली वाणी से न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व में हर पीढ़ी के जीवन को भारतीय संगीत की मिठास से सराबोर किया। संगीत जगत में उनके योगदान को शब्दों में पिरोना संभव नहीं है। उनका निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा, ह्लमैं खुद को सौभाग्यशाली समझता हूँ कि समय-समय पर मुझे लता दीदी का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त होता रहा।

### भागवत ने लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली :** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट किया है- 'लता मंगेशकर के निधन से मैं ही नहीं बल्कि पूरे देश के लोगों के मन में जो वेदना व्यक्त हुई है उसको शब्दों में वर्णन करना कठिन है। ईश्वर उनके परिवार को इस दुख को सहन करने का धैर्य प्रदान करें। मैं अपनी और संघ की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।' 28 सितंबर 1929 को इंदौर में जन्मीं लता मंगेशकर ने आज मुंबई में अंतिम सांस ली। लता मंगेशकर ने लगभग 30 से ज्यादा भाषाओं में गाने गाये हैं। भारतीय सिनेमा में उनकी पहचान पार्श्वगायक के रूप में रही है। लता की जादुई आवाज के देश के साथ पूरी दुनिया में दीवाने हैं।

### भैयाजी जोशी ने दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली :** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी ने स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। भैयाजी जोशी ने शोक संदेश में कहा, लताजी के निधन से सारा देश दुखी है। अंतःकरण वेदना से भरा हुआ है। लताजी की ऐसी प्रतिभा रही हैं कि उनका स्थान जनसामान्य के अंतःकरण में बहुत गहराई से स्थापित रहा है। संगीत को श्रेष्ठ ऊंचाइयों पर उन्होंने लाकर स्थापित किया। उसका पावित्र्य, उसका मांगल्य उनके स्वरों से प्रकट होता रहा। उनके स्वर सुनने वाले किसी भी व्यक्ति के अंतःकरण की गहराइयों में पहुंचकर संस्कार के रूप में प्रकट होता रहा। उनका जीवन संगीत क्षेत्र के जो भी आदर्श मापदंड हैं उस पर श्रेष्ठ सिद्ध हुआ है। आज विश्वभर के संगीतप्रेमी उनके जाने के बाद रिक्तता का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सरकार ने उन्हें भारत रत्न देकर एक उचित गौरव का स्थान तो दिया ही है, लेकिन जनसामान्य के अंतःकरण में उनका स्थान इससे भी वास्तविक रूप से कहीं ऊंचा है। गीतों में प्रकट होने वाली उनकी भावना, संवेदना हम सबके लिए सदैव स्मृति में रहेगी। मैं अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

### हर किसी की अपूरणीय क्षति : अनुराग ठाकुर

**नई दिल्ली :** केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर कहा कि स्वर कोकिला, सुर सम्राज्ञी लता जी का निधन ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई असंभव है। उनका जाना हर किसी के लिए व्यक्तिगत नुकसान है। अनुराग ठाकुर ने कहा, ह्यह्य निजी तौर पर वो मेरी सबसे पसंदीदा गायिका थीं जिन्होंने उम्र के हर पड़ाव पर अपने गायन से मेरे जैसे अनगिनत लोगों को प्रभावित किया, हमारे अंतर्मन पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। लता जी के अंदर की भारतीयता उनके संगीत में झलकती थी, उनके जैसा व्यक्तित्व का अवतरण सदियों में होता है। उन्होंने कहा कि उनकी आवाज अमर रहेगी, हमारे त्योहारों में, हमारे संस्कारों में, हमारे शुभ कार्यों में, हमारी सीमाओं पर, हमारी वंदना में, हमारी आराधना में, भावों की अभिव्यक्ति में, हर जगह, सर्वत्र। आपकी स्वर से यह देश सदा गुंजायमान रहेगा लताजी।

### असम के मुख्यमंत्री ने जताया शोक

**गुवाहाटी :** भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने तीन ट्वीट कर भारत रत्न को अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भारत आज महान लता दीदी के निधन पर शोक व्यक्त करता है, सबसे प्यारी और एक दयालु इंसान जिसने अपनी मनोरम आवाज से एक अरब दिलों को छुआ। उनका निधन एक युग के अंत का प्रतीक है। उनके गीत हमेशा दिलों और दिमागों में जीवित रहेंगे। ह्लमेरी आवाज ही पहचान हैह्ल को उन्होंने उद्धृत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने कहा है कि 'जोनाकोर राती' के अलावा, उन्होंने 'गोदावोरी नोइरे पारोरे पोरा', 'रोड पुवाबोर करोने' आदि जैसे अन्य लोकप्रिय असमिया गीत गाए, जो असम के लिए उनके प्रेम को दशार्ते हैं।बोरलुइत (ब्रह्मपुत्र) की तरह असम के लोगों के मन में लताजी की आवाज अनादि काल तक बहती रहेगी।

### राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति : जेपी नड्डा

**नई दिल्ली :** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर कहा है कि यह न केवल संपूर्ण कला जगत के लिए बल्कि समग्र राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है। नड्डा ने रविवार को जारी शोक संदेश में कहा कि आत्मा के तारों को झंकृत कर देने वाली आवाज के आज यूं खामोश हो जाने से मन अत्यंत व्यथित है। लता दीदी देश की आवाज थीं और संगीत जगत की सिरमौर थी। वे सभी संगीत साधकों के लिए प्रेरणा थी। बेहद शांत स्वभाव की लता दीदी एक प्रखर देश भक्त थीं। उन्होंने देशवासियों को सदैव ही अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित किया। वह हमारे बीच ऐसी शून्यता छोड़ गई हैं जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि लता दीदी ने 36 भाषाओं में लगभग 50 हजार गाने गाए, जो किसी भी गायक के लिए एक रिकॉर्ड है। करीब 1,000 से ज्यादा फिल्मों में उन्होंने अपनी आवाज दी। उनके बिना संगीत की कल्पना नहीं की जा सकती।

### उत्तराखंड के पास है लता जी का यादगार तोहफा

**देहरादून :** भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर पूरे देश के साथ ही उत्तराखंड भी गमजदा है। उत्तराखंड के पास लता जी के बेशकीमती तोहफे के तौर पर वो गढ़वाली गीत मन भरमैगे मौजूद हैं, जिसे उन्होंने वर्ष 1988 में रिकार्ड कराया था। फिल्म रैबार के इस गीत को लता जी ने इस कदर खूबसूरत ढंग से गाया था कि कहीं से पता नहीं चलता कि गढ़वाली बोली-भाषा न जानने वाली किसी गायिका ने इस गीत को गाया है। इस गीत को रिकार्ड कराने से पहले उन्होंने चार घंटे तक इस गीत पर मेहनत की थी। उन्हें जो फीस दी गई, उन्होंने स्टूडियो में ही एक एनजीओ के प्रतिनिधियों को बुलाकर उसे दान कर दिया था। लता जी से रैबार फिल्म के इस गीत के लिए निमार्ता किशन एन पटेल ने अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया था। यह गाना देवी प्रसाद सेमवाल ने लिखा था, जिसका संगीत कुंवर बावला ने तैयार किया था। संगीतकार कुंवर बावला बताते हैं-रैबार फिल्म 1990 में रिलीज हुई, लेकिन दो साल पहले ही 1988 में इस गीत को रिकार्ड करा लिया गया था।

### तमांग ने लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

**गंगटोक :** सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने भारत रत्न और स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। लता मंगेशकर ने रविवार सुबह मुंबई में आखिरी सांस ली है। मुख्यमंत्री तमांग ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा है कि 'वरिष्ठ गायिका लता मंगेशकर के निधन की खबर से मुझे गहरा दुःख हुआ है। वह एक संगीत परिवार से ताल्लुक रखती थीं और पंडित दीनानाथ मंगेशकर और शेवंती मंगेशकर की सबसे बड़ी बेटी थीं। उनके पहले शिक्षक उनके पिता थे, जो एक प्रसिद्ध मराठी संगीतकार और थिएटर कलाकार थे।'

## संक्षिप्त

### कंवरपाल ने भाजपा का किया प्रचार

**यमुनानगर :** शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने रविवार को बुलंदशहर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का चुनाव प्रचार किया। गुर्जर ने भाजपा उम्मीदवार प्रदीप चौधरी के समर्थन में जनसंपर्क किया।शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि इस बार उत्तर प्रदेश में फिर भाजपा की सरकार बनेगी।

### महाराष्ट्र में आज सार्वजनिक अवकाश

**मुंबई :** महाराष्ट्र सरकार ने दिवंगत स्वर कोकिला लता मंगेशकर के सम्मान में सोमवार को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। इस संबंध में राज्य सरकार ने रविवार को अधिसूचना जारी की है। राज्य में रविवार और सोमवार तक राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में लता मंगेशकर का निधन हो गया है।

### सिक्किम में दोदिनी राजकीय शोक

**गंगटोक :** भारत रत्न और स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर सिक्किम सरकार ने राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। राज्य गृह विभाग के प्रधान सचिव आर. तेलांग ने इस आशय की सूचना जारी की है। सिक्किम सरकार ने लता मंगेशकर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अधिसूचना में कहा गया है कि दिवंगत आत्मा के सम्मान में 6 फरवरी और 7 फरवरी को पूरे राज्य में राजकीय शोक रहेगा।

### किन्नौर में भूकंप, 4.1 रही तीव्रता

**शिमला :** हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला किन्नौर में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.1 रही। इसका केंद्र धरती के भीतर 10 किलोमीटर नीचे रहा। भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत मच गई। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि किन्नौर में रविवार दिन में 11 बजकर 27 मिनट पर भूकंप से धरती हिली।

# यूपी बदल चुका है, योगी सरकार कर रही बेहतर काम : राजनाथ

**महोबा :** रक्षामंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने रविवार को महोबा विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार राकेश गोस्वामी के समर्थ में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश बदल चुका है। योगी आदित्यनाथ की सरकार बेहतर काम कर रही है। भाजपा जो वादे करती है, निभाती भी है। बुन्देलखंड में अर्जुन बांध परियोजना का कार्य पूरा हो चुका है। केन बेतवा परियोजना स्वीकृत हो चुकी है। इस योजना से बुन्देलखंड को विशेष लाभ होगा। डिफेंस कॉरिडोर झांसी में शुरू हो चुका। विदेशी हथियार, टैंक मिसाइल अब यहीं बनाए जाएंगे। इसका पूरा लाभ बुन्देलखंड को मिलेगा। उत्तर प्रदेश में गोली नहीं गोला बनेगा। राजनाथ ने कबरई इलाके के सत्ती माता मैदान में आयोजित जनसभा में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में कहा है कि मोदी

सरकार की गलत नीतियों के कारण पाकिस्तान और चीन में दोस्ती हो गई और भारत की जमीन पर कब्जे हो रहे हैं, लेकिन इस बारे में राहुल गांधी को कम जानकारी है। चीन और पाकिस्तान की दोस्ती नई नहीं है। जब 1963 में पाकिस्तान और चीन में शक्सगाम घाटी संधि हुई तब पंडित नेहरू प्रधानमंत्री थे। राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए राजनाथ ने कहा कि जब काराकोरम हाइवे बना तब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं और 2013 में चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर बना तब भी केंद्र में कांग्रेस-नीत यूपीए की सरकार थी फिर राहुल गांधी यह कैसे कह रहे हैं कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती मौजूदा सरकार की गलत नीतियों से हुई।

रक्षा मंत्री ने गलवान घाटी झड़प का जिक्र करते हुए कहा कि जब पता चला कि भारत के कई सैनिक झड़प में मारे गए तो राहुल गांधी ग्लोबल टाइम्स को आधार बनाकर अपनी ही सेना के पराक्रम पर सवाल खड़े कर रहे थे कि हमारे कई सैनिक शहीद हुए और चीन का कोई सैनिक नहीं मरा, लेकिन इसका भी सच आज दुनिया के सामने है।

# कभी जिसे टिकट देने से किया इनकार, उसी पर जताया भरोसा

**चंडीगढ़ :** पहले दलित मुख्यमंत्री चमकौर साहिब के विधायक चरणजीत सिंह चन्नी के राजनीतिक जीवन में एक समय ऐसा भी था जब कांग्रेस ने उन्हें टिकट देने से इनकार कर दिया था। आज हालात यह हैं कि राजनीतिक घमासान में चन्नी ही पार्टी के लिए संजीवनी बनने जा रहे हैं। चरणजीत सिंह चन्नी रामदसिया सिख समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। चरनजीत सिंह चन्नी ने मोहाली के खरड़ से ही अपना राजनीतिक जीव पार्षद के रूप से शुरू किया था। चरनजीत सिंह चन्नी मूलरूप से खरड़ के गांव बजौली के रहने वाले हैं। इस समय वह खरड़ शहर में रहते हैं। चरनजीत सिंह चन्नी के पिता हरसा सिंह का खरड़ में टेंट हाउस था। कॉलेज समय में चन्नी अपने पिता के टेंट हाउस में उनकी मदद करते थे। इसके बाद जब स्नातक किया। खरड़ नगर परिषद से चन्नी ने पार्षद का चुनाव लड़कर राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी और बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। तत्कालीन मंत्री हरनेक सिंह घंडूआ ने किसी अन्य को नगर परिषद प्रधान बना दिया लेकिन पांच साल बाद चन्नी प्रधान बने। वह दो बार नगर परिषद के अध्यक्ष रहे। इसके बाद चन्नी ने चमकौर साहिब विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का मन बनाया और कांग्रेस से टिकट की दावेदारी की। उस समय कांग्रेस ने इन्हें कमजोर कड़ी माना और टिकट नहीं दिया। चन्नी ने संघर्ष नहीं छोड़ा और चमकौर साहिब विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद अकाली दल में भी शामिल हुए। अगले चुनाव में फिर से पार्टी को अलविदा कहकर कांग्रेसी हो गए। वह इस सीट से तीन बार विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह की सरकार में तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री थे। इससे पहले वह 2015 से 2016 तक पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता थे।

# अफगानिस्तान के मसले पर चीन-पाक की बैठक अगले माह

**बीजिंग :** अफगानिस्तान के हालात पाकिस्तान के लिए भी चुनौती बन रहे हैं। अब पाकिस्तान और चीन अगले महीने अफगानिस्तान को लेकर अलग से बैठक करेंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की बीजिंग यात्रा के पहले दिन इस मसले पर सहमति बनी। बीजिंग पहुंच कर भी इमरान को चीनी अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक के करनी पड़ी। इस दौरान चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के दूसरे चरण के सफल क्रियान्वयन पर वार्ता हुई।

इमरान खान चार दिवसीय यात्रा पर चीन गए हैं। पहले दिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के बीच हुई बातचीत में 60 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च कर विकसित किए जाने वाले चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को समयबद्ध ढंग से सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाने की बात कही गई। अफगानिस्तान के मसले पर तय हुआ कि अगले महीने दोनों देश इस विषय पर अलग से बैठक करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने बताया कि चीन में प्रस्तावित इस बैठक में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस बीच चीन दौरे पर पहुंचे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को बीजिंग में रहते हुए चीन के नेशनल डेवलपमेंट एंड रिफॉर्म कमीशन के अध्यक्ष और चीन के पीपुल्स पॉलिटिकल कन्सल्टेटिव कमेटी के उपाध्यक्ष से वर्चुअल बैठक करनी पड़ी। इमरान खान के साथ विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, वित्त मंत्री शौकत तारीन, योजना मंत्री असद उमर, सूचना मंत्री फवाद चौधरी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोइद युसूफ भी चीन पहुंचे हैं।

### चन्नी होंगे पंजाब में कांग्रेस का सीएम फेस

**चंडीगढ़ :** कांग्रेस हाईकमान ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा पिछले 111 दिनों में करवाए गए विकास कार्यों पर मोहर लगाते हुए फिर से सीएम फेस घोषित कर दिया है। यह चार माह में दूसरा मौका है जब कांग्रेस हाईकमान ने चरणजीत सिंह चन्नी पर मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए दांव खेला है। पंजाब के लुधियाना से वर्चुअल रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह पंजाब वासियों का फैसला है, जिससे वह सहमत हैं। राहुल गांधी ने बताया कि कांग्रेस ने वायस कॉल, इंटरनल बातचीत के माध्यम से मुख्यमंत्री का चेहरा चुना गया है। राहुल गांधी ने बताया कि इस मामले में पार्टी ने चरणजीत सिंह चन्नी तथा नवजोत सिद्धू को शामिल किया गया था। जिसके चलते पंजाब के लोगों ने चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में अपनी पहली पसंद चुना है। कांग्रेस ने आज मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के लिए लुधियाना से वर्चुअल रैली का आयोजन किया था।

# लता दीदी के निधन से पूरा विश्व मर्माहत

**काठमांडू/पेरिस :** स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन से दुनिया दुखी है। एशिया से यूरोप तक दुनिया भर के कई देशों ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक जाहिर किया है।

नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने लता मंगेशकर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि कई नेपाली गीतों को अपनी सुरीली आवाज से सजा चुकीं प्रसिद्ध भारतीय गायिका लता मंगेशकर के निधन की खबर से दुखी हूं। असाधारण प्रतिभा की धनी लता मंगेशकर को मैं भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति अब्दुल हामिद और प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि प्रख्यात गायिका लता मंगेशकर ने संगीत के लिए जो अमूल्य योगदान दिया उससे वो ना केवल भारत, बल्कि पूरे उपमहाद्वीप और सारे विश्व में लोगों के दिलों में बसी रहेंगी। पाकिस्तान के सूचना प्रसारण मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने दुख व्यक्त करते हुए ट्वीट किया कि एक महान गायिका नहीं रहीं। लता मंगेशकर सुरों की रानी थीं जिन्होंने दशकों तक संगीत की दुनिया पर राज किया। वह संगीत की बेताज रानी थीं। उनकी आवाज आने वाले समय में भी लोगों के दिलों पर राज करती रहेगी। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज रजा ने ट्वीट किया कि लता मंगेशकर कृपा, नम्रता और सादगी की प्रतीक थीं। वे सबके लिए उदाहरण थीं। पहले किशोर कुमार और अब उनकी मौत ने मेरे सुर छीन लिए। भारत में फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनैन ने कहा कि भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन से गहरा दुख हुआ है। वो अपने आप में एक संस्था थीं।

# चार असमिया फिल्म और एक एलबम में दी आवाज

**गुवाहाटी :** भारत रत्न और स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने आज देश को रुलाते हुए इस दुनिया को अलविदा कह दिया। स्वर कोकिला लता मंगेशकर का असम से खास रिश्ता रहा है।

सुधाकंठ भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका और लता मंगेशकर की जोड़ी ने कई सदाबहार असमिया गीतों में जान डाली। स्वर कोकिला की आवाज से सजे वे सभी गीत अमर हैं। लता मंगेशकर ने 1956 में डॉ. भूपेन हजारिका द्वारा निर्देशित फिल्म 'एरा बाटर सूर' में पहला असमिया गीत गाया था। गाना 'जोनाकरे राति, असमिरे माटी' गीत आज अमर हो गया है। उन्होंने गोदावरी नेरे पाररे परा, रद पूवाबर कारने आदि कई ऐतिहासिक गीतों को अपनी आवाज दी। लता मंगेशकर के गाये यह गीत हर असमिया के दिलों में जगह बना चुके हैं। लता मंगेशकर ने डॉ. भूपेन हजारिका की संगीतबद्ध फिल्म 'एराबटर सूर' और फिल्म 'सिराज (द्वितिय)' के साथ-साथ दो अन्य असमिया फिल्मों 'अपराजॉय' और 'पानी' में सुधाकांत डॉ भूपेन हजारिका के संगीत निर्देशन में गीतों को अपनी आवाज दी। इसके अलावा असमिया गीतों के एलबम चयनिका में भी डॉ. हजारिका के साथ गीतों को महकाया।

उल्लेखनीय है कि सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने आज सुबह 08 बजकर 12 मिनट पर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 साल की उम्र में अंतिम सांस ली।

## लता दी ने छत्तीसगढ़िया फिल्म 'भखला' के लिए गाया था विदाई गीत

**रायपुर :** भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर का छत्तीसगढ़ से भी नाता रहा है। 9 फरवरी, 1980 को छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय ने लता मंगेशकर को डी-लिट की उपाधि से नवाजा था। डॉक्टरेट की उपाधि से विभूषित 36 भाषाओं में 50 हजार गाने गाने वालीं लता ने छत्तीसगढ़ बोली में भी एक गीत गाया है। छत्तीसगढ़ी फिल्म 'भखला' के लिए 22 फरवरी 2005 को मुंबई के स्टूडियो में लता दीदी ने छत्तीसगढ़ी गीत छूट जाही अंगना अटारी.... छूटही बाबू के पिठइया की रिकॉर्डिंग की थी। शादी के बाद बेटी की विदाई पर इस गीत की रचना मदन शर्मा ने की थी और संगीत दिया था कल्याण सेन ने। इस गीत को गंवाने के लिए गीतकार मदन शर्मा और संगीतकार कल्याण सेन को काफी मेहनत करनी पड़ी थी।

मदन शर्मा ने बताया कि इसके लिए उन्होंने लम्बे समय तक उपवास रखा। इस गीत को लता जी से गंवाने के लिए नवंबर 2004 से फरवरी 2005 तक चार बार मुंबई के चक्कर लगाए। तब जाकर लता दी ने गाने के लिए हामी भरी । लता मंगेशकर की आवाज ने इस विदाई गीत को अमर कर दिया। इस गाने की रिकॉर्डिंग के लिए लता जी ने फीस की तय रकम में से 50 हजार रुपये मिठाई खाने के लिए लौटा दिए थे ।

# जीवन संगीत की साधना में हमेशा के लिए लीन हो गयीं लता

## अलविदा लता दीदी

**मुंबई।** अपनी आवाज के जादू से संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाली स्वर कोकिला लता मंगेशकर अब हमेशा के लिए जीवन संगीत की साधना में लीन हो गईं।

मध्य प्रदेश के इंदौर में 28 सितंबर 1929 को जन्मीं लता मंगेशकर (मूल नाम हेमा हरिदकर) के पिता दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े हुये थे। पांच वर्ष की उम्र में लता ने अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही लता संगीत की शिक्षा अपने पिता से लेने लगी। उन्होंने वर्ष 1942 में फिल्म किटी हसाल के लिये अपना पहला गाना गाया लेकिन उनके पिता को लता का फिल्मों के लिये गाना पसंद नहीं आया और उन्होंने उस फिल्म से लता के गाये गीत को हटवा दिया।

वर्ष 1942 में 13 वर्ष की छोटी उम्र में ही लता के सिर से पिता का साया उठ गया और परिवार की जिम्मेदारी उनके उपर आ गयी। इसके बाद उनका पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। लता को फिल्मों में अभिनय करना जरा भी पसंद नहीं था बावजूद इसके परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाते हुये उन्होंने फिल्मो में अभिनय करना शुरू कर दिया।

लता मंगेशकर को वर्ष 1942 में पहली मंगलगौर में अभिनय करने का मौका मिला। वर्ष 1945 में लता की मुलाकात संगीतकार गुलाम हैदर से हुयी। गुलाम हैदर लता के गाने के अंदाज से काफी प्रभावित हुये। उन्होंने फिल्म निमार्ता एस. मुखर्जी से यह गुजारिश की कि वह लता को अपनी फिल्म शहीद में गाने का मौका दे। एस. मुखर्जी को लता की आवाज पसंद नही आई और उन्होंने लता को अपनी फिल्म में लेने से मना कर दिया। इस बात को लेकर गुलाम हैदर काफी गुस्सा हुये और उन्होंने कहा यह लड़की आगे इतना अधिक नाम करेगी कि बड़े-बड़े निमार्ता-निर्देशक उसे अपनी फिल्मों में गाने के लिये गुजारिश करेंगे।

वर्ष 1949 में फिल्म महल के गाने आयेगा आने वाला के बाद लता बालीवुड में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गयी। इसके बाद राजकपूर की बरसात के गाने जिया बेकरार है, हवा में उड़ता जाये जैसे गीत गाने के बाद लता बालीवुड में एक सफल पार्श्वगायिका के रूप में स्थापित हो गयी। सी. रामचंद्र के संगीत निर्देशन में लता ने प्रदीप के लिखे गीत पर एक कार्यक्रम के दौरान एक गैर फिल्मी गीत ए मेरे वतन के लोगों गाया। इस गीत को सुनकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू इतने प्रभावित हुये कि उनकी आंखो मे आंसू आ गये। लता के गाये इस गीत से आज भी लोगो की आंखें नम हो जाती हैं।

लता की आवाज से नौशाद का संगीत सज उठता था। संगीतकार नौशाद लता के आवाज के इस कदर दीवाने थे कि वह अपनी हर फिल्म में लता को ही लिया करते थे। वर्ष 1960 मे प्रदर्शित फिल्म मुगले आजम के गीत मोहे पनघट पे की रिकॉर्डिंग के दौरान नौशाद ने लता से कहा था मैंने यह गीत केवल तुम्हारे लिये ही बनाया है, इस गीत को कोई और नहीं गा सकता है। हिन्दी सिनेमा के शोमैन कहे जाने वाले राजकपूर को सदा अपनी फिल्मो के लिये लता की आवाज की जरूरत रहा करती थी। राजकपूर लता की आवाज से इस कदर प्रभावित थे कि उन्होने लता मंगेश्कर को सरस्वती का दर्जा तक दे रखा था। साठ के दशक में लता पार्श्वगायिकाओं की महारानी कही जाने लगी।

वर्ष 1969 मे लक्ष्मीकांत प्यारे लाल के संगीत निर्देशन में लता मंगेश्कर ने फिल्म इंतकाम का गाना आ जानें जा गाकर यह साबित कर दिया कि वह आशा भोंसले की तरह पाश्चात्य धुन पर भी गा सकती है। नब्बे के दशक तक आते आते लता कुछ चुनिंदा फिल्मों के लिये ही गाने लगीं। वर्ष 1990 में अपने बैनर की फिल्म लेकिन के लिये लता ने यारा सिली सिली ..गाना गाया। हालांकि यह फिल्म चली नहीं लेकिन आज भी यह गाना लता के बेहतरीन गानों में से एक माना जाता है ।

लता को उनके सिने करियर में चार बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। लता मंगेशकर को उनके गाये गीत के लिये वर्ष 1972 में फिल्म परिचय, वर्ष 1975 में कोरा कागज और वर्ष 1990 में फिल्म लेकिन के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा उनको वर्ष 1969 में पदमभूषण, वर्ष 1989 में दादा साहब फाल्के सम्मान, वर्ष 1999 में पदमविभूषण, वर्ष 2001 में भारत रत्न से नवाजा गया।

## लता मंगेशकर के निधन से संगीत के एक युग का अंत

**मुंबई।** भारत रत्न, स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का रविवार की सुबह यहां निधन होने से संगीत के एक युग की समाप्ति हो गयी।

लता मंगेशकर के पिता दीनानाथ मंगेशकर भी संगीतकार थे और उनकी तीन बहनें आशा भोसले, ऊषा और मीना भी गाना गाती हैं। भाई हृदयनाथ मंगेशकर भी संगीतकार हैं।आशा भोसले भी संगीत की दुनिया में काफी प्रसिद्ध हैं और उन्होंने भी कई भाषाओं में 16 हजार से अधिक गाने गाये हैं।

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 में मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में सबसे बड़ी बेटी के रूप में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। लता का जन्म इंदौर में हुआ था लेकिन उनकी परवरिश महाराष्ट्र मे हुई। वह बचपन से ही गायिका बनना चाहती थीं। पहली बार लता ने वसंग जोगलेकर द्वारा निर्देशित फिल्म कीर्ती हसाल के लिये मराठी में गाना गाया। उनके पिता नहीं चाहते थे कि लता फिल्मों के लिये गायें इसलिये इस गाने को फिल्म से निकाल दिया गया। लेकिन उनकी प्रतिभा से वसंत जोगलेकर काफी प्रभावित हुये। लता के पिता की असामयिक मृत्यु जब हुयी तब लता जी सिर्फ 13 साल की थीं।

आर्थिक परेशानी के कारण फिल्मों में अभिनय पसंद नहीं होने के बावजूद उन्होंने कुछ हिन्दी और मराठी फि ल्मों में काम करना पड़ा। अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फिल्म मराठी में पाहिली मंगलागौर 1942 रही, जिसमें उन्होंने स्नेहप्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभाई। बाद में उन्होंने कई फि ल्मों में अभिनय किया जिनमें, माझे बाल, चिमुकला संसार 1943, गजभाऊ 1944 (मराठी), बड़ी माँ 1945, जीवन यात्रा 1946, माँद 1948, छत्रपति शिवाजी 1952 शामिल थी। बड़ी मां, में लता ने नूरजहां के साथ अभिनय किया और उसके छोटी बहन की भूमिका निभाई आशा भोसले ने। उन्होंने खुद की भूमिका के लिये गाने भी गाये और आशा के लिये पार्श्वगायन किया।

लताजी ने 1948 में पार्श्वगायिकी में कदम रखा तब इस क्षेत्र में नूरजहां, अमीरबाई कर्नाटकी, शमशाद बेगम और राजकुमारी आदि की तूती बोलती थी ऐसे में उनके लिए अपनी पहचान बनाना इतना आसान नही था। लता का पहला गाना एक मराठी फिल्म किति हसाल के लिए था, मगर वो प्रदर्शित नहीं हो पायी थी। वर्ष 1949 में लता को फिल्म महल के ह्यआयेगा आनेवाला.... गीत से मिला। इस गीत को उस समय की सबसे खूबसूरत और चर्चित अभिनेत्री मधुबाला पर फिल्माया गया था। यह फिल्म अत्यंत सफल रही थी और लता तथा मधुबाला दोनों के लिये बहुत शुभ साबित हुई। इसके बाद लता ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

### 'ऐ मेरे वतन के लोगों' गाना सुनकर रो पड़ी थीं लता मंगेशकर

**मुंबई।** बॉलीवुड की स्वर कोकिला लता मंगेश्कर ने जब 'ऐ मेरे वतन के लोगों' गाना सुना तब वह रो पड़ी थी। लता मंगेश्कर का गाया गाना 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जब भी सुनायी देता है तब श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। बताया जाता है कि इस गाने को अपनी आवाज देने के लिए लता मंगेशकर ने मना कर दिया था, लेकिन जब उन्होंने इस गाने को पहली बार सुना तो वो रोने लगी थीं। कवि प्रदीप ने 'ऐ मेरे वतन के लोगों' की रचना की है। कवि प्रदीप के दिमाग में इस गाने के बोल तब आए जब वह मुंबई माहीम बीच पर टहल रहे थे। उस वक्त उनके पास ना पेन था और ना ही कागज। ऐसे में उन्होंने पास से गुजर रहे अजनबी से पेन मांगा और सिगरेट के एल्यूमिनियम फॉयल पर गाने को लिखा। कवि प्रदीप इस गाने को लता मंगेशकर से ही गवाना चाहते थे। किसी बात को लेकर लता मंगेशकर और कवि प्रदीप के बीच मतभेद हो गया था, इसके बाद लता ने इस गाने को गाने से इनकार कर दिया। काफी समय के बाद कवि प्रदीप ने लता दीदी को मनवाया और इस गाने को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी। बताया जाता है कि लता ने उस वक्त एक शर्त रखी थी उनका कहना था कि जब भी इस गाने का रिहर्सल होगा तो उन्हें वहां पर मौजूद रहना होगा। कवि प्रदीप गायिका की इस बात को तुरंत मान गए थे।

## 25 रुपए थी लता मंगेशकर की पहली कमाई

**मुंबई।** भारतीय सिनेमा जगत में करीब आठ जगत तक लता मंगेश्कर ने अपनी मधुर आवाज से श्रोताओं को दीवाना बनाया लेकिन उनके बारे में कुछ ऐसे रोचक तथ्य है, जिन्हें आज की पीढ़ी नही जानती है।

28 सितंबर 1929 को मध्यप्रदेश में इंदौर शहर के एक मध्यम वर्गीय मराठी परिवार में जन्मी लता मंगेश्कर ने वर्ष 1942 में किटी हसाल के लिये अपना पहला गाना गाया, लेकिन उनके पिता दीनानाथ मंगेश्कर को लता का फिल्मों के लिये गाना पसंद नही आया और उन्होंने उस फिल्म से लता के गाये गीत को हटवा दिया था। हालांकि इसी वर्ष लता को पहली मंगलगौर में अभिनय करने का मौका मिला । लता की पहली कमाई 25 रुपए थी जो उन्हें एक कार्यक्रम में स्टेज पर गाने के दौरान मिली थी।

बहुत कम लोगो को पता होगा कि लता मंगेश्कर का असली नाम हेमा हरिदकर है । बचपन के दिनो से उन्हे रेडियो सुनने का बड़ा ही शौक था।जब वह 18 वर्ष की थी तब उन्होंने अपना पहला रेडियो खरीदा था और जैसे ही उन्होंने रेडियो ऑन किया तो के.एल.सहगल की मृत्यु का समाचार उन्हें प्राप्त हुआ ।बाद में उन्होंने वह रेडियो दुकानदार को वापस लौटा दिया ।

लता मंगेश्कर को अपने बचपन के दिनों में साईकिल चलाने का काफी शौक था जो पूरा नहीं हो सका अलबत्ता उन्होंने अपनी पहली कार 8000 रुपए में खरीदी थी । लता मंगेश्कर मसालेदार भोजन करने का शौक रखती है और एक दिन में वह तकरीबन 12 मिर्चे खा जाती है। उनका मानना है कि मिर्चे खाने से गले की मिठास बढ़ जाती है । लता मंगेश्कर को किक्रेट देखने का भी काफी शौक रहा है । लार्डस में उनकी एक सीट सदा आरक्षित रहती है ।अपने करियर के शुरूआत में लता मंगेश्कर को अपने पार्श्वगायकों के साथ एक ही माइक्रोफोन से गाने का अवसर मिलता था ।जब वह पार्श्वगायक हेमंत कुमार के साथ गाने गाती थी तो इसके लिये उन्हें स्टूल का सहारा लेना पड़ता था। इसकी वजह यह थी कि हेमंत कुमार उनसे काफी लंबे थे।

वर्ष 1962 में एक बार लता मंगेश्कर काफी बीमार पड़ गयी थी और कहा जाने लगा कि वह अब कभी गा नही सकती है । कहा जाता है उनके बावर्ची ने उनके खाने में धीमा जहर मिला दिया था ।बाद में उन्होंने उस बावर्ची को बिना पगार दिये नौकरी से हटा दिया ।लता मंगेश्कर फिल्म इंडस्ट्री में मृदु स्वाभाव के कारण जानी जाती है लेकिन दिलचस्प बात है कि किशोर कुमार और मोहम्मद रफी जैसे पार्श्वगायको के साथ भी उनकी अनबन हो गयी थी ।किशोर कुमार के साथ लता मंगेश्कर की अनबन का वाकया काफी दिलचस्प है ।

लता मंगेशकर ने इस घटना का जिक्र कुछ इस प्रकार किया है बांबे टॉकीज की फिल्म जिद्दी के गाने की रिर्कार्डिंग करने जाने के लिये जब वह एक लोकल ट्रेन से सफर कर रही थी तो उन्होंने पाया कि एक शख्स भी उसी ट्रेन में सफर कर रहा है। स्टूडियों जाने के लिये जब उन्होने तांगा लिया तो देखा कि वह शख्स भी तांगा लेकर उसी ओर आ रहा है। जब वह बांबे टॉकीज पहुंची तो उन्होने देखा कि वह शख्स भी बांबे टॉकीज पहुंचा हुआ है। बाद में उन्हें पता चला कि वह शख्स किशोर कुमार हैं।बाद में जिद्दी में लता ने किशोर कुमार के साथ ये कौन आया रे करके सोलह सिंगार गाया ।लता मंगेश्कर ने पार्श्वगायक मोहम्मदी रफी के साथ सैकड़ो गीत गाये थे लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया था जब उन्होंने रफी से बातचीत तक करनी बंद कर दी थी। लता मंगेश्कर गानों पर रायल्टी की पक्षधर थीं जबकि मोहममद रफी ने कभी भी रायल्टी की मांग नहीं की। दोनों का विवाद इतना बढ़ा कि मोहम्मद रफी और लता मंगेश्कर के बीच बातचीत भी बंद हो गई और दोनो ने एक साथ गीत गाने से इंकार कर दिया। हालांकि चार वर्ष के बाद अभिनेत्री नरगिस के प्रयास से दोनों ने एक साथ एक कार्यक्रम में दिल पुकारे गीत गाया।

### 1912 में मिला भारत रत्न

लता मंगेश्कर को अपने घर में केवल के.एल.सहगल के गीत गाने की अनुमति मिला करती थी। उनकी यह ख्वाहिश थी कि वह सहगल से मुलाकात करे और अभिनेता दिलीप कुमार के लिये गाना गाये लेकिन उनके ये दोनो शौक पूरे नही हो सके ।यूं तो लता मंगेश्कर ने अपने सिने करियर में कई नामचीन अभिनेत्रियों के लिये पार्श्वगायन किया है लेकिन अभिनेत्री मधुबाला जब फिल्म साईन करती थी तो अपने कांट्रैक्ट में इस बात का उल्लेख करना नही भूलती थी कि उनके गाने लता मंगेश्कर को गाने का अवसर दिया जाये। कहा जाता है कि वर्ष 1962 में जब लता 32 साल की थी तब उन्हें स्लो प्वॉइजन दिया गया था। लता की बेहद करीबी पद्मा सचदेव ने इसका जिक्र अपनी किताब ऐसा कहां से लाऊं में किया है। जिसके बाद राइटर मजरूह सुल्तानपुरी कई दिनों तक उनके घर आकर पहले खुद खाना चखते, फिर लता को खाने देते थे। हालांकि, उन्हें मारने की कोशिश किसने की, इसका खुलासा आज तक नहीं हो पाया। लता मंगेश्कर को अपने सिने करियर में मान सम्मान बहुत मिला है। लता मंगेश्कर फिल्म इंडस्ट्री की पहली महिला है जिन्हें भारत रत्न और दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त हुआ। उनके अलावे सत्यजीत रे को ही यह गौरव प्राप्त है। वर्ष 1974 में लंदन के सुप्रसिद्ध रॉयल अल्बर्ट हॉल में उन्हें पहली भारतीय गायिका के रूप में गाने का अवसर प्राप्त है।

### एक दिन भी स्कूल नहीं गयीं लता

बहुत कम लोगो को पता होगा कि लता मंगेश्कर महज एक दिन के लिये स्कूल गयी थी। इसकी वजह यह रही कि जब वह पहले दिन अपनी छोटी बहन आशा भोंसले को स्कूल लेकर गयी तो अध्यापक ने आशा भोंसले को यह कहकर स्कूल से निकाल दिया कि उन्हें भी स्कूल की फीस देनी होगी। बाद में लता मंगेश्कर ने निश्चय किया कि वह कभी स्कूल नही जायेगी। इसके बाद उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा घर में ही रहकर अपने नौकर से प्राप्त की। हालांकि बाद में उन्हें न्यूयार्क यूनिवर्सिटी सहित छह विश्वविधालयों से मानक उपाधि से नवाजा गया।

## फिल्म देखने का शौक काफी कम रहा

लता मंगेश्कर को फिल्म देखने का शौक काफी कम रहा। उनकी सबसे पसंदीदा फिल्म द किंग एंड आई रही।ञ हिंदी फिल्मों में उन्हें त्रिशूल शोले,सीता और गीता दिलवाले दुल्हनियां ले जायेगे और मधुमती पसंद थी। वर्ष 1943 में प्रदर्शित फिल्म किस्मत उन्हें इतनी अधिक पसंद आई थी कि उन्होंने इसे लगभग 50 बार देखा था।

लता मंगेश्कर को मेकअप पसंद नही था। उन्हें डायमंड रिंग पहनने का काफी शौक रहा है। उन्होंने अपनी पहली डायमंड रिंग वर्ष 1947 में 700 रुपए में खरीदी थी। लता मंगेश्कर अपने करियर के शुरूआती दौर में डायरी लिखने का शौक रखती थी जिसमें वह गाने और कहानी लिखा करती थी बाद में उन्होंने उस डायरी की अनुपयोगी समझ कर उसे नष्ट कर दिया।

लता मंगेश्कर ने फिल्म पार्श्वगायन के अलावे बतौर निर्मात्री एक हिंदी फिल्म लेकिन का निर्माण भी किया है। वर्ष 1991 में प्रदर्शित इस फिल्म में उनकी आवाज में यारा सीली सीली गीत श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। इस गीत के लिये गीतकार गुलजार को सर्वश्रेष्ठ गीतकार का पुरस्कार दिया गया था।लता की फेवरेट सिंगर कोई इंडियन नहीं, बल्कि मिस्त्र की सिंगर उम्म कुलसुम हैं।

लता मंगेश्कर ने देश-विदेश में अपनी जादुई आवाज के जरिये बीस से अधिक भाषाओं मे पचास हजार से भी ज्यादा गीत गाकर ..गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड.. मे नाम दर्ज कराया।लता ने करीब 10 फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें बड़ी मां (1945), जीवन यात्रा (1946) और मंदिर (1948) जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं।

लोग फिट रहने के लिए एक्सरसाइज करते हैं, जिम जाते हैं लेकिन लता मंगेश्कर अपनी आवाज की फिटनेस के लिए बबल गम चबाती हैं।वह किसी भी गाने की रिकॉर्डिंग से पहले उस गीत को अपनी हैंड राइटिंग में पेपर पर लिखती थी और पेज के टॉप पर 'श्री' भी लिखती थी।

## लता का भोजपुरी से भी रहा है नाता

**पटना।** सुरों की सरस्वती लता मंगेशकर जिन्हें लोग प्यार से लता दी कहा करते थे का न सिर्फ हिंदी फिल्म जगत से नाता था बल्कि उन्होंने बिहार की लोकभाषाओं में भी गाने गाये। लता मंगेशकर का गाया ऐसा ही एक भोजपुरी गीत सर्वकालिक श्रेष्ठ भोजपुरी गाना बना हुआ है। लता दी के गाए भोजपुरी गीत आज भी सर्वकालिक श्रेष्ठ के रूप में जाना और पहचाना जाता है। उनके गाए इन गीतों को सुनने के बाद ही भोजपुरी भाषा की मिठास को जाना जा सकता है।

वर्ष 1962-63 में आई भोजपुरी फिल्म लागी ना छूटे रामा में लता मंगेशकर का गाया गीत आज भी संगीत के कद्रदानों के कानों में मिस्त्री सी मिठास घोलते हैं। इस फिल्म में लता दीदी का गाया भोजपुरी गीत ह्यलाल-लाल ओठवा से बरसे ललइया हो कि रस चूएला- जइसे अमवा के मोंजरा से रस चूएला--- जइसे रस चूएला।

लता मंगेशकर का ऐसे तो भोजपुरी से कोई सीधा नाता नहीं रहा लेकिन उन्होंने कई मौकों पर भोजपुरी और अन्य बिहार की भाषाओं की मिठास का जिक्र किया था। गीतकार शैलेन्द्र ने भी इसका जिक्र किया था। उन्होंने ह्यलाल-लाल ओठवा से बरसे ललइया हो कि रस चूएला ... गीत के बाद लता मंगेशकर का भोजपुरी से स्नेह को सार्वजनिक मंचों पर बखान किया था।

## दिलीप कुमार की सलाह पर लता ने सीखी थी उर्दू

**मुंबई।** स्वर कोकिला लता मंगेश्कर ने दिलीप कुमार की सलाह पर उर्दू सीखी थी। वर्ष 1947 में जब लता मंगेश्कर पहली बार दिलीप कुमार से मिली थी तब दिलीप कुमार ने लता के उर्दू उच्चारण को लेकर संदेह जताया। इसके बाद दिलीप की एक टिप्पणी ने लता को उर्दू सीखने के लिए एक मौलाना से पढ़ने को प्रेरित किया। संगीतकार अनिल बिस्वास ने एक लोकल ट्रेन में लता मंगेशकर को दिलीप कुमार से मिलवाया था। इस मुलाकात को याद करते हुये लता ने कहा था कि बिस्वास ने उन्हें दिलीप कुमार से यह कहते हुए मिलवाया, 'यह लता है, बहुत अच्छा गाती हैं। इस पर दिलीप कुमार ने जवाब दिया, 'अच्छा, कहां की है?' और बिस्वास ने उनका पूरा नाम लता मंगेशकर बताया। दिलीप कुमार की वो टिप्पणी, जब उन्हें पता चला कि मैं एक मराठी हूं, वह कुछ ऐसी है जिसे मैं संजोती हूं और इसने मुझे हिंदी और उर्दू भाषा में पूर्णता की तलाश को प्रेरित किया, क्योंकि मैं इसमें कमजोर थी। उन्होंने बेहद सच कहा कि जो गायक उर्दू भाषा से परिचित नहीं थे, वे उर्दू के शब्दों के उच्चारण में हमेशा फंस जाते हैं और इससे श्रोताओं का मजा खराब हो जाता है। लता ने कहा था कि इससे शुरूआत में तो उन्हें अफसोस हुआ। उन्होंने कहा, 'तब, मैंने टिप्पणी पर विचार किया और मुझे एहसास हुआ कि वह सही थे और उन्होंने इसे मेरे उच्चारण में सुधार करने के इरादे से कहा था। लता मंगेशकर ने कहा कि वह घर गईं और एक पारिवारिक मित्र को बुलाया और तत्काल उर्दू सीखने की इच्छा जताई और फिर एक विद्वान मौलाना से उर्दू सीखना शुरू किया।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) मुख्य कार्यकारी अधिकारी : पंकज मिश्र, संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)